केशव महाविद्यालय

(नैक से मान्यता प्राप्त ग्रेड 'ए' - दूसरा चक्र)

दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रवेश विवरणिका

अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम्स में प्रवेश के लिए

2025-26

कुलगीत
दिल्ली विश्वविद्यालय

जयति जय जय-जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम
श्रेष्ठ सुन्दर दिव्य दिल्ली
विश्व विद्यालय विहंगम

सकल वसुधा निज कुटुंब की
भावना संस्कृति सनातन
आधुनिक शिक्षा पुरातन
ज्ञान धाराओं का संगम
देश की स्वाधीनता हित
भूमिका शत कोटि वंदन
निष्ठा धृति सत्यम के मंगल
दिव्य भावों का समागम
जयति जय जय-जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम

भव्य महाविद्यालयों के
परिसरों से चिर सुशोभित
श्रेष्ठ गुरुजन कर रहे नित
छात्र और छात्राएँ दीक्षित
सद्चरित्राचार पावन
साधना संकल्प संयम
नवल वैश्विक चेतना
नव क्रान्ति संस्कारों का उद्गम
जयति जय जय-जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम
श्रेष्ठ सुन्दर दिव्य दिल्ली
विश्वविद्यालय विहंगम

रचनाकार
गजेन्द्र सोलंकी
अंतरराष्ट्रीय कवि, गीतकार

दर्शन

एक ऐसा प्रमुख संस्थान बनना जो विद्यार्थियों में रचनात्मकता का पोषण करे तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों का संचार करे ताकि वे वास्तविक जीवन की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें।

नियोग

- दृष्टिकोण और विचारों में सकारात्मकता लाना।
- रचनात्मकता और समस्या-समाधान कौशल का पोषण करना।
- लैंगिक मुद्दों और सभी मनुष्यों के प्रति सम्मान के प्रति छात्रों को संवेदनशील बनाना।
- पारिस्थितिकी संवर्धन और पर्यावरणीय कारकों से संबंधित जागरूकता लाना।
- छात्रों को बदलाव शुरू करने और उसका प्रबंधन करने के लिए दूरदृष्टि और साहस रखने के लिए प्रोत्साहित करना।
- प्रतिस्पर्धी दुनिया की चुनौतियों को पहचानने और अनुकूलन करना सीखने में मदद करना।
- शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छ और अनुकूल माहौल बनाना।
- महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहन देना।

उद्देश्य

- छात्रों को बौद्धिक और समग्र रूप से विकसित करना।
- छात्रों को आवश्यक कौशल से लैस करके उद्योग की जरूरतों को पूरा करना।
- आईसीटी के उपयोग और छात्रों के निरंतर मूल्यांकन के माध्यम से शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया की गुणवत्ता को बढ़ाना।
- छात्रों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए शिक्षित/प्रशिक्षित करना और उनमें देशभक्ति की भावना विकसित करना।
- छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिके रहने के लिए सशक्त बनाना।
- उच्च रोजगार क्षमता वाले गतिशील और संतुलित स्नातक तैयार करना।
- छात्रों को आगे की उच्च शिक्षा के लिए तैयार करना।

महत्वपूर्ण लेख

केशव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक महाविद्यालय है, इसलिए विभिन्न कार्यक्रमों/पाठ्यक्रमों के संबंध में प्रवेश के लिए सभी नियम, विनियम और निर्देश समय-समय पर संशोधित दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रवेश दिशानिर्देशों के अनुसार होंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय से समय-समय पर प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रॉस्पेक्टस को संशोधित किया जाएगा। यूजी प्रवेश 2025-26 के संशोधित अपडेट कॉलेज की वेबसाइट http://keshav.du.ac.in/ पर उपलब्ध होंगे।

नोटिस और अलर्ट

छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे कक्षाओं, समय-सारिणी, परीक्षाओं, आईए अंकों आदि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी के लिए नियमित रूप से कॉलेज की वेबसाइट, नोटिस-बोर्ड और ईआरपी यूनीवन पोर्टल की जांच करें। ईआरपी पोर्टल का उपयोग प्रमाण पत्र (जैसे एनओसी, बोनाफाइड, प्रोविजनल, आदि) के लिए आवेदन करने या नौकरी / इंटर्नशिप के लिए भी किया जा सकता है।

उपयोगी कड़ियां

- दिल्ली विश्वविद्यालय प्रवेश 2025-26 बुलेटिन: https://admission.uod.ac.in/
- दिल्ली विश्वविद्यालय प्रवेश वेबसाइट: https://admission.uod.ac.in/
- स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा एनइपी 2020: https://centenary.du.ac.in/?Documents-Documentaries/UGCF-2022-NEP-2020
- यूजीCF बहु-प्रवेश और निकास फ़्लोचार्ट: https://www.du.ac.in/uploads/UGCF-Flowchart.pdf
- सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (सी एस ए एस): https://admission.uod.ac.in/
- एनइपी से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाएँ: https://keshav.du.ac.in/importantnepnotifications
- कॉलेज द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रमों/पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी: https://keshav.du.ac.in/academics/courses
- रैगिंग विरोधी: https://keshav.du.ac.in/usefullinks/committees/anti_ragging
- कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ रैगिंग और यौन उत्पीड़न के लिए अनुशासन, निषेध और दंड के संबंध में अध्यादेश: https://keshav.du.ac.in/uploads/discipline/OrdinanceXV.pdf
- स्नातक कार्यक्रमों के लिए शैक्षणिक कैलेंडर: https://keshav.du.ac.in/storage/publish/academic%20calendar.pdf

प्रिंसिपल की डेस्क से

दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक महाविद्यालय, केशव महाविद्यालय, शैक्षणिक उत्कृष्टता और समग्र विकास का प्रतीक है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नेक) द्वारा अपने दूसरे चक्र में "A" ग्रेड प्राप्त और राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में 93वें स्थान पर, यह महाविद्यालय शिक्षा और संस्थागत अखंडता के उच्चतम मानकों को बनाए रखता है।

हमारी शैक्षणिक दृष्टि एक बहु-विषयक दृष्टिकोण पर आधारित है जो मूलभूत ज्ञान को वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के साथ सहजता से एकीकृत करता है। हमारा मानना है कि शिक्षा न केवल जानकारी प्रदान करे, बल्कि रूपांतरित भी करे - छात्रों को एक जटिल और निरंतर बदलती दुनिया में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक बौद्धिक गहराई और नैतिक आधार प्रदान करे।

इस उद्देश्य से, हमारे संकाय सदस्य छात्रों में आलोचनात्मक सोच, पर्यावरणीय जागरूकता और नैतिक संवेदनशीलता विकसित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हमारा ज़ोर केवल शैक्षणिक उपलब्धि पर ही नहीं, बल्कि ऐसे व्यक्तियों के पोषण पर भी है जो सामाजिक रूप से ज़िम्मेदार, सहानुभूतिपूर्ण और नेतृत्व करने में सक्षम हों।

केशव महाविद्यालय अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे द्वारा समर्थित एक सक्षम वातावरण प्रदान करता है, जिसमें एक आधुनिक सभागार, एक एम्फीथिएटर और उन्नत दृश्य-श्रव्य प्रणालियों से सुसज्जित सुसज्जित सेमिनार कक्ष शामिल हैं। ये सुविधाएँ शैक्षणिक संवाद, रचनात्मक अभिव्यक्ति और सार्थक छात्र जुड़ाव को प्रोत्साहित करती हैं।

पाठ्येतर और पाठ्येतर गतिविधियाँ परिसर जीवन का एक अभिन्न अंग हैं। छात्रों को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के माध्यम से खेल, प्रदर्शन और दृश्य कला, फोटोग्राफी, वाद-विवाद और सामाजिक कार्य जैसे विविध क्षेत्रों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। कॉलेज कई छात्र-नेतृत्व वाली समितियों और संस्थागत निकायों की भी मेजबानी करता है - जिनमें पर्यावरण क्लब, महिला विकास प्रकोष्ठ, समान अवसर प्रकोष्ठ और प्लेसमेंट प्रकोष्ठ शामिल हैं - जो नेतृत्व, समावेशिता और नागरिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देते हैं।

शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत के साथ, हम अपने नए छात्रों का हार्दिक स्वागत करते हैं। हमें विश्वास है कि केशव महाविद्यालय में आपका समय सार्थक शिक्षा, व्यक्तिगत विकास और अपनेपन की गहरी भावना से चिह्नित होगा।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के शब्दों में:

"सीखने से रचनात्मकता आती है, रचनात्मकता से चिंतन होता है, चिंतन से ज्ञान मिलता है और ज्ञान आपको महान बनाता है।"

यह दर्शन केएमवी में शिक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का आधार है।

प्रो. मधु प्रुथी
(प्राचार्या)

उप-प्राचार्या का संदेश

मैं अत्यंत गर्व और सच्चे उत्साह के साथ केशव महाविद्यालय में आपका स्वागत करता हूँ—एक ऐसा संस्थान जो शैक्षणिक कठोरता, परिवर्तनकारी शिक्षा और उत्कृष्टता की एक चिरस्थायी विरासत का पर्याय है। उप-प्राचार्या के रूप में, मुझे एक ऐसे शैक्षणिक समुदाय का हिस्सा बनकर गर्व महसूस हो रहा है जो न केवल विद्वता के उच्चतम मानकों की आकांक्षा रखता है, बल्कि कर्तव्यनिष्ठ, दूरदर्शी वैश्विक नागरिकों को आकार देने के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

केशव महाविद्यालय में, शिक्षा की परिकल्पना केवल शैक्षणिक योग्यता प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि एक परिवर्तनकारी यात्रा के रूप में की जाती है—एक ऐसी यात्रा जो चरित्र को गढ़ती है, स्थायी मूल्यों का संचार करती है, और जिज्ञासा एवं नवाचार की भावना को प्रज्वलित करती है। हमारे प्रतिष्ठित संकाय, समर्पित कर्मचारी और जीवंत छात्र समूह मिलकर एक ऐसे पोषणकारी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं जो बौद्धिक जिज्ञासा, नैतिक नेतृत्व और सार्थक व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देता है।

हमारी विविध और गतिशील शैक्षणिक पेशकशें निरंतर बदलते वैश्विक परिदृश्य की जटिलताओं को संबोधित करने के लिए सोच-समझकर तैयार की गई हैं। साथ ही, हम सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों पर भी ज़ोर देते हैं—चाहे वह कठोर शैक्षणिक संवाद, वैज्ञानिक अन्वेषण, खेल उत्कृष्टता या सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के माध्यम से हो—यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारे छात्र सुवक्ता, आत्मविश्वासी और सर्वांगीण व्यक्तित्व के रूप में विकसित हों।

हमारे साथ अपनी शैक्षणिक यात्रा शुरू करना न केवल व्यावसायिक उपलब्धि की ओर एक कदम है; बल्कि यह एक दयालु, चिंतनशील और ज़िम्मेदार वैश्विक नागरिक बनने का एक गहरा अवसर भी है।

केशव महाविद्यालय में आपका स्वागत है - जहाँ आकांक्षाओं को पोषित किया जाता है, क्षमताओं का सम्मान किया जाता है और उद्देश्यपूर्ण भविष्य गढ़ा जाता है।

प्रो. अर्पणा शर्मा
(उप-प्राचार्या)

विषयसूची

प्रवेश से संबंधित महत्वपूर्ण समितियां 6
परिभाषाएँ और संक्षेपण 7
1. कॉलेज प्रोफ़ाइल 9
2. अंडरग्रेजुएट पाठ्यक्रम ढांचा (यूजीसीएफ) 10
3. स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया 17
4. यूजी प्रवेश के लिए पात्रता आवश्यकताएँ 21
5. कॉलेज द्वारा प्रस्तावित यूजी कार्यक्रम और पाठ्यक्रम 22
5.1. स्नातक कार्यक्रम और कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता 22
5.2. चार वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश 27
5.3. विदेशी भाषाओं में एक वर्षीय सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में प्रवेश 27
5.4. विदेशी भाषाओं में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश 27
5.5. ईसीए सीटों का वितरण 28
5.6. खेल सीटों का वितरण 28
6. शुल्क संरचना 29
6.1. कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों के लिए समेकित शुल्क 29
6.2. घटक-वार शुल्क संरचना 30
7. प्रवेश वापसी के मामले में शुल्क वापसी नीति 31
8. आरक्षण नीति 32
9. एनसीवेब और एसओएल (डीडीसीई) में प्रवेश 41
10. बालिका छात्रावास में प्रवेश 41
11. कॉलेज लाइफ 42
11.1. आधारभूत संरचना 42
11.2. छात्र विकास: प्रकोष्ठ और पहल 47
11.3. सांस्कृतिक समाज 53
11.4. वार्षिक सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ 55
11.5. विभागीय सोसायटी 58
11.6. अन्य सुविधाएँ 61
12. अनुशासन 64
13. सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम 66
14. शिकायत एवं परिवाद समितियां 67
15. शिक्षक 69
16. गैर-शिक्षण कर्मचारी 72

प्रवेश से संबंधित महत्वपूर्ण समितियां

केंद्रीय प्रवेश समिति (admissions@keshav.du.ac.in)		
डॉ. वंदना अरोड़ा - संयोजक एवं नोडल अधिकारी		
प्रो. प्रदीप कुमार	डॉ. रजनी मेंदीरत्ता	डॉ. किरण यादव
प्रो. हरप्रीत भाटिया	डॉ. मोना रंगा	सुश्री आस्था गोयल
प्रो. ऋचा शर्मा	डॉ. रिची अग्रवाल	सुश्री आस्था कंजलिया

केंद्रीय प्रवेश सहायता डेस्क (admission.helpdesk@keshav.du.ac.in)	
नाम	**संपर्क संख्या**
प्रो. मंजरी सिंह - संयोजक	9810059853
डॉ. अंजलि ठुकराल	9871975544
डॉ. मुकेश	9891303900
डॉ. राकेश कुमार	9910293886

प्रवेश के लिए शिकायत निवारण समिति (grievance.admissions@keshav.du.ac.in, 011 - 27018805)	
नाम	**संपर्क संख्या**
प्रो. धनपाल सिंह - संयोजक	9811447977
श्री रवि कुमार यादव	9810261600
डॉ. अंजलिका सोलंकी	8860999601
श्री मोहम्मद रफीक सीके	9650583235

एससी/एसटी/ओबीसी-एनएल/ईडब्ल्यूएस और पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवारों के लिए शिकायत निवारण समिति	
नाम	**संपर्क संख्या**
प्रो. दीपक श्रीवास्तव - संयोजक	7982498020
डॉ. संदीप वोडवाल	8527320092
डॉ. आशुतोष सिंह	7905200260
श्री चंद्र प्रकाश	9650922115
श्री रितेश गुप्ता	9871105560

खेल प्रवेश के लिए स्टाफ काउंसिल नामित
डॉ. आशीष बंसल

परिभाषाएँ और संक्षेपण

परिभाषाएं

- "कार्यक्रम" का अर्थ है छात्रों को औपचारिक रूप से प्रदान किए जाने वाले शिक्षण अनुभवों की एक श्रृंखला, जो कम से कम एक वर्ष की अवधि में स्नातक डिग्री की ओर ले जाती है। इस प्रकार, यह यूजीसी द्वारा परिभाषित / पहचाना गया एक औपचारिक डिग्री कार्यक्रम है (एनईपी 2020 के अंतर्गत एक वर्ष के बाद प्रमाणन/2 वर्ष के बाद डिप्लोमा/ 3 और 4 वर्ष के बाद डिग्री संबंधी अध्याय 2 देखें)।
- " पाठ्यक्रम" का अर्थ है एक औपचारिक कार्यक्रम में निर्दिष्ट क्रेडिट/घंटों वाला एक पेपर/विषय।

लघुरूप

एआईसीटीई	अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद
एआईयू	भारतीय विश्वविद्यालय संघ
एपीआईओ	सहायक लोक सूचना अधिकारी
बीसीआई	बार काउंसिल ऑफ इंडिया
बीएमएस	प्रबंधन अध्ययन स्नातक
सीएसएएस	सामान्य सीट आवंटन प्रणाली
सीयूईटी	सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा
सीडब्ल्यू	अर्धसैनिक बलों सहित सशस्त्र बलों के कार्मिकों के बच्चे/विधवाएँ
डीसीआई	भारतीय दंत चिकित्सा परिषद
डीडीसीइ	दूरस्थ एवं सतत शिक्षा विभाग
डीयूएलएस	दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली
डूसू	दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ
ईसीए	पाठ्येतर गतिविधियां
ईसीसी	शैक्षिक रियायत प्रमाण पत्र
ईडब्ल्यूएस	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग
आईसीसी	आंतरिक कॉलेज शिकायत समिति
आईक्यूएसी	आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
केएम	कश्मीरी प्रवासी
केएमवी	केशव महाविद्यालय
केएमवीएसयू	केशव महाविद्यालय छात्र संघ
एमसीआई	भारतीय चिकित्सा परिषद
एनसीटीई	राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद
एनसीवेब	गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड

एनईपी	राष्ट्रीय शिक्षा नीति
एनआईओएस	राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
एनएसएस	राष्ट्रीय सेवा योजना
ओबीसी	अन्य पिछड़ा वर्ग
ओक्यू	अनाथों के लिए कोटा
पीआईओ	लोक सुचना अधिकारी
पीएमएसएस	प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति
पीडब्ल्यूबीडी	बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति
आरटीआई	सूचना का अधिकार
एससी	अनुसूचित जाति
एसजीआरसी	छात्र शिकायत निवारण समिति
एसओएल	स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग
एसएस	सिक्किमी छात्र
एसटी	अनुसूचित जनजाति
टीआईसी	प्रभारी शिक्षक
यूजी	अंडरग्रेजुएट
यूजीसीएफ	स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा
यूओडी	दिल्ली विश्वविद्यालय
उर	निष्कपट
डब्ल्यूक्यू	वार्ड कोटा

"Only Knowledge can provide salvation"

1. कॉलेज प्रोफ़ाइल

केशव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक ऑफ-कैंपस कॉलेज है, जिसकी स्थापना 1994 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के तत्वावधान में की गई थी। हमारे आदर्श वाक्य "केवल ज्ञान ही मुक्ति का मार्ग है" से प्रेरित होकर, हमने विविध विषयों में युवा मनों को उनके पूर्ण सामर्थ्य तक पहुँचने में सक्षम बनाने के एकमात्र उद्देश्य के साथ अपनी यात्रा आरंभ की।

29 वर्षों की उत्कृष्टता का उत्सव मनाते हुए, केशव महाविद्यालय ने अकादमिक और सह-पाठयक्रम गतिविधियों दोनों में एक विशिष्ट प्रतिष्ठा स्थापित की है। हमारे 'केशवाइट्स' वैश्विक स्तर पर जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं।

10 एकड़ के शांत और हरित परिसर में स्थित हमारे संसाधन अत्याधुनिक हैं। वातानुकूलित सभागारों से लेकर ई-सक्षम व्याख्यान कक्षों और पूर्ण रूप से सुसज्जित प्रयोगशालाओं तक, हर सुविधा समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई है। हमारा पुस्तकालय, चिकित्सा कक्ष, कैफेटेरिया, खेल सुविधाएं और आईसीटी-सक्षम कक्षाएं एक ऐसा वातावरण सुनिश्चित करती हैं जो शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास के लिए अनुकूल है।

हमारी प्रतिबद्धता आवासीय सुविधाओं तक विस्तारित है जो विविध आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। हमारे पास छात्राओं के लिए विशाल छात्रावास है, जिसमें 78 छात्राएं दोहरी/त्रैतीय साझेदारी वाले कमरों में रह सकती हैं, और एक नया खंड अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रों के लिए समर्पित है, जिससे उनकी सांस्कृतिक और शैक्षणिक आकांक्षाएं पूरी हो सकें।

प्रगतिशील **नई शिक्षा नीति 2020 (एनइपी 2020)** के अंतर्गत, हम विज्ञान, वाणिज्य, प्रबंधन अध्ययन, मनोविज्ञान और कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्रों में नौ स्नातक कार्यक्रमों के साथ-साथ विदेशी भाषाओं में अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी प्रदान करते हैं। हमारे पास 100 से अधिक प्रतिष्ठित संकाय सदस्य और समर्पित गैर-शिक्षण कर्मचारी हैं, जो सीखने और विकास के लिए सहयोगात्मक वातावरण सुनिश्चित करते हैं।

इसके अलावा, केशव महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय के **नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीवेब)** का एक गर्वित केंद्र है, जो उन छात्राओं की शैक्षणिक आकांक्षाओं को पूरा करता है जो लचीले शिक्षण अवसर चाहती हैं।

हमारी **आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)** के माध्यम से निरंतर सुधार की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करती है कि सभी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुँच मिले और एक छात्र-केंद्रित वातावरण में शिक्षा प्राप्त हो।

केशव महाविद्यालय वह स्थान है, जहाँ ज्ञान सशक्तिकरण में परिवर्तित होता है, और प्रत्येक छात्र की यात्रा को उत्कृष्टता की ओर पोषित किया जाता है।

2. अंडरग्रेज्एट पाठ्यक्रम ढांचा (यूजीसीएफ)

स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा (यूजीसीएफ) का उद्देश्य विश्वविद्यालय की उच्च शिक्षा प्रणाली में व्यवस्थागत परिवर्तन लाना और इसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी-2020) के अनुरूप बनाना है। एनईपी-2020 में संक्षेप में प्रस्तुत इस महान उद्देश्य को साकार करने के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपने स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा के और अधिक पुनर्गठन और परिशोधन की संभावनाओं का पता लगाने का प्रयास किया है। ऐसे सभी प्रयास एनईपी-2020 के उद्देश्य और अंतर्निहित दर्शन के अनुरूप होंगे, जिसका उद्देश्य हमारे राष्ट्र के युवाओं की कल्पना को साकार करना और वैश्विक स्तर पर हमारे जनसांख्यिकीय लाभ की समकालीन वास्तविकताओं को चित्रित करना है। यूजीसीएफ को तैयार करते समय एनईपी के निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखा गया है:

- छात्रों का **समग्र विकास** करना ताकि वे वैश्विक नागरिक बन सकें।
- छात्रों को **लचीलापन** प्रदान करना ताकि वे अपनी रुचियों और प्रतिभा के अनुसार सीखने के मार्ग चुन सकें।
- **विभिन्न विषयों के बीच की दीवारों को तोड़ना** और सभी क्षेत्रों में बहु-विषयक व समग्र शिक्षा को बढ़ावा देना।
- **रचनात्मकता और समालोचनात्मक सोच** को बढ़ावा देना तथा तर्कसंगत निर्णय लेने व नवाचार को प्रोत्साहित करना।
- **नैतिक, मानवीय और संवैधानिक मूल्यों** को बढ़ावा देना।
- **बहुभाषावाद** और शिक्षण में भाषा की शक्ति को महत्व देना।
- **जीवन कौशल** जैसे संवाद, सहयोग, टीमवर्क और लचीलापन प्रदान करना।
- **अनुसंधान** को उत्कृष्ट शिक्षा और विकास के लिए एक अनिवार्य घटक बनाना।
- संबंधित क्षेत्रों में **भारतीय ज्ञान प्रणाली** को शामिल करना।

2.1. योग्यता प्रकार और क्रेडिट आवश्यकताएँ

"योग्यताएँ औपचारिक 'पुरस्कार' हैं, जैसे प्रमाणपत्र, डिप्लोमा या डिग्री, जो किसी कॉलेज या विश्वविद्यालय जैसे सक्षम प्राधिकारी द्वारा किसी विशेष अध्ययन कार्यक्रम के सफल समापन पर अपेक्षित शिक्षण परिणामों की प्राप्ति के सम्मान में प्रदान किए जाते हैं। ये एक सक्षम निकाय द्वारा किए गए शिक्षण स्तरों के आकलन और मूल्यांकन के बाद प्रदान किए जाते हैं, जो छात्रों द्वारा दिए गए मानकों के अनुसार अपेक्षित शिक्षण परिणामों की उपलब्धि का निर्धारण करता है।" किसी भी सम सेमेस्टर के अंत में उत्तीर्ण होने वाले छात्र को संबंधित प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री प्राप्त करने के लिए अपेक्षित क्रेडिट (तालिका-3 में उल्लिखित) अर्जित करने होंगे। स्नातक कार्यक्रमों के स्तर 5 से स्तर 8 के लिए प्रासंगिक योग्यता शीर्षक/नामकरण और संबंधित क्रेडिट आवश्यकताएँ नीचे तालिका-1 में स्पष्ट रूप से दी गई हैं।

तालिका नंबर एक **योग्यता प्रकार और क्रेडिट आवश्यकताएँ***		
एनएचईक्यूएफ स्तर	**योग्यता शीर्षक/नामकरण**	**ऋण आवश्यकता**
स्तर 5	सेमेस्टर 2 के सफल समापन के बाद बाहर निकलने वालों के लिए सीखने/अनुशासन के क्षेत्र में यूजी प्रमाणपत्र। (कार्यक्रम अवधि: स्नातक कार्यक्रम के 2 सेमेस्टर)	44
स्तर 6	उन लोगों के लिए शिक्षा/अनुशासन के क्षेत्र में यूजी डिप्लोमा, जो सेमेस्टर 4 के सफल समापन के बाद पढ़ाई छोड़ देते हैं। (कार्यक्रम अवधि: स्नातक कार्यक्रम के 4 सेमेस्टर)	88
स्तर 7	स्नातक डिग्री (ऑनर्स) उन लोगों के लिए जो एकल अनुशासन कोर पाठ्यक्रम चुनते हैं और सेमेस्टर 6 के सफल समापन के बाद बाहर निकलते हैं। (कार्यक्रम अवधि: 6 सेमेस्टर)	132
स्तर 7	स्नातक की डिग्री उन लोगों के लिए है जो एक से अधिक विषयों के मुख्य पाठ्यक्रम चुनते हैं और सेमेस्टर 6 के सफल समापन के बाद बाहर निकल जाते हैं। (कार्यक्रम अवधि: 6 सेमेस्टर)	132
स्तर 7	बैचलर ऑफ वोकेशन (बी. वोक.) (कार्यक्रम अवधि: 6 सेमेस्टर)	132
स्तर 8	स्नातक की डिग्री (शोध/शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता के साथ ऑनर्स) उन लोगों के लिए जो एकल अनुशासन कोर पाठ्यक्रम चुनते हैं और सेमेस्टर 8 के सफल समापन के बाद बाहर निकलते हैं। (कार्यक्रम अवधि: 8 सेमेस्टर)	176
स्तर 8	उपयुक्त स्नातक उपाधि (ऑनर्स) उन लोगों के लिए है जो एक से अधिक विषयों के मुख्य पाठ्यक्रम चुनते हैं तथा सेमेस्टर 8 के सफल समापन के बाद बाहर निकल जाते हैं। (कार्यक्रम अवधि: 8 सेमेस्टर)	176
* एनएचईक्यूएफ के मसौदे के आधार पर यूजीसीएफ की योग्यता प्रकार और क्रेडिट आवश्यकताओं का मानचित्रण।		

2.2. यूजीसीएफ की संरचना

यूजीसीएफ विभिन्न विषयों में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रमों की एक संरचना है जिसमें कई निकास विकल्प होते हैं। एकल कोर अनुशासन कार्यक्रम की संरचना का विवरण नीचे तालिका-2 में दिया गया है। तीन कोर विषयों में बहु-विषयक अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए एकमात्र अंतर यह है कि उन्हें प्रत्येक सेमेस्टर 1 से 6 में 3 विषयों में से प्रत्येक में 1 कोर (डीएससी) पाठ्यक्रम का अध्ययन करना होगा (अर्थात प्रत्येक सेमेस्टर में 3 डीएससी)। सेमेस्टर 7 और 8 में, वे एक कोर विषय के 1 डीएससी पाठ्यक्रम का विकल्प चुन सकते हैं जिसमें वे एक प्रमुख डिग्री हासिल कर सकते हैं। उन्हें चौथे वर्ष में शोध प्रबंध / शैक्षणिक परियोजना / उद्यमिता के स्थान पर 6 क्रेडिट का कोर्सवर्क (4 क्रेडिट का एक अतिरिक्त डीएसइ + एक कौशल-आधारित पाठ्यक्रम / कार्यशाला / विशिष्ट प्रयोगशाला / 2 क्रेडिट का व्यावहारिक शिक्षण) चुनने का विकल्प भी दिया जाता है।

तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में प्रत्येक सेमेस्टर में दो क्रेडिट के लिए या तो एक 'एसईसी' या वैकल्पिक 'इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/कम्युनिटी आउटरीच' चुनने का विकल्प होगा।

** सेमेस्टर 3 और 4 में डीएसइ या जीइ चुनने का विकल्प होगा।

*** 5 और 6 सेमेस्टर में प्रत्येक सेमेस्टर में दो क्रेडिट के लिए या तो एक 'एसइसी' या वैकल्पिक 'इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/रिसर्च/कम्युनिटी आउटरीच' चुनने का विकल्प होगा।

7 और 8 सेमेस्टर में चार विकल्प होंगे –

i. प्रत्येक 4 क्रेडिट के तीन डीएसई चुनने के लिए या

ii. दो डीएसई और एक जीई (प्रत्येक 4 क्रेडिट) चुनना या

iii. एक डीएसई और दो जीई (प्रत्येक 4 क्रेडिट) चुनने के लिए।

^ 'शोध पद्धति' को 6 और 7 सेमेस्टर में डीएसइ पाठ्यक्रमों में से एक के रूप में पेश किया जाएगा।

छात्र छठे सेमेस्टर या सातवें सेमेस्टर में से किसी एक में शोध पद्धति चुन सकते हैं। हालाँकि, तीन मुख्य विषयों में बहु-विषयक अध्ययन कर रहे छात्र को, यदि वह चौथे वर्ष में तीन विषयों में से किसी एक में प्रमुखता प्राप्त करना चाहता है, तो उसे छठे सेमेस्टर में शोध पद्धति चुननी होगी।

मान लीजिए कि कोई छात्र किसी अन्य विषय द्वारा प्रस्तुत शोध पद्धति पाठ्यक्रम (इसके डीएसई में से एक के रूप में) का अध्ययन करना चाहता है। ऐसी स्थिति में, वह इसे चुन सकता है, बशर्ते वह विषय उसका गौण विषय हो। इस प्रकार चुने गए किसी अन्य विषय की शोध पद्धति को उसके लिए सामान्य अध्ययन (जीई) माना जाएगा। किसी अन्य विभाग का डीएसई छात्र के लिए सामान्य अध्ययन (जीई) माना जाएगा।

तालिका – 2

स्नातक (अध्ययन/विषय का क्षेत्र) (ऑनर्स)

छमाही	मुख्य (डीएससी)	निर्वाचित (डीएसई)	जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)	क्षमता संवर्द्धन पाठ्यक्रम (एईसी)	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)	इंटर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/ सामुदायिक आउटरीच (2)	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)	कुल क्रेडिट
1	डीएससी-1(4) डीएससी-2(4) डीएससी-3(4)		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें जीई-1 (4)	एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट
2	डीएससी-4(4) डीएससी-5(4) डीएससी-6(4)		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें जीई-2 (4)	एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट

बाहर निकलने वाले छात्रों को सेमेस्टर I और II में अपेक्षित 44 क्रेडिट हासिल करने के बाद स्नातक प्रमाणपत्र (अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में) प्रदान किया जाएगा।						कुल = 44
3	डीएससी-7 (4) डीएससी-8 (4) डीएससी-9 (4)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें, डीएसई –1 (4) या पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें, जीई-3 (4)**	एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)	एक एसईसी या चुनें इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/ परियोजना/सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) (2)*	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट
4	डीएससी-10 (4) डीएससी-11 (4) डीएससी-12 (4)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें, डीएसई –2 (4) या वैकल्पिक रूप से पाठ्यक्रमों के पूल जीई-4 (4) में से एक चुनें**	एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)	एक एसईसी या चुनें इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) (2)*	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट
सेमेस्टर IV पूरा होने पर अपेक्षित 88 क्रेडिट प्राप्त करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक डिप्लोमा (अध्ययन/विषय के क्षेत्र में) प्रदान किया जाएगा						कुल=88
5	डीएससी-13 (4) डीएससी-14 (4) डीएससी-15 (4)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें डीएसई-3 (4)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें जीई-5 (4)	एक एसईसी या चुनें इंटर्नशिप/प्रशिक्षुता/प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) (2)***		22 क्रेडिट
6	डीएससी-16 (4) डीएससी-17 (4) डीएससी-18 (4)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें डीएसई-4 (4)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें जीई-6 (4)	एक एसईसी चुनें या इंटर्नशिप/प्रशिक्षुता/प्रोजेक्ट/शोध/सामुदायिक आउटरीच (2)***		22 क्रेडिट
सेमेस्टर 6 के पूरा होने पर अपेक्षित 132 क्रेडिट प्राप्त करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को (अध्ययन/विषय के क्षेत्र में) स्नातक ऑनर्स (3 वर्ष) की उपाधि प्रदान की जाएगी।						132 क्रेडिट
7	डीएससी-19(4)	तीन डीएसई (3X4) चुनें पाठ्यक्रम या दो डीएसई - (2X4) और चुनें एक जी.ई. (4)^ पाठ्यक्रम अथवा एक डीएसई (4) चुनें और दो जी.ई. (2X4) पाठ्यक्रम			पर शोध प्रबंध मेजर (6) या पर शोध प्रबंध नाबालिग (6) या		22 क्रेडिट

		(कुल = 12)#			शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता (6)		
8	डीएससी-20(4)	तीन डीएसई (3X4) चुनें पाठ्यक्रम या दो डीएसई - (2X4) और चुनें एक जी.ई. (4) कोर्स या एक डीएसई (4) चुनें और दो जी.ई. (2X4) पाठ्यक्रम (कुल = 12)#			पर शोध प्रबंध मेजर (6) या पर शोध प्रबंध नाबालिग (6) या शैक्षणिक परियोजना/ उद्यमिता (6)		22 क्रेडिट
बाहर निकलने वाले छात्रों को सेमेस्टर 8 के पूरा होने पर अपेक्षित 176 क्रेडिट हासिल करने के बाद (अध्ययन/विषय के क्षेत्र में) स्नातक (अनुसंधान/शैक्षणिक परियोजनाओं/उद्यमिता के साथ ऑनर्स) या (विषय-1 (प्रमुख) में अनुसंधान के साथ ऑनर्स) विषय-2 (माइनर) के साथ प्रदान किया जाएगा।							कुल = 176

2.3 ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बिंदु

1 **प्रवेश स्तर की पात्रता:** स्तर 5 में प्रवेश के लिए सामान्य फीडर श्रेणी, कक्षा 12 सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय परित्याग प्रमाणपत्र है। स्नातक की डिग्री के प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु अध्ययन कार्यक्रम उन छात्रों के लिए खुला है जिन्होंने प्रवेश आवश्यकताओं को पूरा किया है, जिसमें कार्यक्रम प्रवेश नियमों में उल्लिखित माध्यमिक शिक्षा स्तर पर उपलब्धि के निर्दिष्ट स्तर शामिल हैं। स्नातक की डिग्री अध्ययन कार्यक्रम में प्रवेश आवेदक की स्नातक की डिग्री कार्यक्रम शुरू करने और उसे पूरा करने की क्षमता के दस्तावेजी साक्ष्य (शैक्षणिक रिकॉर्ड सहित) के मूल्यांकन पर आधारित है, जो उच्च शिक्षा में प्रस्तावित शैक्षणिक कार्यक्रमों में बहु-प्रवेश और निकास योजना के लिए यूजीसी दिशानिर्देशों में निर्दिष्ट है।

2 क्रेडिट कोर्स के घंटों की संख्या उसके व्याख्यान, ट्यूटोरियल और प्रैक्टिकल घटकों द्वारा निर्धारित की जाएगी।

3 प्रत्येक छात्र को पहले वर्ष (प्रथम/द्वितीय सेमेस्टर) और दूसरे वर्ष (तृतीय/चतुर्थ सेमेस्टर) में क्रमशः दो-दो क्रेडिट के "पर्यावरण विज्ञान एवं सतत विकास" पाठ्यक्रम I और II का अध्ययन करना होगा। एईसी पूल में समय-समय पर अद्यतन किए गए भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध भाषाओं के क्रेडिट पाठ्यक्रम भी शामिल होंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय उन कॉलेजों (जहाँ संकाय उपलब्ध नहीं हैं) को आवश्यक सहायता प्रदान करेगा जिन्हें इन भाषाओं में शिक्षण-अधिगम के लिए इसकी आवश्यकता हो सकती है।

4 डिग्रियों का डिजाइन: छात्र पारंपरिक मार्ग का अनुसरण करने के बजाय, अपनी क्षमता और उपलब्धि के अनुरूप भविष्य के लिए अपने मिशन और आकांक्षा के अनुसार अपनी डिग्रियां डिजाइन करने में सक्षम होंगे।

5 एक छात्र जो कोर कोर्स के रूप में एक विशिष्ट विषय में तीन साल का स्नातक डिग्री कार्यक्रम करता है [उदाहरण के लिए, बी. कॉम (ऑनर्स), बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी और ऐसे अन्य कार्यक्रम] उस विषय में कम से कम 80 क्रेडिट अर्जित करेगा (उस विषय के 18 डीएससी और कम से कम 2 डीएसई से) और यदि वह छठे सेमेस्टर के पूरा होने के बाद बाहर निकलता है, तो उसे उस विषय में ऑनर्स की डिग्री प्रदान की जाएगी।

6 यदि कोई छात्र अध्ययन के मुख्य पाठ्यक्रम के रूप में एक से अधिक विषयों में तीन वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रम का अध्ययन करता है (उदाहरण के लिए बीएससी (प्रोग.) भौतिक विज्ञान कंप्यूटर विज्ञान के साथ और बीएससी (प्रोग.) गणितीय विज्ञान) तो

उसे अध्ययन के बहुविषयक पाठ्यक्रम के उस क्षेत्र में स्नातक की डिग्री प्रदान की जाएगी, यदि वह छठे सेमेस्टर के पूरा होने के बाद पढ़ाई छोड़ देता है।

7 यदि कोई छात्र शोध के साथ चार वर्षीय ऑनर्स डिग्री करना चाहता है, तो उसे अनिवार्य रूप से छठे सेमेस्टर या सातवें सेमेस्टर में डीएसई के रूप में रिसर्च मेथोडोलॉजी पाठ्यक्रम का चयन करना होगा।

8 चौथे वर्ष में शोध प्रबंध/शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता सातवें सेमेस्टर से शुरू होकर आठवें सेमेस्टर में समाप्त होगी। इन तीन विकल्पों में से चुने गए प्रत्येक ट्रैक के विस्तृत परिणाम अधिसूचित किए जाएँगे और सातवें और आठवें सेमेस्टर के अंत में तदनुसार मूल्यांकन किया जाएगा।

9 शोध प्रबंध प्रमुख या गौण या अंत:विषयक (प्रमुख और गौण का संयोजन) विषय में लिखा जा सकता है।

10 यदि ऊपर (6) में उल्लिखित कोई छात्र बहुविषयक अध्ययन के उस क्षेत्र में ऑनर्स डिग्री प्राप्त करने के लिए चौथे वर्ष में जारी रखता है या पुनः प्रवेश करता है, तो उसे पिछले छह सेमेस्टर में अध्ययन के मुख्य पाठ्यक्रम के रूप में पढ़े गए विषयों में से केवल एक को चुनना होगा और 7 और 8 सेमेस्टर में उस चुने हुए विषय के 2 डीएससी और 6 डीएसई से क्रेडिट अर्जित करना होगा और शोध प्रबंध लिखना होगा या शैक्षणिक परियोजना या उद्यमिता का विकल्प चुनना होगा।

11 यदि ऊपर (5) में उल्लिखित कोई छात्र, उसी विषय में 7 और 8 सेमेस्टर का अध्ययन जारी रखता है या पुनः प्रवेश करता है, और ऊपर (9) में उल्लिखित शोध प्रबंध लिखता है, लेकिन कोई माइनर विषय नहीं बनाया जाता है (अर्थात, किसी एक विषय के जी.ई. में अर्जित क्रेडिट 28 क्रेडिट से कम है), तो उसे 8 सेमेस्टर के सफल समापन पर उस विषय में मेजर के साथ 'रिसर्च के साथ ऑनर्स' से सम्मानित किया जाएगा।

12 उपरोक्त (6) में उल्लिखित छात्र को आठवें सेमेस्टर के सफल समापन पर बहु-विषयक अध्ययन के क्षेत्र में 'ऑनर्स' की डिग्री प्रदान की जाएगी। उदाहरण के लिए, बीएससी (ऑनर्स) भौतिक विज्ञान, बीएससी ऑनर्स) गणितीय विज्ञान। मेजर और माइनर क्रमशः III(3)(बी) और III(5)(बी) में उल्लिखित शर्तों को पूरा करने पर इंगित किए जाएंगे। उदाहरण के लिए, एक छात्र जो चार साल का बीएससी (प्रोग।) गणितीय विज्ञान करता है, जिसमें गणित, ऑपरेशन रिसर्च और कंप्यूटर साइंस कोर कोर्स के रूप में होते हैं, उन्हें आठवें सेमेस्टर के सफल समापन पर गणित में मेजर मिलेगा, अगर वह 8 डीएससी से गणित में न्यूनतम 80 क्रेडिट और गणित के कम से कम 9 डीएसई अर्जित करता है और गणित से संबंधित विषय पर शोध प्रबंध लिखता है। ऐसे छात्र को ऑपरेशन रिसर्च/कंप्यूटर साइंस में माइनर मिलेगा

13 केवल ऊपर (5) में उल्लिखित छात्र, जो चौथे वर्ष में सातवें और आठवें सेमेस्टर में मेजर/माइनर विषय में शोध प्रबंध लिखने का विकल्प चुनता है, उसे 'अध्ययन/विषय के क्षेत्र में स्नातक (शोध के साथ ऑनर्स)' की उपाधि प्रदान की जाएगी। उदाहरण के लिए, यदि कोई छात्र भौतिकी में बीएससी (ऑनर्स) कर रहा है और सातवें और आठवें सेमेस्टर में भौतिकी या माइनर से संबंधित किसी विषय पर शोध प्रबंध लिखता है, तो उसे 'भौतिकी में विज्ञान स्नातक (शोध के साथ ऑनर्स)' की उपाधि प्रदान की जाएगी। मेजर और माइनर क्रमशः ऊपर III(3)(a) और III(5)(a) में उल्लिखित शर्तों को पूरा करने पर दर्शाए जाएँगे।

14 ऊपर (6) में उल्लिखित छात्र चौथे वर्ष में प्रत्येक सेमेस्टर में शोध प्रबंध / शैक्षणिक परियोजना / उद्यमिता के स्थान पर 6 क्रेडिट (4 क्रेडिट का एक अतिरिक्त डीएसई + एक कौशल-आधारित पाठ्यक्रम / कार्यशाला / विशेष प्रयोगशाला / 2 क्रेडिट का व्यावहारिक शिक्षण) का कोर्सवर्क भी चुन सकता है।

15 जो छात्र शोध प्रबंध लिखने के बजाय सातवें और आठवें सेमेस्टर में 'शैक्षणिक परियोजना' या 'उद्यमिता' का विकल्प चुनता है और संबंधित जीई, एसईसी, एईसी और आईएपीसी में 28 क्रेडिट अर्जित करता है, उसे शैक्षणिक परियोजना या उद्यमिता में माइनर की उपाधि, जैसी भी स्थिति हो, प्रदान की जाएगी। 'अध्ययन/विषय के क्षेत्र में स्नातक (शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता के साथ ऑनर्स) इन डिसिप्लिन (मेजर) और शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता माइनर'। यदि वह अपेक्षित 28 क्रेडिट अर्जित करने में

असमर्थ है, तो उसे 'अध्ययन/विषय के क्षेत्र में स्नातक (शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता के साथ ऑनर्स) इन डिसिप्लिन (मेजर)' प्रदान की जाएगी।

16 जो छात्र चार वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रम में अध्ययन कर रहा है, उसे आठवें सेमेस्टर के पूरा होने के बाद उपयुक्त डिग्री प्रदान की जाएगी।

17 **बाहर निकलने के विकल्प:** एक छात्र द्वारा प्रति सेमेस्टर अर्जित किए जाने वाले न्यूनतम क्रेडिट 18 क्रेडिट और अधिकतम 26 क्रेडिट हैं। हालाँकि, छात्रों को प्रति सेमेस्टर 22 क्रेडिट अर्जित करने की सलाह दी जाती है। यह प्रावधान छात्रों को सेमेस्टर-वार शैक्षणिक भार के लचीलेपन का लाभ उठाने और अपनी गति से सीखने का अवसर प्रदान करने के लिए है। हालाँकि, सम सेमेस्टर के अंत में बाहर निकलने का विकल्प चुनने वाले छात्र को अध्ययन/विषय के क्षेत्र में स्नातक प्रमाणपत्र/स्नातक डिप्लोमा/उपयुक्त स्नातक की डिग्री प्रदान करने के लिए क्रेडिट की अनिवार्य संख्या प्राप्त करनी होगी (विवरण तालिका-3 में दिया गया है)।

18 प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम का शीर्षक, कोड, क्रेडिट की संख्या, व्याख्यान, ट्यूटोरियल और प्रैक्टिकल के घटक, उस पाठ्यक्रम को चुनने के लिए आवश्यक पूर्वापेक्षाएँ और पाठ्यक्रम प्रदान करने वाला विभाग, सभी विवरण दिए जाएँगे। किसी भी पाठ्यक्रम को अध्ययन के लिए चुनने हेतु, छात्र को उस पाठ्यक्रम की पूर्वापेक्षाएँ पूरी करनी होंगी।

टेबल तीन

क्रम संख्या	प्राप्त योग्यता का प्रकार	निकासी का चरण (सेमेस्टर के बाद)	अनिवार्य न्यूनतम क्रेडिट्स
1	अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में स्नातक प्रमाणपत्र	सेमेस्टर 2 के सफल समापन के बाद	44
2	अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में स्नातक डिप्लोमा	सेमेस्टर 4 के सफल समापन के बाद	88
3	(एकल मुख्य विषय हेतु) ऑनर्स स्नातक डिग्री	सेमेस्टर 6 के सफल समापन के बाद	132
4	(मल्टीडिसिप्लिनरी कोर्स हेतु) स्नातक डिग्री	सेमेस्टर 6 के सफल समापन के बाद	132
5	(एकल मुख्य विषय हेतु) ऑनर्स विद रिसर्च/प्रोजेक्ट/उद्यमिता डिग्री	सेमेस्टर 8 के सफल समापन के बाद	176
6	(मल्टीडिसिप्लिनरी कोर्स हेतु) ऑनर्स डिग्री	सेमेस्टर 8 के सफल समापन के बाद	176

3. 3. स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया

3.1. सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (यूजी) की संरचना - 2025

भाषाएँ

अंग्रेजी, हिंदी, असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू

डोमेन-विशिष्ट विषय

1. लेखाशास्त्र / बहीखाता
2. कृषि
3. मानव विज्ञान
4. जीव विज्ञान / जैविक अध्ययन / जैव प्रौद्योगिकी / जैव रसायन
5. व्यवसाय अध्ययन
6. रसायन विज्ञान
7. पर्यावरण अध्ययन / पर्यावरण विज्ञान
8. कंप्यूटर विज्ञान / सूचना अभ्यास
9. अर्थशास्त्र / व्यावसायिक अर्थशास्त्र
10. ललित कला / दृश्य कला / वाणिज्यिक कला
11. भूगोल / भूविज्ञान
12. इतिहास
13. गृह विज्ञान
14. ज्ञान परंपरा - भारत में प्रचलन
15. जनसंचार माध्यम/जनसंचार
16. गणित/अनुप्रयुक्त गणित
17. प्रदर्शन कलाएँ (नृत्य, नाटक, संगीत)
18. शारीरिक शिक्षा (योग, खेल)
19. भौतिकी
20. राजनीति विज्ञान
21. मनोविज्ञान
22. संस्कृत
23. समाजशास्त्र

सामान्य योग्यता परीक्षण

सामान्य ज्ञान, समसामयिक घटनाएँ, सामान्य मानसिक क्षमता, संख्यात्मक क्षमता, मात्रात्मक तर्क (मूल गणितीय अवधारणाओं का सरल अनुप्रयोग - अंकगणित/बीजगणित, ज्यामिति/क्षेत्रमाप/सांख्यिकी), तार्किक और विश्लेषणात्मक तर्क

उम्मीदवार के लिए सीयूईटी(यूजी)-2025 में उन विषयों में उपस्थित होना अनिवार्य है जिनमें वह कक्षा 12 में उपस्थित हो रहा है/उत्तीर्ण हो चुका है।

सामान्य योग्यता परीक्षा को दिल्ली विश्वविद्यालय के अनेक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए स्वीकार किया जाता है। अभ्यर्थी को कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता का अवश्य संदर्भ लेना चाहिए।

अभ्यर्थी को कम से कम एक भाषा में उपस्थित होना अनिवार्य है। अभ्यर्थी को उस भाषा में परीक्षा देनी चाहिए, जिसे उसने कक्षा 12 में अध्ययन किया है।

अभ्यर्थी को यह निर्धारित करने के लिए कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता का संदर्भ लेना चाहिए कि सीयूईटी (यूजी) - 2025 में उसे किन डोमेन-विशिष्ट विषयों में परीक्षा देनी है।

3.2. कॉमन सीट आवंटन प्रणाली (सी एस ए एस - 2025)

यूओडी के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) (यूजी)-2025 के माध्यम से छात्रों को प्रवेश देना दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों/विभागों/केंद्रों के लिए बाध्यकारी है। सभी यूजी कार्यक्रमों में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा अपनी वेबसाइट, अंडर-ग्रेजुएट बुलेटिन ऑफ इंफॉर्मेशन-2025 (यूजी-बीओआई) और कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (अंडरग्रेजुएट)-2025 (सीएसएएस (यूजी)-2025) पर निर्दिष्ट पात्रता आवश्यकताओं, मानदंडों और प्रक्रियाओं के आधार पर किया जाता है।

प्रवेश से संबंधित अधिक जानकारी के लिए, https://www.admission.uod.ac.in/ पर जाएं।

सीएसएएस (यूजी)-2025 के पंजीकरण के लिए यहां जाएं: https://ugadmission.uod.ac.in/

3.3. महत्वपूर्ण बिंदु

1. दिल्ली विश्वविद्यालय में सभी स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश सीयूईटी (यूजी) - 2025 में प्राप्त अंकों के आधार पर होगा, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल), गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) और विदेशी नागरिकों के लिए प्रवेश को छोड़कर।
2. शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रम(ओं) में प्रवेश पाने के इच्छुक पात्र उम्मीदवार को इस सूचना बुलेटिन (बीओआई) 2025-26 की सामग्री के साथ-साथ दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर प्रकाशित अधिसूचनाओं, अपडेट और सूचनाओं को बहुत ध्यान से पढ़ना चाहिए।
3. अभ्यर्थी को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 12वीं या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।
4. अभ्यर्थी ने भारत में किसी भी बोर्ड/विश्वविद्यालय अथवा भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) द्वारा 10+2 प्रणाली के समकक्ष मान्यता प्राप्त किसी विदेशी देश से कक्षा 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।
5. दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए, अभ्यर्थी को उन विषयों में सीयूईटी (यूजी) - 2025 में उपस्थित होना अनिवार्य है, जिनमें वह कक्षा XII में उपस्थित हो रहा है/उत्तीर्ण हो चुका है।
6. यदि कक्षा XII में पढ़ा गया विषय सीयूईटी (यूजी) - 2025 में उल्लिखित नहीं है, तो उम्मीदवार को उस भाषा/डोमेन विशिष्ट विषय में उपस्थित होना होगा जो कक्षा XII में उसके द्वारा पढ़े गए विषय के समान/निकटता से संबंधित हो (उदाहरण के लिए, यदि किसी उम्मीदवार ने कक्षा XII में जैव रसायन शास्त्र का अध्ययन किया है, तो उसे सीयूईटी (यूजी) - 2025 में जीवविज्ञान में उपस्थित होना होगा)। कक्षा XII में लिए गए विषयों के साथ सीयूईटी (यूजी) विषयों की समानता स्थापित करने के लिए, पाठ्यक्रम का कम से कम 50% मेल खाना चाहिए। विश्वविद्यालय समानता स्थापित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इस संबंध में विश्वविद्यालय का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।
7. आवंटन और प्रवेश केवल भाषा, डोमेन विशिष्ट विषयों और/या सामान्य परीक्षा के संयोजन पर आधारित होगा, जिसमें उम्मीदवार संबंधित कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता के अनुसार सीयूईटी (यूजी) - 2025 में उपस्थित हुआ हो।
8. शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में प्रवेश के लिए केवल सीयूईटी (यूजी) - 2025 में प्राप्त अंकों पर ही विचार किया जाएगा।
9. अभ्यर्थी को कार्यक्रम विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यानपूर्वक पढ़ना होगा और फिर सीयूईटी (यूजी) - 2025 के भाषा और/या डोमेन विशिष्ट विषयों में उपस्थित होना होगा।
10. उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वह यह सुनिश्चित कर लें कि वह जिस कार्यक्रम के लिए सीयूईटी (यूजी) - 2025 में शामिल हो रहा है, उसके सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करता है। प्रवेश इस शर्त पर निर्भर करता है कि उम्मीदवार संबंधित अध्ययन कार्यक्रम में आवेदन करने के लिए निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करता है। यदि कोई उम्मीदवार संबंधित कार्यक्रम में आवेदन

करने के लिए निर्धारित किसी भी पात्रता मानदंड को पूरा नहीं करता है और प्रवेश परीक्षा में शामिल होता है, तो यह उम्मीदवार के अपने जोखिम और लागत पर होगा। यदि किसी भी स्तर पर यह पाया जाता है कि पात्रता मानदंड पूरे नहीं किए गए हैं, तो प्रवेश, यदि दिया गया हो, तो स्वतः ही रद्द कर दिया जाएगा।

11. सीयूईटी (यूजी) - 2025 या आवश्यक भाषा, डोमेन विशिष्ट विषयों और/या सामान्य परीक्षा में अनुपस्थित रहने से संबंधित शिकायत पर विचार नहीं किया जाएगा।
12. सीयूईटी (यूजी) - 2025 के लिए पंजीकरण करने से पहले, उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे सूचना बुलेटिन (बीओआई) 2025-26 को ध्यानपूर्वक पढ़ें और दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम, 1922 और संविधि का अवलोकन करें। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश, नियम और विनियम उन पर बाध्यकारी होंगे।
13. सीयूईटी (यूजी)-2025 फॉर्म भरते समय उम्मीदवारों को सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि कुछ फ़ील्ड जैसे नाम, हस्ताक्षर और फ़ोटोग्राफ़, बाद में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सीयूईटी (यूजी)-2025 से स्वतः एकीकृत कर दिए जाएँगे। इन फ़ील्ड्स में कोई बदलाव नहीं किया जा सकेगा।

14. आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का नाम, उनके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाणपत्रों और सीयूईटी (यूजी)-2025 में दिए गए नाम से मेल खाना चाहिए। इसी प्रकार, माता-पिता के नाम भी प्रमाणपत्रों में मेल खाने चाहिए।
15. दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश-I के अनुसार, विश्वविद्यालय और उसके कॉलेजों में स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कोई न्यूनतम आयु सीमा नहीं है, सिवाय उन कार्यक्रमों के जहां संबंधित नियामक निकायों, जैसे कि भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआई), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई), राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई), भारतीय दंत चिकित्सा परिषद (डीसीआई), आदि ने अपने नियमों में न्यूनतम आयु आवश्यकता निर्धारित की है।
16. स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए गैप ईयर कोई बाधा नहीं होगी। हालाँकि, ऐसे उम्मीदवारों को शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में प्रवेश के लिए सीयूईटी (यूजी) - 2025 में भी उपस्थित होना होगा।
17. जहां भी आवश्यक होगा, सीयूईटी (यूजी) - 2025 के अंकों में उचित अनुपात किया जाएगा (अतिरिक्त कोटा सहित)।

3.4. अस्वीकरण

- दिल्ली विश्वविद्यालय बिना किसी पूर्व सूचना के बुलेटिन के किसी भी भाग को संशोधित, संशोधित, अद्यतन या हटाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। ऐसा कोई भी परिवर्तन यूजी प्रवेश वेबसाइट (admission.uod.ac.in) पर अद्यतन किया जाएगा और यह प्रवेश वेबसाइट पर पोस्ट किए जाने की तिथि से प्रभावी होगा।
- उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2025 और प्रवेश संबंधी नीतियों से संबंधित अपडेट के लिए एनटीए और दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइटों और प्रवेश पोर्टलों को नियमित रूप से देखना आवश्यक है। इस बुलेटिन और वेबसाइट/वेबसाइटों को न देखने के कारण होने वाली शिकायतों पर विचार नहीं किया जाएगा।

- सूचना बुलेटिन, एनटीए और दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों, विभागों, केंद्रों, महाविद्यालयों, अन्य संस्थानों और संबंधित स्रोतों से एकत्रित और संकलित जानकारी का एक संग्रह है। जहाँ तक संभव हो, बुलेटिन में नियमों और विनियमों के प्रामाणिक, आधिकारिक संस्करण और अतिरिक्त प्रासंगिक जानकारी को पुनः प्रस्तुत करने का पूरा ध्यान रखा गया है। हालाँकि, इसे किसी भी स्थिति में, अब तक उपलब्ध कराई गई जानकारी की पूर्णता और सटीकता के संबंध में, एक स्पष्ट या निहित गारंटी के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए।
- दिल्ली विश्वविद्यालय बुलेटिन में दी गई जानकारी के आधार पर की गई किसी भी कार्रवाई से किसी भी व्यक्ति को हुए किसी भी नुकसान या क्षति के लिए किसी भी प्रकार की ज़िम्मेदारी से इनकार करता है। बुलेटिन में कोई भी त्रुटि, यदि पाई जाती है, तो अनजाने में हुई चूक, लिपिकीय त्रुटि या किसी अन्य कारण से हो सकती है।
- प्रवेश के लिए किसी भी आवश्यकता का पालन न करने पर, निर्धारित तिथि और समय के भीतर संबंधित दस्तावेज़ जमा न करना और/या शुल्क का भुगतान न करना शामिल है। ऐसी स्थिति में, आवेदक प्रवेश का अपना अधिकार खो देंगे।
- यदि किसी भी स्तर पर, किसी अभ्यर्थी के प्रवेश संबंधी मूल दस्तावेज़ फर्जी/अवास्तविक, बनावटी या किसी अन्य प्रकार से दोषपूर्ण पाए जाते हैं, तो संबंधित अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा और यदि प्रवेश हो चुका है, तो बिना किसी पूर्व सूचना के प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा। ऐसे मामलों में कोई शुल्क वापस नहीं किया जाएगा। यदि पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद भी ऐसा पाया जाता है, तो अभ्यर्थी की डिग्री रद्द कर दी जाएगी और उसके विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
- दिल्ली विश्वविद्यालय सीयूईटी (यूजी) - 2025 से संबंधित प्रश्नपत्रों/संरचना/परीक्षा पद्धति/तिथियों/शिकायतों में किसी भी परिवर्तन/संशोधन के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। दिल्ली विश्वविद्यालय बिना किसी पूर्व सूचना के किसी भी समय अपनी प्रवेश नीतियों और प्रक्रियाओं में परिवर्तन/संशोधन कर सकता है। नवीनतम और अद्यतन जानकारी दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.admission.uod.ac.in पर उपलब्ध होगी।

ऋते ज्ञानान्न मुक्तिः
"Only Knowledge can provide salvation"

4. यूजी प्रवेश के लिए पात्रता आवश्यकताएँ

4.1. सामान्य न्यूनतम पात्रता

अभ्यर्थी को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

न्यूनतम पात्रता निर्धारित करने के लिए, केवल एक बोर्ड की अंकतालिका/डिग्री पर ही विचार किया जाएगा। (उदाहरण के लिए, यदि कोई अभ्यर्थी गणित को छोड़कर पाँच विषयों के साथ सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उपस्थित हुआ है और बाद में किसी अन्य बोर्ड, जैसे राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) से गणित में उत्तीर्ण होता है, तो न्यूनतम पात्रता केवल सीबीएसई द्वारा जारी उसकी अंकतालिका से ही निर्धारित की जाएगी।)

4.2. कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

अभ्यर्थी को उन विषयों को चुनने के लिए कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता का उल्लेख करना होगा जिनमें उसे सीयूईटी (यूजी) – 2025 में उपस्थित होना चाहिए।

उम्मीदवारों के लिए सीयूईटी (यूजी) 2025 में उन विषयों में उपस्थित होना अनिवार्य है जिनमें वह कक्षा 12वीं में उपस्थित हो रहा है/उत्तीर्ण हो चुका है। कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता का पता लगाने के लिए और सीयूईटी विषय(विषयों) को कक्षा 12वीं के विषय(विषयों) के साथ मिलान करने के लिए, एक से अधिक मान्यता प्राप्त बोर्ड की मार्कशीट पर विचार किया जा सकता है, बशर्ते उम्मीदवार ने कक्षा 12वीं में उन विषयों में उत्तीर्णता प्राप्त की हो।

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीयूईटी (यूजी) 2025 में चुनी जाने वाली भाषाओं (सूची ए)और डोमेन विशिष्ट विषयों (सूची बी) की सूची निम्नलिखित तालिकाओं में दी गई है।

सूची ए: भाषाएँ				
असमिया	गुजराती	मलयालम	पंजाबी	तेलुगु
बंगाली	हिंदी	मराठी	संस्कृत	उर्दू
अंग्रेजी	कन्नड़	उड़िया	तमिल	

अभ्यर्थी को कम से कम एक भाषा में परीक्षा देनी होगी। अभ्यर्थी को उस भाषा में परीक्षा देनी होगी जो उसने कक्षा 12वी में पढ़ी है।

सूची बी: डोमेन विशिष्ट विषय			
1	लेखाशास्त्र	12	इतिहास
2	कृषि	13	गृह विज्ञान
3	मानव विज्ञान	14	भारत की ज्ञान परंपरा और व्यवहार
4	जीव विज्ञान / जैविक अध्ययन / जैव प्रौद्योगिकी / जैव रसायन विज्ञान	15	जनसंचार माध्यम / जनसंचार
5	व्यावसायिक अध्ययन	16	गणित / अनुप्रयुक्त गणित
6	रसायन विज्ञान	17	प्रदर्शन कलाएँ (नृत्य, नाटक, संगीत)
7	कंप्यूटर विज्ञान / सूचना विज्ञान अभ्यास	18	शारीरिक शिक्षा (योग, खेल)
8	अर्थशास्त्र / व्यावसायिक अर्थशास्त्र	19	भौतिकी
9	पर्यावरण अध्ययन / पर्यावरण विज्ञान	20	राजनीति विज्ञान
10	ललित कला / दृश्य कला (मूर्तिकला / चित्रकला) / वाणिज्यिक कलाएँ	21	मनोविज्ञान
11	भूगोल / भूविज्ञान	22	समाजशास्त्र

5. कॉलेज द्वारा प्रस्तावित यूजी कार्यक्रम और पाठ्यक्रम

5.1. स्नातक कार्यक्रम और कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

बी . कॉम . (ऑनस)

दिल्ली विश्वविद्यालय का बी.कॉम. (ऑनर्स) कार्यक्रम छात्रों को व्यवसाय से संबंधित समकालीन वास्तविकताओं का विश्लेषण और संश्लेषण करने हेतु ज्ञान, कौशल और क्षमताएँ प्राप्त करने में सक्षम और सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कार्यक्रम परिवर्तन और प्रतिस्पर्धा की लहरों के बीच मौजूदा व्यवसायों को बनाए रखने और टिकाऊ विकास के एक अत्यंत आवश्यक परिप्रेक्ष्य को प्रदान करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आज की व्यावसायिक वास्तविकताओं से निपटने के लिए वैचारिक समझ प्रदान करना और उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना है। यह छात्रों को विद्वानों और नीति निर्माताओं द्वारा परिकल्पित प्रासंगिक क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण की दुनिया से भी परिचित कराता है। भारत सरकार के निर्देशानुसार, यह पाठ्यक्रम उद्यमशीलता की मानसिकता और कौशल विकसित करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I: सूची ए से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + सूची बी से कोई दो विषय

या

संयोजन II: सूची एसे कोई एक भाषा + लेखा/बहीखाता + सूची बी से कोई दो विषय

मेरिट उपरोक्त किसी भी विषय संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस

कंप्यूटर विज्ञान पाठ्यक्रम कंप्यूटर विज्ञान में सैद्धांतिक आधार विकसित करने का अवसर प्रदान करता है ताकि कम्प्यूटेशनल सोच, विश्लेषणात्मक और समस्या-समाधान कौशल का निर्माण किया जा सके। यह कार्यक्रम छात्रों को कंप्यूटर विज्ञान और इसके अनुप्रयोगों में उच्च अध्ययन के लिए तैयार करता है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य रचनात्मक मानसिकता वाले कुशल स्नातक तैयार करना है जो आईटी उद्योग या समाज में किसी भी कम्प्यूटेशनल समस्या को पहचान सकें और प्रभावी समाधान विकसित कर सकें। इसके अलावा, छात्र सॉफ्टवेयर उद्योग द्वारा उपयोग की जाने वाली समकालीन प्रोग्रामिंग भाषाओं का उपयोग करके प्रोग्रामिंग कौशल में विशेषज्ञता विकसित करते हैं। यह कंप्यूटर सिस्टम आर्किटेक्चर, डेटा संरचना, कंप्यूटर नेटवर्क, ऑपरेटिंग सिस्टम, कंप्यूटर ग्राफिक्स, एल्गोरिदम, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, डेटाबेस प्रबंधन, कम्प्यूटेशन सिद्धांत, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सूचना सुरक्षा जैसे मुख्य कंप्यूटर विज्ञान विषयों को कवर करता है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I: सूची ए से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + सूची बी से कोई दो विषय

या

संयोजन II: सूची ए से कोई दो भाषाएँ + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + सूची बी से कोई एक विषय

मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगी।

बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स

उम्मीदवारों के लिए सीयूईटी (यूजी) 2025 में उन विषयों में उपस्थित होना अनिवार्य है जिनमें वह कक्षा XII में उपस्थित हो रहा है/उत्तीर्ण हो चुका है। हाल के वर्षों में, इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान ने नई तकनीकों, नए विचारों और सिद्धांतों में अभूतपूर्व वृद्धि की है। बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान पाठ्यक्रम स्नातक छात्रों को उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स की बुनियादी बातों को समझने के लिए एक संपूर्ण पैकेज प्रदान करता है। वे उद्योग 4.0 मानकों के अनुकूल एक व्यापक कौशल सेट के साथ खुद को इलेक्ट्रॉनिक्स की बुनियादी बातों से लैस कर सकते हैं। विस्तृत पाठ्यक्रम उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने और नौकरी के बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करेगा। इस कार्यक्रम में एम्बेडेड सिस्टम, उन्नत कंप्यूटर और डेटा संचार, रोबोटिक्स, नियंत्रण प्रणाली, वीएलएसआई डिज़ाइन और निर्माण, नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और अन्य शामिल हैं।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I: भौतिकी + गणित / अनुप्रयुक्त गणित + रसायन विज्ञान

या

संयोजन II: भौतिकी + गणित / अनुप्रयुक्त गणित + कंप्यूटर विज्ञान / सूचना विज्ञान अभ्यास

मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए में से किसी एक भाषा में उपस्थित होना होगा।

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित कार्यक्रम का उद्देश्य आलोचनात्मक, तार्किक और विश्लेषणात्मक रूप से सोचने की क्षमता विकसित करना है और इस प्रकार दैनिक जीवन में गणितीय तर्क का उपयोग करना है। गणित में डिग्री प्राप्त करने से छात्रों को शिक्षा, अनुसंधान, सरकारी क्षेत्र, व्यावसायिक क्षेत्र और उद्योग में कई गणित करियर की तैयारी में कई रोचक और मूल्यवान विचारों से परिचित कराया जाएगा। बी.एससी. (ऑनर्स) गणित कार्यक्रम गणित की पूरी श्रृंखला को कवर करता है, शास्त्रीय कैलकुलस से लेकर आधुनिक क्रिप्टोग्राफी, सूचना सिद्धांत और नेटवर्क सुरक्षा तक। यह कार्यक्रम विशेष रूप से गणित के लिए कैलकुलस, वास्तविक और जटिल विश्लेषण, अमूर्त बीजगणित, विभेदक समीकरण (गणितीय मॉडलिंग सहित), संख्या सिद्धांत, ग्राफ सिद्धांत और सी++ प्रोग्रामिंग की एक संरचित नींव रखता है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I: सूची ए से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + सूची बी से कोई दो विषय

या

संयोजन II: सूची ए से कोई दो भाषाएँ + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + सूची बी से कोई एक विषय

मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

बी.एससी. (प्रोग.) गणितीय विज्ञान

बी.एससी. (प्रोग.) गणितीय विज्ञान में एक सुव्यवस्थित गणितीय घटक छात्रों को निम्नलिखित के लिए सशक्त बनाता है: कैलकुलस, बीजगणित, ज्यामिति, विश्लेषण, संख्यात्मक विधियाँ, अवकल समीकरण, प्रायिकता और सांख्यिकी सहित महत्वपूर्ण गणितीय तकनीकों की एक विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करके समस्याओं को हल करना, साथ ही सी ए एस और लेटेक के माध्यम से व्यावहारिक शिक्षा। कार्यक्रम का एक उद्देश्य भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान के सिद्धांतों को, गणित द्वारा समर्थित, भौतिक जगत की मूलभूत अवधारणाओं का वर्णन करने और इन अवधारणाओं को नई स्थितियों में लागू करने के लिए संयोजित करना है। वैज्ञानिक समस्याओं को हल करने और प्रत्येक पेशे में नैतिक मुद्दों को पहचानने के लिए बहु-विषयक समूहों सहित अन्य लोगों के साथ सहयोग करना; तार्किक प्रश्न कथन और पैटर्न को पहचानना पाठ्यक्रम के अन्य मुख्य आकर्षण हैं।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I: सूची ए से कोई एक भाषा + गणित / अनुप्रयुक्त गणित + सूची बी से कोई दो विषय

या

संयोजन II: सूची ए से कोई दो भाषाएँ + गणित / अनुप्रयुक्त गणित + सूची बी से कोई एक विषय

मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

प्रबंधन अध्ययन स्नातक (बीएमएस)

प्रबंधन अध्ययन स्नातक या बीएमएस प्रबंधन अध्ययन के लिए एक स्नातक कार्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को विभिन्न संगठनों में प्रबंधकीय पदों को संभालने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है। प्रबंधन अध्ययन कार्यक्रम छात्रों को प्रबंधन और रणनीति डिजाइनिंग के क्षेत्र में एक ठोस आधार प्रदान करता है। वैकल्पिक पाठ्यक्रम छात्रों को रुचि के विशिष्ट क्षेत्रों - वित्त, विपणन, मानव संसाधन प्रबंधन और वैश्विक व्यापार प्रबंधन - में गहन ज्ञान विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। व्यवसाय प्रबंधन पाठ्यक्रम के अलावा, यह छात्रों को यह समझने में सक्षम बनाएगा कि संगठन कैसे काम करते हैं, उनका प्रबंधन कैसे किया जाता है और छात्रों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वातावरण के प्रति संवेदनशील बनाएगा। छात्र केंद्रित शिक्षण उन कौशलों और प्रथाओं पर केंद्रित है जो आजीवन सीखने और स्वतंत्र समस्या-समाधान को सक्षम बनाते हैं।.

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

सूची ए में से कोई एक भाषा + गणित / अनुप्रयुक्त गणित + सामान्य योग्यता परीक्षा

योग्यता उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।

बी.एससी. (प्रोग.) भौतिक विज्ञान विद कंप्यूटर साइंस

यह कार्यक्रम कंप्यूटर-आधारित प्रणाली को डिज़ाइन, कार्यान्वित और मूल्यांकन करने के कौशल प्रदान करता है और कंप्यूटर प्रणालियों, मूल सिद्धांतों और भौतिक विज्ञान से संबंधित उनके अनुप्रयोगों को समझकर कम्प्यूटेशनल समस्याओं को हल करने के लिए कंप्यूटिंग के ज्ञान को लागू करता है। इसके अलावा, यह विभिन्न श्रोताओं के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता भी प्रदान करता है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I: भौतिकी + गणित / अनुप्रयुक्त गणित + रसायन विज्ञान

या

संयोजन II: भौतिकी + गणित / अनुप्रयुक्त गणित + कंप्यूटर विज्ञान / सूचना विज्ञान अभ्यास

मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए में से किसी एक भाषा में उपस्थित होना होगा।

बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी

भौतिकी एक प्रायोगिक और सैद्धांतिक विज्ञान है जो उप-परमाणु क्षेत्रों से लेकर संपूर्ण ब्रह्मांड तक, प्रकृति के नियमों का व्यवस्थित रूप से अध्ययन करता है। बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी कार्यक्रम के अनुशासनात्मक/विषय क्षेत्र के अंतर्गत अध्ययन के मुख्य क्षेत्र हैं: शास्त्रीय और क्वांटम यांत्रिकी, विद्युत और चुंबकत्व, तापीय और सांख्यिकीय भौतिकी, तरंग सिद्धांत और प्रकाशिकी, पदार्थों का भौतिकी, डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स, और गणितीय भौतिकी की विशिष्ट विधियाँ और विषय की विभिन्न शाखाओं में उनके अनुप्रयोग। सैद्धांतिक पाठ्यक्रम के साथ-साथ, छात्र भौतिकी की विभिन्न शाखाओं के लिए भौतिकी प्रयोगशाला विधियाँ, विशिष्ट मापन तकनीकें, त्रुटि अनुमान सहित अवलोकन संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण और वैज्ञानिक रिपोर्ट लेखन भी सीखते हैं। भौतिकी शिक्षाशास्त्र

में नवीनतम विषय कम्प्यूटेशनल भौतिकी है, जिसमें एल्गोरिथम समाधानों के लिए भौतिकी की समस्याओं को अनुकूलित करना और भौतिक घटनाओं का मॉडलिंग और अनुकरण शामिल है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

भौतिकी + रसायन विज्ञान + गणित / अनुप्रयुक्त गणित

मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।

उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए में से किसी एक भाषा में उपस्थित होना होगा।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान

इस कार्यक्रम के माध्यम से, छात्रों को मनोविज्ञान के ऐतिहासिक प्रभावों को एक शिष्य के रूप में समझने और सीखने का अवसर मिलता है। पाठ्यक्रम विषयवस्तु में तेज़ी से हो रहे बदलावों पर ध्यान केंद्रित करता है। मनोविज्ञान का पाठ्यक्रम और शिक्षणशास्त्र मनोविज्ञान में ज्ञान, अनुप्रयोग और शोध की संभावनाओं में प्रगति के प्रति संवेदनशील है। मनोविज्ञान में स्नातक पाठ्यक्रम इस विषय के विविध क्षेत्रों को छूता है, जिनमें जैव मनोविज्ञान, संज्ञानात्मक मनोविज्ञान, मनोविज्ञान का इतिहास, शोध विधियाँ, सामाजिक मनोविज्ञान, औद्योगिक/संगठनात्मक मनोविज्ञान, परामर्श मनोविज्ञान, स्वास्थ्य मनोविज्ञान और अन्य शामिल हैं।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I: सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी से कोई तीन विषय

या

संयोजन II: सूची ए से कोई दो भाषाएँ + सूची बी से कोई दो विषय

मेरिट उपर्युक्त किसी भी विषय संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

"Only Knowledge can provide salvation"

5.2. चार वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश

प्रस्तावित कार्यक्रम (यूजी - योग्यता आधारित)	कुल	यूआर	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	ईडब्ल्यूएस
बी.कॉम (ऑनर्स)	192	77	29	15	52	19
बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस	115	46	17	9	31	12
बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स	40	16	6	3	11	4
बी.एससी. (ऑनर्स) गणित	59	24	9	4	16	6
बी.एस.सी. (प्रोग.) गणितीय विज्ञान	59	24	9	4	16	6
बी.एस.सी. (प्रोग.) भौतिक विज्ञान विद कंप्यूटर साइंस	59	24	9	4	16	6
बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी	40	16	6	3	11	4
बीए (ऑनर्स) मनोविज्ञान	40	16	6	3	11	4
प्रबंधन अध्ययन स्नातक (बीएमएस)	59	24	9	4	16	6

5.3. विदेशी भाषाओं में एक वर्षीय सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में प्रवेश

पाठ्यक्रम का नाम	सीटों की संख्या	प्रवेश मानदंड
जर्मन भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स	50	पिछली परीक्षा (बारहवीं/स्नातक/स्नातकोत्तर) में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर। प्रत्येक श्रेणी में न्यूनतम कुल 45% अंक आवश्यक हैं। संबंधित श्रेणियों में प्रत्येक श्रेणी में योग्यता के क्रम में सख्ती से प्रवेश दिया जाएगा।
फ्रेंच भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स	50	

5.4. विदेशी भाषाओं में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश

पाठ्यक्रम का नाम	सीटों की संख्या	प्रवेश मानदंड
जर्मन भाषा में डिप्लोमा कोर्स	25	जिन उम्मीदवारों ने संबंधित भाषा में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रमाणपत्र परीक्षा या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त परीक्षा उत्तीर्ण की है, वे संबंधित भाषा में डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। संबंधित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम परीक्षा की योग्यता के आधार पर ही प्रवेश दिया जाएगा। जिन उम्मीदवारों ने प्रवेश के वर्ष से एक वर्ष पहले किसी अन्य संस्थान से भाषा में अपना प्रमाणपत्र प्राप्त किया है, उन्हें कॉलेज द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में शामिल होना होगा।
फ्रेंच भाषा में डिप्लोमा कोर्स	25	

5.5. ईसीए सीटों का वितरण

वर्ग	उप-श्रेणी कोड	उप-श्रेणी	सीटों की संख्या
नृत्य	2a	भारतीय शास्त्रीय	2
	2c	वेस्टर्न	1
बहस	3a	वाद-विवाद (हिंदी)	2
	3b	वाद-विवाद (अंग्रेजी)	1
ललित कला	5a	स्केचिंग और पेंटिंग	1
संगीत (गायन)	6a	भारतीय (शास्त्रीय और हल्का)	2
	6b	पश्चिमी (शास्त्रीय और हल्का)	1
संगीत (वाद्य: भारतीय)	7a	तबला	1
	7f	हरमोनियम बाजा	1
योग	14	योग	2
कुल			**14**

"Only Knowledge can provide salvation"

5.6. खेल सीटों का वितरण

खेल का नाम	पुरुषों के लिए सीटें	महिलाओं के लिए सीटें	कुल
एथलेटिक्स	3	4	**7**
बास्केटबॉल	0	3	**3**
नेटबॉल	0	1	**1**
तैराकी	0	3	**3**
ताइक्वांडो	3	2	**5**
कुल	**6**	**13**	**19**

6. शुल्क संरचना

6.1. कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों के लिए समेकित शुल्क

कार्यक्रम/पाठ्यक्रम का नाम	यूआर एवं अन्य *	पी डब्ल्यू बी डी	एससी / एसटी	अनाथ कोटा
बी.एस.सी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस	28300	350	28120	10
बी.कॉम. (ऑनर्स)	13480	350	13300	10
बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी	13480	350	13300	10
बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स	13480	350	13300	10
बी.एससी. (ऑनर्स) गणित	13480	350	13300	10
बीए (ऑनर्स) मनोविज्ञान	13480	350	13300	10
प्रबंधन अध्ययन स्नातक (बीएमएस)	18880	350	18700	10
बी.एस.सी. (प्रोग.) गणितीय विज्ञान	13480	350	13300	10
बी.एस.सी. (प्रोग.) भौतिक विज्ञान विद कंप्यूटर साइंस	13480	350	13300	10
फ्रेंच/जर्मन भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स	7200	केएमवी छात्रों के लिए		
	9200	बाहरी छात्रों के लिए		
फ्रेंच/जर्मन भाषा में डिप्लोमा कोर्स	12000	सभी छात्रों के लिए		

* ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, सीडब्ल्यू, कश्मीरी प्रवासी, खेल और ईसीए।

6.2. घटक-वार शुल्क संरचना

(परीक्षा शुल्क अतिरिक्त, बाद में भुगतान करना होगा)

क्रम सं.	विवरण	बीएससी (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस	बी.कॉम (ऑनर्स)	बीएससी (ऑनर्स) भौतिकी	बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स	बी.एससी. (ऑनर्स) गणित	बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान	बीएमएस	बी.एससी. (प्रोग.) गणितीय	बी.एससी. (प्रोग.) भौतिक विज्ञान विद कंप्यूटर
1	ट्युशन शुल्क	180	180	180	180	180	180	180	180	180
2	विश्वविद्यालय छात्र कल्याण कोष	250	250	250	250	250	250	250	250	250
3	कॉलेज छात्र कल्याण कोष	5850	5850	5850	5850	5850	5850	11250	5850	5850
4	विश्वविद्यालय विकास निधि	1500	1500	1500	1500	1500	1500	1500	1500	1500
5	कॉलेज विकास निधि	2200	2200	2200	2200	2200	2200	2200	2200	2200
6	विश्वविद्यालय सुविधाएं और सेवा शुल्क	1500	1500	1500	1500	1500	1500	1500	1500	1500
7	कॉलेज सुविधाएं और सेवा शुल्क	16530	1710	1710	1710	1710	1710	1710	1710	1710
8	ईडब्ल्यूएस सहायता विश्वविद्यालय निधि	250	250	250	250	250	250	250	250	250
9	डीयूएसयू	40	40	40	40	40	40	40	40	40
	कुल	**28300**	**13480**	**13480**	**13480**	**13480**	**13480**	**18880**	**13480**	**13480**

नोट: प्रवेश शुल्क का सफलतापूर्वक भुगतान होने पर अभ्यर्थी को अनंतिम रूप से प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश शुल्क का भुगतान केवल अभ्यर्थी के डैशबोर्ड के माध्यम से ही किया जाना चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रवेश शुल्क का सफलतापूर्वक भुगतान नहीं किया जाता है, तो किसी भी परिस्थिति में प्रवेश पूर्ण नहीं माना जाएगा। सभी भुगतानों के लिए, अभ्यर्थी इनमें से किसी भी भुगतान माध्यम का उपयोग कर सकते हैं: नेट बैंकिंग / डेबिट कार्ड / क्रेडिट कार्ड / यूपीआई। महाविद्यालय में सभी संबंधित दस्तावेजों के भौतिक सत्यापन के बाद ही प्रवेश की पुष्टि की जाएगी।

7. प्रवेश वापसी के मामले में शुल्क वापसी नीति

यदि किसी अभ्यर्थी ने किसी कार्यक्रम में प्रवेश ले लिया है, लेकिन उससे नाम वापस लेना चाहता है, तो वह अपने डैशबोर्ड के माध्यम से 'वापस लें' विकल्प चुनकर और ₹1000.00 (वापसी योग्य नहीं) का निकासी शुल्क देकर ऐसा कर सकता है। जो अभ्यर्थी अपना प्रवेश वापस लेता है, वह यूओडी के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए अपनी पात्रता खो देगा। इसके बाद के किसी भी नियमित आवंटन दौर में, यदि कोई हो, भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। स्पॉट एडमिशन दौर/दौरों (यदि कोई हो) की घोषणा होने पर नाम वापस लेने का विकल्प निलंबित रहेगा।

अभ्यर्थी द्वारा प्रवेश वापस लेने पर, पूर्ण प्रवेश शुल्क केवल तभी वापस किया जाएगा जब प्रवेश वापसी यूओडी द्वारा घोषित प्रवेश की अंतिम तिथि से पहले की गई हो। प्रवेश की अंतिम तिथि के बाद की गई वापसी पर प्रवेश शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं किया जाएगा।

निम्नलिखित के लिए धनवापसी नहीं की जाएगी:

a. सीएसएएस (यूजी)-2025 आवेदन शुल्क

b. मध्य-प्रवेश शुल्क

c. निकासी शुल्क

प्रवेश बंद होने पर, धनवापसी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यूओडी प्रवेश बंद होने के तीन महीने के भीतर धनवापसी का निपटान करने का प्रयास करेगा।

8. आरक्षण नीति

8.1 अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) उम्मीदवारों के लिए सीटों का आरक्षण

अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2025 में उपस्थित होना होगा।

कुल सीटों का 22.5% अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है (अनुसूचित जाति के लिए 15% और अनुसूचित जनजाति के लिए 7.5%, यदि आवश्यक हो तो अदला-बदली की जा सकती है)।

पंजीकरण और प्रवेश के समय अभ्यर्थी के पास अपने नाम का जाति/जनजाति प्रमाण पत्र होना चाहिए। जाति प्रमाण पत्र में स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए:

a. उसकी जाति/जनजाति का नाम
b. क्या उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंधित है
c. अभ्यर्थी के सामान्य निवास स्थान का जिला और राज्य या संघ राज्य क्षेत्र, और
d. भारत सरकार की उपयुक्त अनुसूची जिसके अंतर्गत उसकी जाति/जनजाति को अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के रूप में अनुमोदित किया गया है।

अभ्यर्थी को प्रवेश के समय मूल वैध एससी या एसटी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

निम्नलिखित को अपेक्षित एससी/एसटी प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार है:

a. जिला मजिस्ट्रेट / अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट / कलेक्टर / डिप्टी कमिश्नर / अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर / डिप्टी कलेक्टर / प्रथम श्रेणी स्टाइपेंड्री मजिस्ट्रेट / सिटी मजिस्ट्रेट / सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट / तालुका मजिस्ट्रेट / कार्यकारी मजिस्ट्रेट / अतिरिक्त सहायक आयुक्त।
b. मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट / अपर मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट / प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट।
c. राजस्व अधिकारी जो तहसीलदार के पद से नीचे का न हो।
d. उस क्षेत्र का उप-विभागीय अधिकारी जहां अभ्यर्थी और/या उसका परिवार सामान्यतः रहता है।
e. प्रशासक/प्रशासक के सचिव/विकास अधिकारी (लक्षद्वीप द्वीप समूह)।

अभ्यर्थी ध्यान दें कि किसी अन्य व्यक्ति/प्राधिकारी से प्राप्त अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यदि अभ्यर्थी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंधित है, तो अभ्यर्थी की जाति/जनजाति भारत सरकार की उपयुक्त अनुसूची में सूचीबद्ध होनी चाहिए।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित सभी सीटों को भरना महाविद्यालय का वैधानिक दायित्व है।

महाविद्यालय किसी भी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी को शिक्षण माध्यम के आधार पर प्रवेश देने से मना नहीं करेंगे। किसी भी भाषा विशेष के ज्ञान में किसी भी प्रकार की कमी को दूर किया जाना चाहिए; इस प्रयोजन के लिए , महाविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान का उपयोग करके उपचारात्मक कक्षाओं की व्यवस्था की जा सकती है।

8.2 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी-एनसीएल, केंद्रीय सूची) के लिए सीटों का आरक्षण

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी- नॉन क्रीमी लेयर) के अंतर्गत प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों को सीयूईटी (यूजी)-2025 में शामिल होना होगा।

27% सीटें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी-नॉन-क्रीमी लेयर, केंद्रीय सूची) के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं।

ओबीसी उम्मीदवार को प्रवेश देते समय, कॉलेज यह सुनिश्चित करेगा कि जाति ओबीसी की केंद्रीय सूची में शामिल है (ओबीसी की स्थिति राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सिफारिशों पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अधिसूचित ओबीसी की केंद्रीय (भारत सरकार) सूची के आधार पर निर्धारित की जाएगी (वेबसाइट http://ncbc.nic.in/backward classes/index.html पर उपलब्ध है ।)

प्रमाण पत्र में अभ्यर्थी की गैर-क्रीमी लेयर स्थिति का उल्लेख होना चाहिए (डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 36012/22/93- Estt. (SCT) दिनांक 15.11.1993 में उल्लिखित प्राधिकारी द्वारा जारी गैर-क्रीमी लेयर स्थिति)।

ओबीसी उम्मीदवार जो 'नॉन-क्रीमी लेयर' से संबंधित हैं और जिनकी जाति केवल ओबीसी की केंद्रीय सूची में दिखाई देती है, वे ओबीसी श्रेणी के तहत प्रवेश के लिए विचार करने के पात्र होंगे (डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 36036/2/2013-Estt. (Res- I) दिनांक 31 मार्च, 2016 के अनुसार उम्मीदवारों की 'नॉन-क्रीमी लेयर' स्थिति के संबंध में ओबीसी प्रमाण पत्र की वैधता अवधि)। प्रमाण पत्र 31 मार्च, 2025 के बाद जारी किया जाना चाहिए। ओबीसी-एनसीएल उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सभी सीटों को भरना कॉलेजों की ओर से एक वैधानिक दायित्व है।

8.3 आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण नीति

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2025 में उपस्थित होना होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय की अधिसूचनाओं (संदर्भ संख्या Aca. I/Reservation of EWSs/2019/63 दिनांक 28 मार्च, 2019 और संदर्भ संख्या Aca. I / Reservation of EWSs/ 2019 /101 दिनांक 15 मई, 2019) के अनुसार, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) श्रेणी के लिए आरक्षण हेतु, विश्वविद्यालय के विभागों/केंद्रों/कॉलेजों ने EWS श्रेणी के उम्मीदवारों के प्रवेश हेतु 10% सीटें आरक्षित की हैं। प्रमाण पत्र 31 मार्च, 2025 के बाद जारी किया जाना चाहिए।

8.4. अतिरिक्त कोटे पर प्रवेश

सभी अतिरिक्त कोटा सीटों पर प्रवेश सीयूईटी (यूजी) - 2025 के माध्यम से होगा। अतिरिक्त सीटों पर प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2025 में उपस्थित होना होगा।

वर्ग

पिडब्ल्यूबीड़ी बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति

सी डब्ल्यू अर्धसैनिक बलों सहित सशस्त्र बलों के कार्मिकों के बच्चे/ विधवाएँ

ईसीए	पाठ्येतर गतिविधियाँ
खेल	खेल
केएम	कश्मीरी प्रवासी
पीएमएसएस	प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति
एसएस	नामांकित सिक्किमी छात्र
डब्ल्यू क्यू	दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का वार्ड कोटा
ओक्यू	अनाथ कोटा

बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति (पिडब्ल्यूबीड़ी)

प्रत्येक कार्यक्रम में कुल स्वीकृत क्षमता का पांच प्रतिशत (5%) दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है।

पीडब्ल्यूबीडी कोटा के तहत प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों के लिए अलग से आवंटन परिणाम घोषित किया जाएगा।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (पिडब्ल्यूबीड़ी) प्रमाणपत्र के प्रारूप के लिए , प्रवेश वेबसाइट www.admission.uod.ac.in देखें। 01.06.2021 के बाद जारी किए गए दिव्यांगता प्रमाणपत्र दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना संख्या 1736 (ई) दिनांक 05.05.2021 के अनुसार होने चाहिए और यू डी आई डी पोर्टल के माध्यम से आवेदन किए जाने चाहिए। हालाँकि, 01.06.2021 से पहले जारी किए गए दिव्यांगता प्रमाणपत्रों पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग और दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य मौजूदा लागू नियमों और अधिसूचनाओं के अनुसार विचार किया जाएगा।

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार, 'बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्ति' से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जिसकी निर्दिष्ट दिव्यांगता चालीस प्रतिशत (40%) से कम न हो, जहाँ निर्दिष्ट दिव्यांगता को मापने योग्य शब्दों में परिभाषित नहीं किया गया है और इसमें ऐसे दिव्यांग व्यक्ति भी शामिल हैं जहाँ निर्दिष्ट दिव्यांगता को मापने योग्य शब्दों में परिभाषित किया गया है, जैसा कि प्रमाणन प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित किया गया है।' गौरतलब है कि पूर्ववर्ती दिव्यांगजन (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 (1996 का संख्या 1), जिसके तहत पहले दिव्यांगजनों के लिए प्रवेश में आरक्षण प्रदान किया जाता था, अब निरस्त कर दिया गया है।

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की अनुसूची में उल्लिखित दिव्यांगता की निम्नलिखित निर्दिष्ट श्रेणियों में से किसी के अंतर्गत आने वाले बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्ति [उक्त अधिनियम की धारा 2 के खंड (जेडसी) देखें] उक्त आरक्षण का लाभ पाने के लिए पात्र हैं।

ए. लोकोमोटर विकलांगता

गति-संचालन संबंधी विकलांगता (किसी व्यक्ति की स्वयं और वस्तुओं की गति से संबंधित विशिष्ट गतिविधियों को निष्पादित करने में असमर्थता, जो मस्कुलोस्केलेटल या तंत्रिका तंत्र या दोनों के विकार के परिणामस्वरूप होती है), जिसमें शामिल हैं-

1. "कुष्ठ रोग से ठीक हुआ व्यक्ति" का अर्थ है वह व्यक्ति जो कुष्ठ रोग से ठीक हो गया है, लेकिन निम्न से पीड़ित है—
   i. हाथों या पैरों में संवेदना की हानि के साथ-साथ आंख और पलक में संवेदना की हानि और पक्षाघात लेकिन विकृति का कोई प्रकटीकरण नहीं;
   ii. प्रकट विकृति और पक्षाघात लेकिन उनके हाथों और पैरों में पर्याप्त गतिशीलता है जिससे वे सामान्य आर्थिक गतिविधि में संलग्न हो सकें;
   iii. अत्यधिक शारीरिक विकृति और साथ ही अधिक आयु जो उसे कोई लाभकारी व्यवसाय करने से रोकती है, और "कुष्ठ रोग ठीक हो गया" अभिव्यक्ति को तदनुसार समझा जाएगा;

2. "सेरेब्रल पाल्सी" का अर्थ है शरीर की गतिविधियों और मांसपेशियों के समन्वय को प्रभावित करने वाली गैर-प्रगतिशील न्यूरोलॉजिकल स्थिति का एक समूह, जो मस्तिष्क के एक या अधिक विशिष्ट क्षेत्रों को नुकसान के कारण होता है, जो आमतौर पर जन्म से पहले, जन्म के दौरान या उसके तुरंत बाद होता है;
3. "बौनापन" का अर्थ है एक चिकित्सीय या आनुवंशिक स्थिति जिसके परिणामस्वरूप वयस्क की ऊंचाई 4 फीट 10 इंच (147 सेंटीमीटर) या उससे कम होती है;
4. "मस्कुलर डिस्ट्रॉफी" वंशानुगत आनुवंशिक मांसपेशी रोगों का एक समूह है जो मानव शरीर को गतिमान करने वाली मांसपेशियों को कमज़ोर कर देता है। मल्टीपल डिस्ट्रॉफी से पीड़ित व्यक्तियों के जीन में गलत और अनुपस्थित जानकारी होती है, जो उन्हें स्वस्थ मांसपेशियों के लिए आवश्यक प्रोटीन बनाने से रोकती है। इसकी विशेषताएँ कंकाल की मांसपेशियों की उत्तरोत्तर कमज़ोरी, मांसपेशी प्रोटीन में दोष और मांसपेशी कोशिकाओं और ऊतकों की मृत्यु हैं;
5. "एसिड अटैक पीड़ित" से तात्पर्य एसिड या इसी तरह के संक्षारक पदार्थ फेंकने से हिंसक हमले के कारण विकृत हुए व्यक्ति से है।

बी. दृश्य हानि

6. "अंधापन" का अर्थ ऐसी स्थिति है जिसमें किसी व्यक्ति में सर्वोत्तम सुधार के बाद निम्नलिखित में से कोई भी स्थिति हो
   i. दृष्टि की पूर्ण अनुपस्थिति; या
   ii. सर्वोत्तम संभव सुधार के साथ बेहतर आँख में दृश्य तीक्ष्णता 3/60 से कम या 10/200 (स्नेलन) से कम; या
   iii. दृष्टि क्षेत्र की सीमा 10 डिग्री से कम का कोण बनाती है।
7. "कम दृष्टि" से तात्पर्य ऐसी स्थिति से है जिसमें व्यक्ति में निम्नलिखित में से कोई भी स्थिति हो, अर्थात्:
   i. दृश्य तीक्ष्णता 6/18 से अधिक नहीं या 20/60 से कम नहीं, 3/60 तक या 10/200 (स्नेलन) तक, बेहतर आँख में, सर्वोत्तम संभव सुधार के साथ; या
   ii. दृष्टि क्षेत्र की सीमा 40 डिग्री से कम के कोण तक सीमित होना 10 डिग्री तक .

सी. श्रवण दोष

8. "बधिर" का अर्थ है ऐसे व्यक्ति जिनके दोनों कानों में वाक् आवृत्तियों में 70 डीबी श्रवण हानि हो;
9. "सुनने में कठिनाई" का अर्थ है वह व्यक्ति जिसके दोनों कानों में वाक् आवृत्तियों में 60 डीबी से 70 डीबी तक सुनने की क्षमता में कमी हो;
10. "भाषण एवं भाषा विकलांगता" का अर्थ है स्वरयंत्र उच्छेदन या वाचाघात जैसी स्थितियों से उत्पन्न स्थायी विकलांगता, जो जैविक या तंत्रिका संबंधी कारणों से भाषण और भाषा के एक या अधिक घटकों को प्रभावित करती है।

डी. बौद्धिक अक्षमता

एक ऐसी स्थिति जिसमें बौद्धिक कार्यप्रणाली (तर्क, सीखना, समस्या समाधान) और अनुकूली व्यवहार दोनों में महत्वपूर्ण सीमाएं होती हैं, जो दैनिक, सामाजिक और व्यावहारिक कौशल की एक श्रृंखला को कवर करती है, जिसमें शामिल हैं—

11. "विशिष्ट अधिगम विकलांगता" का अर्थ है स्थितियों का एक विषम समूह जिसमें बोली जाने वाली या लिखित भाषा के प्रसंस्करण में कमी होती है, जो समझने, बोलने, पढ़ने, लिखने, वर्तनी या गणितीय गणना करने में कठिनाई के रूप में प्रकट हो सकती है और इसमें अवधारणात्मक विकलांगता, डिस्लेक्सिया, डिस्ग्राफिया, डिस्कैलकुलिया, डिस्प्रेक्सिया और विकासात्मक वाचाघात जैसी स्थितियां शामिल हैं;

12. "ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार" का अर्थ एक न्यूरो-विकासात्मक स्थिति है जो आमतौर पर जीवन के पहले तीन वर्षों में दिखाई देती है, जो किसी व्यक्ति की संवाद करने, रिश्तों को समझने और दूसरों से जुड़ने की क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है, और अक्सर असामान्य या रूढ़िवादी अनुष्ठानों या व्यवहारों से जुड़ी होती है।

ई. मानसिक बीमारी

"मानसिक बीमारी" का अर्थ है सोच, मनोदशा, धारणा, अभिविन्यास या स्मृति का एक बड़ा विकार जो निर्णय, व्यवहार, वास्तविकता को पहचानने की क्षमता या जीवन की सामान्य मांगों को पूरा करने की क्षमता को बुरी तरह से क्षीण कर देता है, लेकिन इसमें मंदबुद्धि शामिल नहीं है जो किसी व्यक्ति के दिमाग के अवरुद्ध या अपूर्ण विकास की स्थिति है, जो विशेष रूप से बुद्धि की असामान्यता से चिह्नित है।

एफ. क्रोनिक न्यूरोलॉजिकल स्थितियों के कारण होने वाली विकलांगता , *जैसे* -

13. "मल्टीपल स्क्लेरोसिस" का अर्थ है एक सूजन, तंत्रिका तंत्र रोग जिसमें मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के तंत्रिका कोशिकाओं के अक्षतंतुओं के चारों ओर माइलिन आवरण क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, जिससे डिमाइलिनेशन होता है और मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में तंत्रिका कोशिकाओं की एक दूसरे के साथ संवाद करने की क्षमता प्रभावित होती है;
14. "पार्किंसंस रोग" का अर्थ तंत्रिका तंत्र का एक प्रगतिशील रोग है, जो कंपन, मांसपेशियों में कठोरता और धीमी, अनिश्चित गति से चिह्नित होता है, जो मुख्य रूप से मध्यम आयु वर्ग और बुजुर्ग लोगों को प्रभावित करता है, जो मस्तिष्क के बेसल गैन्लिया के अध:पतन और न्यूरोट्रांसमीटर डोपामाइन की कमी से जुड़ा होता है।

जी. रक्त विकार

15. "हीमोफीलिया" का अर्थ एक वंशानुगत रोग है, जो आमतौर पर केवल पुरुषों को प्रभावित करता है, लेकिन महिलाओं द्वारा उनके पुरुष बच्चों में फैलता है, जिसमें रक्त के सामान्य थक्के जमने की क्षमता में कमी या हानि होती है, जिससे मामूली घाव से भी घातक रक्तस्राव हो सकता है।
16. "थैलेसीमिया" का अर्थ आनुवंशिक विकारों का एक समूह है, जिसमें हीमोग्लोबिन की मात्रा कम या अनुपस्थित होती है।
17. "सिकल सेल रोग" का अर्थ है एक रक्तसंलायी विकार, जिसमें दीर्घकालिक रक्ताल्पता, दर्दनाक घटनाएं, तथा संबंधित ऊतकों और अंगों की क्षति के कारण विभिन्न जटिलताएं होती हैं; "रक्तसंलायी" का अर्थ है लाल रक्त कोशिकाओं की कोशिका झिल्ली का विनाश, जिसके परिणामस्वरूप हीमोग्लोबिन का स्राव होता है।

एच. बहु विकलांगताएं (उपर्युक्त निर्दिष्ट विकलांगताओं में से एक से अधिक)

बधिर-अंधता सहित बहु-विकलांगता, जिसका अर्थ है एक ऐसी स्थिति जिसमें व्यक्ति में श्रवण और दृश्य विकलांगता का संयोजन हो सकता है, जिसके कारण गंभीर संचार, विकासात्मक और शैक्षिक समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

आई. कोई अन्य श्रेणी जिसे केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचित किया जा सकता है।

पीडब्ल्यूबीडी) के संबंध में शुल्क में रियायत / छूट

a. विश्वविद्यालय के संकायों, विभागों, केंद्रों और संस्थानों/कॉलेजों में अध्ययन के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने वाले शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों को प्रवेश शुल्क, दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ की सदस्यता और पहचान पत्र शुल्क (विश्वविद्यालय के अध्यादेश X(4) में संशोधन के अनुसार) को छोड़कर, परीक्षा शुल्क और अन्य विश्वविद्यालय शुल्क सहित शुल्क के भुगतान से छूट दी जाएगी।
b. पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवार जो अनारक्षित श्रेणी / एससी / एसटी / ओबीसी-एनसीएल / ईडब्ल्यूएस की योग्यता को पूरा करते हैं और इनमें से किसी भी श्रेणी में प्रवेश लेते हैं, उन्हें पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवार के लिए प्रासंगिक शुल्क का भुगतान करना होगा।

c. कार्यकारी परिषद के संकल्प संख्या 50 दिनांक 03.11.2012 के अनुसार, विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों/हॉल में रहने वाले शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों को वापसी योग्य सावधानी शुल्क और मेस शुल्क को छोड़कर सभी छात्रावास शुल्क और प्रभारों के भुगतान से छूट दी गई है। शारीरिक रूप से विकलांग छात्र, मेस शुल्क का 50% भुगतान करेंगे और शेष 50% दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया जाएगा। कॉलेजों द्वारा विभिन्न छात्रावासों में रहने वाले दिव्यांग छात्रों के संबंध में भी इसी प्रकार के मानदंड अपनाए जाने हैं।

d. पीडब्ल्यूबीडी छात्र जो फेलोशिप / वित्तीय सहायता प्राप्त कर रहे हैं, उन्हें निम्नलिखित शर्तों के अधीन फीस / प्रभार / मेस शुल्क के भुगतान से छूट दी जाएगी।

फैलोशिप का मूल्य	शुल्क माफी आदि से छूट।
3000/- प्रति माह तक	शुल्क माफ़ी + 50% मेस सब्सिडी
3001/- से 8000/- प्रति माह	फीस माफ़ी लेकिन मेस सब्सिडी नहीं
8001/- और उससे अधिक प्रति माह	फीस माफ़ी लेकिन मेस सब्सिडी नहीं

अभ्यर्थियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि दिव्यांगजन प्रमाणपत्र अभ्यर्थी के नाम पर हो तथा किसी मान्यता प्राप्त सरकारी अस्पताल द्वारा जारी किया गया हो, तथा उस पर अभ्यर्थी की विधिवत सत्यापित तस्वीर लगी हो।

सशस्त्र बलों के कार्मिकों के बच्चे/विधवाएँ (सीडब्ल्यू)

सभी कॉलेजों में कार्यक्रमवार इस श्रेणी के अंतर्गत अभ्यर्थियों के लिए पांच प्रतिशत (5%) सीटें आरक्षित हैं।

विश्वविद्यालय के सीडब्ल्यू कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2025 में उपस्थित होना होगा।

निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक द्वारा जारी शैक्षिक रियायत प्रमाणपत्र (ईसीसी) उचित लेटरहेड पर अपलोड करना होगा:

a. सचिव, केन्द्रीय सैनिक बोर्ड, दिल्ली।
b. सचिव, राज्य जिला सैनिक बोर्ड।
c. प्रभारी अधिकारी, अभिलेख कार्यालय।
d. प्रथम श्रेणी वेतनभोगी मजिस्ट्रेट।
e. गृह मंत्रालय (वीरता पुरस्कार प्राप्त पुलिस कर्मियों के लिए)

कोई अन्य प्रारूप स्वीकार्य नहीं होगा। माता-पिता या आश्रित का पहचान पत्र, मेडिकल कार्ड, राशन कार्ड, सीएसडी कार्ड आदि के रूप में सीडब्ल्यू श्रेणी के प्रमाण सही प्रारूप में प्रमाण पत्र के बदले स्वीकार्य नहीं हैं। प्रमाण पत्र में प्राथमिकता का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए। जिन प्रमाण पत्रों में संबंधित प्राथमिकता का उल्लेख नहीं है, उन पर विचार नहीं किया जाएगा*।

(प्राथमिकता I से IX) के कार्मिकों के बच्चों/विधवाओं को, जिनमें अर्धसैनिक कार्मिक (केवल प्राथमिकता I से V) शामिल हैं, निम्नलिखित वरीयता क्रम में प्रवेश दिया जा सकता है:

प्राथमिकता I	सैन्य कार्रवाई में मारे गए रक्षा कार्मिकों की विधवाएं/आश्रित तथा सैन्य सेवा के कारण विकलांगता के कारण सेवा से बाहर कर दिए गए;
प्राथमिकता II	सैन्य सेवा के दौरान विकलांग हुए रक्षा कार्मिकों के आश्रित तथा सैन्य सेवा के कारण विकलांगता के कारण सेवा से बाहर किए गए कार्मिक;

प्राथमिकता III	रक्षा कार्मिकों की विधवाएं/आश्रित जिनकी मृत्यु सैन्य सेवा के कारण सेवा के दौरान हुई हो;
प्राथमिकता IV	सेवा के दौरान विकलांग हुए रक्षा कार्मिकों के आश्रित तथा सैन्य सेवा के कारण विकलांगता के कारण सेवा से बाहर हुए कार्मिक;
प्राथमिकता V	भूतपूर्व सैनिकों और सेवारत कार्मिकों के बच्चे, जिनमें वीरता पुरस्कार प्राप्त पुलिस बल के कार्मिक भी शामिल हैं; i. परमवीर चक्र ii. अशोक चक्र iii. महावीर चक्र iv. कीर्ति चक्र v. वीर चक्र vi. शौर्य चक्र vii. वीरता के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक / अग्निशमन सेवा कर्मियों के लिए राष्ट्रपति वीरता पदक viii. सेना पदक (वीरता), नौ सेना पदक (वीरता), वायु सेना पदक (वीरता), तटरक्षक पदक (वीरता) ix. डिस्पैच में उल्लेख x. वीरता के लिए पुलिस पदक / अग्निशमन सेवाओं के लिए वीरता पदक
प्राथमिकता VI	भूतपूर्व सैनिकों के बच्चे।
प्राथमिकता VII	इनकी पत्नियाँ: i. रक्षा कार्मिक कार्रवाई में अक्षम हो गए और सेवा से बाहर हो गए। ii. सेवा के दौरान विकलांग हुए रक्षा कार्मिक और सैन्य सेवा के कारण विकलांगता के कारण सेवा से बाहर हुए रक्षा कार्मिक iii. वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले पूर्व सैनिक और सेवारत कार्मिक
प्राथमिकता VIII	सेवारत कर्मियों के वार्ड
प्राथमिकता IX	सेवारत कर्मियों की पत्नियाँ

*विश्वविद्यालय ईसीसी के साथ सहायक दस्तावेज़ भी मांग सकता है। अधिक जानकारी के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित सीएसएएस (यूजी) 2025 देखें।

कश्मीरी प्रवासी (केएम)

सभी कॉलेजों में कश्मीरी प्रवासियों के बच्चों के लिए कार्यक्रमवार 5% तक सीटें आरक्षित हैं। सभी कश्मीरी प्रवासियों के बच्चों को संभागीय आयुक्त/राहत आयुक्त द्वारा जारी कश्मीरी प्रवासी के रूप में पंजीकरण प्रमाणपत्र अपलोड करना होगा।

कश्मीरी प्रवासी कोटे के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2025 में उपस्थित होना होगा।

जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना (पीएमएसएसएस)

जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2025 में उपस्थित होना होगा।

सिक्किमी छात्रों (एसएस) के लिए सीटों का नामांकन

सिक्किम नामांकन योजना के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2025 में उपस्थित होना होगा।

सिक्किम सरकार द्वारा नामांकित सिक्किमी छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा उन महाविद्यालयों में प्रवेश हेतु विचार किया जाएगा जहाँ छात्रावास सुविधाएँ उपलब्ध हैं (एसी संकल्प 51 दिनांक 05/06/1980 और 122 दिनांक 17/12/1990)। संबंधित महाविद्यालयों में प्रवेश के साथ-साथ छात्रावास आवास के लिए सिक्किमी छात्रों का आवंटन कुलपति द्वारा अपने विवेकानुसार किया जाएगा।

इन नामांकित सीटों की संख्या नीचे दी गई है:

कार्यक्रम	सीटें	कार्यक्रम	सीटें
बीए प्रोग्राम	3	बी.कॉम.	4
बीए (ऑनर्स)	1	बी.एससी. भौतिक विज्ञान / अनुप्रयुक्त भौतिक विज्ञान	2
बी. कॉम (ऑनर्स)	2	बी.एससी. जीवन विज्ञान / अनुप्रयुक्त	2

दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का वार्ड कोटा (WQ)

दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के वार्ड कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2025 में उपस्थित होना होगा। विश्वविद्यालय और उसके कॉलेज के कर्मचारियों के वार्डों, शिक्षण और गैर-शिक्षण दोनों के लिए प्रवेश शैक्षणिक परिषद के प्रस्ताव 9 ए और बी दिनांक 27.11.2020 और उसके बाद के संशोधनों के अनुसार किया जाएगा।

पंजीकरण के समय उम्मीदवारों के पास संबंधित अधिकारियों द्वारा जारी वैध रोज़गार प्रमाणपत्र होना आवश्यक है। केवल पंजीकरण के समय अपलोड किए गए रोज़गार प्रमाणपत्र पर ही विचार किया जाएगा। पहचान पत्र, आधार कार्ड और/या कोई अन्य दस्तावेज़ स्वीकार नहीं किए जाएँगे।

प्रत्येक कॉलेज के लिए वार्ड कोटे के अंतर्गत प्रवेश तीन कार्यक्रम समूहों, अर्थात् मानविकी, वाणिज्य और विज्ञान, में निर्धारित किए जाएँगे। आवंटन कॉलेज/विभाग में प्रस्तावित कार्यक्रमों की संख्या पर भी निर्भर करेगा। वार्ड कोटे का आवंटन कार्यक्रम समूहों में उम्मीदवारों के योग्यता अंकों और उम्मीदवारों द्वारा दी गई वरीयताओं के क्रम के आधार पर होगा। शिक्षण और गैर-शिक्षण के लिए आवंटित वार्ड कोटे के अंतर्गत सीटें अदला-बदली योग्य नहीं होंगी। हालाँकि, लाभ को अधिकतम करने के लिए कार्यक्रम समूहों के भीतर आवंटन पर विचार किया जा सकता है। क्लस्टर-आधारित योग्यता का पता लगाने के लिए सीयूईटी अंकों में उचित अनुपात निर्धारित किया जा सकता है।

अनाथ कोटा (OQ)

अनाथ बच्चों के लिए अतिरिक्त कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2025 में उपस्थित होना होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर प्रत्येक अध्ययन कार्यक्रम में दो उम्मीदवारों (एक पुरुष और एक महिला) को प्रवेश देगा। ये दो सीटें अतिरिक्त होंगी। विश्वविद्यालय परिषद ने यह भी संकल्प लिया कि विश्वविद्यालय या उसके

महाविद्यालयों में ऐसे छात्रों के प्रवेश और अध्ययन जारी रखने पर होने वाला व्यय, विश्वविद्यालय कल्याण कोष या महाविद्यालय छात्र कल्याण कोष, जैसा भी मामला हो, से विश्वविद्यालय या महाविद्यालय में प्रवेश के लिए वहन किया जाएगा।

जो अभ्यर्थी अनाथ कोटे के अंतर्गत प्रवेश लेना चाहता है, उसके पास सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अनाथालय/धर्मार्थ गृह से प्राप्त प्रमाण पत्र या माता-पिता दोनों का मृत्यु प्रमाण पत्र होना चाहिए।

Acad.I / अनाथ कोटा / 2024-25/10 दिनांक 16 जनवरी, 2024 के अनुसार :

1. शैक्षणिक सत्र 2024-25 से अनाथ कोटे के तहत प्रवेश चाहने वाले अभ्यर्थियों को 10.00 रुपये का प्रवेश शुल्क देना होगा।
2. छात्रावास आवास का लाभ उठाने वाले छात्रों को वास्तविक के अनुसार मेस शुल्क का भुगतान करना होगा।

पाठ्येतर गतिविधियाँ (ईसीए) और खेल कोटा

ईसीए और/या खेल के लिए अतिरिक्त कोटे के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2025 में उपस्थित होना होगा।

ईसीए और स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरी सीटों पर प्रवेश के लिए सीयूईटी स्कोर को 25% और सर्टिफिकेट/ट्रायल/प्रदर्शन को 75% वेटेज दिया जाएगा।

विश्वविद्यालय में सीटों के आवंटन और प्रवेश से संबंधित विस्तृत जानकारी कॉमन सीट आवंटन प्रणाली (स्नातक)-2025 (सीएसएएस (यूजी)-2025) में प्रकाशित की जाएगी।

उम्मीदवारों को सीएसएएस (यूजी)-2025 और अन्य संबंधित विवरणों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखनी चाहिए।

9. एनसीवेब और एसओएल (डीडीसीई) में प्रवेश

9.1 गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी)

दिल्ली विश्वविद्यालय के गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) के एक गौरवशाली केंद्र के रूप में, हम उन छात्राओं की शैक्षिक आकांक्षाओं को पूरा करते हैं जो सप्ताहांत में लचीले शिक्षण अवसरों की तलाश में रहती हैं। हमारा शिक्षण केंद्र इन छात्राओं की शिक्षा और अन्य पाठ्येतर गतिविधियों के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रहा है और उनके करियर के लिए एक सुरक्षित वातावरण और समग्र विकास प्रदान करता है।

गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी), जो दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक है, 1944 से शिक्षा के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में योगदान दे रहा है। एनसीडब्ल्यूईबी दो स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है, अर्थात् बीए प्रोग्राम (दो उप धाराओं के साथ, अर्थात्, इतिहास और राजनीति विज्ञान एक विकल्प के रूप में और अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान दूसरे विकल्प के रूप में) और बी.कॉम।

उपरोक्त कार्यक्रमों में प्रवेश कक्षा बारहवीं में प्राप्त योग्यता अंकों के आधार पर दिए जाएँगे। पात्रता, कार्यक्रम संरचना, प्रवेश प्रक्रिया, शुल्क संरचना और प्रवेश तिथियों के बारे में विस्तृत जानकारी और अपडेट के लिए, उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित रूप से वेबसाइट: https://ncwebadmission.uod.ac.in/ देखें।

9.2. मुक्त शिक्षा विद्यालय (दूरस्थ एवं सतत शिक्षा विभाग)

दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (दूरस्थ एवं सतत शिक्षा विभाग), दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करता है। स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) विभिन्न स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश प्रदान करता है।

एसओएल में स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश कक्षा 12 में प्राप्त योग्यता अंकों के आधार पर दिया जाता है।

पात्रता, कार्यक्रम संरचना, प्रवेश प्रक्रिया, शुल्क संरचना और प्रवेश की तिथियों के बारे में विस्तृत जानकारी और अपडेट के लिए, उम्मीदवारों को नियमित आधार पर https://sol.du.ac.in/ पर जाने की सलाह दी जाती है।

10. बालिका छात्रावास में प्रवेश

छात्रावास विवरणिका और छात्रावास प्रवेश सूचना के लिए कॉलेज की वेबसाइट https://keshav.du.ac.in/ पर जाएं।

11. कॉलेज लाइफ

11.1 आधारभूत संरचना

केशव महाविद्यालय में, हम छात्रों के लिए व्यावहारिक अनुभव में विश्वास करते हैं। चूँकि केवल सैद्धांतिक ज्ञान अपर्याप्त और अधूरा है, इसलिए सभी संबंधित कार्यक्रमों में सुसज्जित प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई हैं। महाविद्यालय में छह विशाल व्याख्यान कक्ष और 28 कक्षाएँ हैं। लगभग सभी कक्षाएँ ई-सक्षम हैं।

"Only Knowledge can provide salvation"

11.1.1. इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं जो विभाग की रीढ़ हैं और छात्रों की व्यावहारिक निपुणता में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। इन प्रयोगशालाओं का उपयोग एनालॉग इलेक्ट्रॉनिक्स, डिजिटल सर्किट और सिस्टम, इंस्ट्रूमेंटेशन, संचार और सिग्नल प्रोसेसिंग और माइक्रोप्रोसेसर अनुप्रयोगों के आधार पर प्रयोग करने के लिए किया जाता है। छात्र विभिन्न एकीकृत सर्किट परिवारों, सर्किट डिजाइनिंग, रोम, ईपीरोम और रैम का कार्यसाधक ज्ञान विकसित करते हैं।

11.1.2. कंप्यूटर प्रयोगशाला

कंप्यूटर विंग में तीन विशाल कंप्यूटर प्रयोगशालाएं हैं जो अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं। सभी सिस्टम नवीनतम कॉन्फ़िगरेशन के हैं। प्रयोगशालाएं सर्वर के अलावा लगभग 90 प्रणालियों को समायोजित कर सकती हैं। एक अलग यूपीएस कमरा है। प्रयोगशालाओं में वाई-फाई राउटर का उपयोग करके एक वायरलेस लैन है। यह मल्टीमीडिया सुविधाएं भी प्रदान करता है और एक ओएचपी, एलसीडी प्रोजेक्टर और स्कैनर से लैस है।

11.1.3. भौतिकी प्रयोगशाला

कॉलेज में दो विशाल, सुव्यवस्थित, वातानुकूलित भौतिकी प्रयोगशालाएँ हैं, जो कंप्यूटर और अत्याधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों से सुसज्जित हैं। यहाँ छात्र यांत्रिकी, प्रकाशिकी, ऊष्मा, विद्युत परिपथ, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, ठोस अवस्था भौतिकी, आधुनिक भौतिकी आदि से संबंधित प्रयोगों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करके अपनी शिक्षा को और भी समृद्ध करते हैं। प्रकाशिकी और प्राक्षेपिक गैल्वेनोमीटर पर प्रयोग अलग-अलग वातानुकूलित अंधेरे कमरों में किए जाते हैं। कुशल शिक्षण के लिए प्रयोगशालाएँ प्रोजेक्टर से सुसज्जित हैं।

11.1.4. रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान प्रयोगशालाएँ

कार्बनिक, अकार्बनिक, भौतिक और विश्लेषणात्मक प्रयोगों के लिए दो रसायन विज्ञान प्रयोगशालाएँ हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक तुला, वैद्युतकण संचलन मशीन, डिजिटल पीएच मीटर और पोटेंशियोमीटर जैसे आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित हैं। एक पूर्णतः वातानुकूलित विश्लेषणात्मक तकनीक प्रयोगशाला भी स्थापित की जा रही है। जीव विज्ञान प्रयोगशालाएँ भी अच्छी तरह सुसज्जित हैं। दोनों प्रयोगशालाओं में कंप्यूटर सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं।

11.1.5. मनोविज्ञान प्रयोगशाला

कॉलेज की मनोविज्ञान प्रयोगशाला नवीनतम मनोवैज्ञानिक परीक्षणों और उपकरणों से सुसज्जित है, और छात्रों को व्यापक अनुभव प्रदान करने के लिए हर साल नए परीक्षण जोड़े जाते हैं। मनोमितीय परीक्षण नैदानिक, संगठनात्मक, सामाजिक, तंत्रिका-संज्ञानात्मक और परामर्श संबंधी स्थितियों में उपयोगी होते हैं। छात्र परीक्षण परिणामों के संचालन, अंकन और व्याख्या के साथ-साथ उनके निहितार्थ भी सीखते हैं। सीखने, स्मृति और प्रतिक्रिया समय जैसी अवधारणाओं को समझने के लिए प्रयोग भी किए जाते हैं।

11.1.6. प्रबंधन अध्ययन कंप्यूटर प्रयोगशाला

प्रबंधन अध्ययन विभाग में एक पूरी तरह से वातानुकूलित कंप्यूटर प्रयोगशाला है जिसमें 30 डेस्कटॉप कंप्यूटर, एक ऑल-इन-वन प्रिंटर और एक इंटरनेट सुविधा है। यह छात्रों को उनके कौशल विकास और डेटा विश्लेषण के लिए विभिन्न सॉफ्टवेयर पैकेजों तक पहुँच प्रदान करता है। इसमें पोर्टेबल प्रोजेक्टर, लैपटॉप, ध्वनि प्रवर्धक, पोर्टेबल माइक और पोर्टेबल व्हाइटबोर्ड हैं जिनका उपयोग संकाय और छात्र कक्षा प्रस्तुतियों और कार्यक्रमों के दौरान कर सकते हैं। वर्षों से यह विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों को सुगम बनाने के लिए एक तकनीकी केंद्र बन गया है।

11.1.7. आईसीटी प्रयोगशाला

कॉलेज में अत्याधुनिक प्रणालियों से लैस एक समर्पित आईसीटी प्रयोगशाला है जो मैटलैब और मैथमेटिका जैसे परिष्कृत सॉफ्टवेयर चलाने में सक्षम है। यह सुविधा वाणिज्य और गणित के छात्रों के लिए उपलब्ध है जिन्हें कंप्यूटर और सांख्यिकी पर काम करने की आवश्यकता है।

11.1.8. एम्फीथिएटर

परिसर में एक सुंदर और कलात्मक एम्फीथिएटर है जिसमें पाँच स्तंभ हैं जो पाँच तत्वों - वायु, जल, आकाश, पृथ्वी और अग्नि - के प्रतीक हैं। यह स्थल विविध प्रकार के छात्र प्रदर्शनों, प्रतियोगिताओं और नुक्कड़ नाटकों का आयोजन करता है।

11.1.9. कॉलेज ऑडिटोरियम

कॉलेज में एक अत्याधुनिक ऑडिटोरियम है जिसमें 800 लोग बैठ सकते हैं (2569 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फैला)। यह पूरी तरह से वातानुकूलित है, बेहतरीन ध्वनिकी और उच्च-स्तरीय प्रकाश एवं ध्वनि सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अतिरिक्त, लड़के और लड़कियों दोनों के लिए अलग-अलग ग्रीन रूम भी हैं। अपने उद्घाटन के बाद से, इस ऑडिटोरियम ने सुश्री शोवना नारायण, सुश्री

शुभा मुद्गल, श्री शिव कुमार शर्मा, श्रीमती एस. कनक, वारसी ब्रदर्स जैसे प्रसिद्ध कलाकारों के कई प्रतिभाशाली प्रदर्शनों की मेजबानी की है। यह कॉलेज के सभी सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों का केंद्र है।

11.1.10. पुस्तकालय

कॉलेज में दो मंजिलों में फैला एक अच्छी तरह से सुसज्जित, विशाल, पूरी तरह से स्वचालित पुस्तकालय है, जिसमें एक बड़ा वाचनालय भी शामिल है। यह एक वेब-आधारित पुस्तकालय है। पुस्तकालय का डेटा ई- ग्रंथालय सॉफ्टवेयर के माध्यम से एनआईसी क्लाउड पर उपलब्ध है । पुस्तकालय में लगभग 31896 पुस्तकों वाले विभिन्न खंड हैं। इसमें विभिन्न क्षेत्रों की पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ

सामग्रियों और विश्वकोशों का समृद्ध संग्रह है। विभिन्न विषयों के दैनिक, साप्ताहिक और आवधिक पत्रिकाओं की नियमित रूप से बड़ी संख्या में सदस्यता ली जा रही है। पाठकों के लिए पुस्तकालय द्वारा लगभग 24 पत्रिकाएँ और 15 समाचार पत्र सदस्यता प्राप्त हैं। पुस्तकालय में 740 से अधिक सीडी और डीवीडी हैं जो कॉलेज के विभिन्न विभागों को जारी की जाती हैं। इसके अलावा, यह दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली (डीयूएलएस) द्वारा इंटरनेट के माध्यम से कर्मचारियों और छात्रों को प्रदान की गई हजारों ई-पत्रिकाओं और शोध लेखों तक पहुँच भी प्रदान करता है। लाइब्रेरी में एक लेज़ एयर कैमरा स्कैनर के साथ-साथ लेक्स एयर वीएडी सॉफ्टवेयर के साथ एक लैपटॉप के साथ-साथ ब्रेल फेस और देवनागरी सॉफ्टवेयर भी उपलब्ध है।

11.1.11. सेमिनार हॉल

पूरी तरह से वातानुकूलित और सुसज्जित सेमिनार हॉल में साल भर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इसकी क्षमता लगभग 100 प्रतिनिधियों के बैठने की है और यह एलसीडी प्रोजेक्टर और ऑडियो-कॉन्फ्रेंसिंग जन-संबोधन प्रणाली से सुसज्जित है।

11.1.12. बालिका छात्रावास

कॉलेज में 78 छात्राओं की क्षमता वाला एक विशाल और आरामदायक गर्ल्स हॉस्टल है। यह हॉस्टल दिल्ली विश्वविद्यालय के केशव महाविद्यालय में उच्च शिक्षा प्राप्त करने की इच्छुक युवा छात्राओं को सुरक्षित और आरामदायक आवास सुविधाएँ प्रदान करता है। यह हॉस्टल कॉलेज परिसर में स्थित है, जो 10 एकड़ के क्षेत्र में फैले सुंदर लॉन और विशाल परिसर से घिरा हुआ है। अधिकांश कमरे ट्विन/ट्रिपल शेयरिंग के आधार पर उपलब्ध हैं। हॉस्टल के मेस में छात्राओं को ताज़ा भोजन उपलब्ध कराया जाता है। छात्राओं के स्वस्थ और आरामदायक प्रवास के लिए चिकित्सा सेवाएँ और कपड़े धोने की सेवाएँ उपलब्ध हैं। वाई-फाई -इंटरनेट सुविधा, टेलीफोन सुविधा, एक स्वचालित सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और कई अन्य सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं। हॉस्टल परिसर में छात्राओं के लिए एक व्यायामशाला, वाचनालय और आगंतुक क्षेत्र उपलब्ध हैं। छात्राओं के आराम और मनोरंजन के लिए एक बड़े एलसीडी टीवी वाला एक कॉमन रूम भी उपलब्ध है। परिसर 24 घंटे सीसीटीवी की निगरानी में रहता है। हॉस्टल वार्डन, जो हॉस्टल परिसर में ही रहती हैं, छात्राओं की देखभाल करती हैं और उन्हें घर जैसा महसूस कराती हैं। अंतर्राष्ट्रीय छात्राओं के लिए गर्ल्स हॉस्टल में एक नया विंग चालू है, जिसमें 6 विदेशी छात्राओं के रहने की व्यवस्था है। इसमें तीन पूर्णतः वातानुकूलित कमरे हैं जिनमें संलग्न बाथरूम हैं। इसमें एक सामान्य पेंट्री और व्यायामशाला भी है।

11.1.13. खेल विभाग

खेल विभाग तेज़ी से पसंदीदा संस्थानों में से एक बनता जा रहा है, जहाँ इनडोर और आउटडोर दोनों तरह के खेलों में भागीदारी के लिए पर्याप्त सुविधाएँ और बुनियादी ढाँचा उपलब्ध है। टेबल टेनिस, कैरम बोर्ड और शतरंज खेलने के लिए एक विशेष कमरा बनाया गया है। कॉलेज परिसर में बैडमिंटन, लॉन टेनिस, वॉलीबॉल और बास्केटबॉल कोर्ट के साथ-साथ क्रिकेट और फ़ुटबॉल खेलने के लिए एक विशाल मैदान भी है। कॉलेज अपने छात्रों के लिए एक ओपन जिम की सुविधा भी प्रदान करता है जो उनकी दैनिक शारीरिक गतिविधि की ज़रूरतों को काफ़ी हद तक पूरा कर सकता है।

11.1.14. कैफेटेरिया

केशव महाविद्यालय की कैंटीन, अच्छे माहौल में किफ़ायती दामों पर बेहतरीन खाना उपलब्ध कराती है। यही वजह है कि कैफेटेरिया कॉलेज में सबसे ज़्यादा लोगों द्वारा देखा जाने वाला स्थान है। कैफेटेरिया वह जगह है जहाँ सभी संकायों के छात्र मिलते हैं और चाय/कॉफ़ी की चुस्कियों के साथ बातचीत करते हैं। इस वर्ष, कॉलेज को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार, ईट राइट कैंपस प्रमाणन के तहत पूर्ण अनुपालन 4-स्टार रेटिंग प्राप्त हुई है। कॉलेज परिसर में छात्रों और कॉलेज कर्मचारियों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए एक मदर डेयरी बूथ भी है।

11.1.15. उद्यान

कॉलेज में सुव्यवस्थित उद्यान हैं जो परिसर को एक भव्य हरा-भरा रूप प्रदान करते हैं। यहाँ एक हर्बल उद्यान और कलात्मक रूप के साथ पारिस्थितिक संतुलन के लिए पत्तेदार पौधे भी हैं। परिसर के चारों ओर खिले हुए फूलों से सजे आकर्षक लॉन एक मनोरम दृश्य प्रस्तुत करते हैं।

11.1.16. चिकित्सा कक्ष

कॉलेज में छात्रों और कर्मचारियों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए एक प्राथमिक चिकित्सा कक्ष भी है। इसके अलावा, किसी भी आपात स्थिति में चिकित्सा सेवाओं की आसान पहुँच के लिए कॉलेज के बगल में भगवान महावीर अस्पताल भी स्थित है।

11.2 छात्र विकास: प्रकोष्ठ और पहल

11.2.1. राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

कॉलेज में एक राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई है जिसका उद्देश्य राष्ट्र और उसके नागरिकों की हर संभव तरीके से सेवा करना है। इस लक्ष्य और "मैं नहीं, आप" के आदर्श वाक्य के साथ, 2024-25 सत्र में स्वच्छता जैसे विभिन्न कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित किया गया। पखवाड़ा , अंगदान संगोष्ठी, सीपीआर सत्र, वृक्षारोपण अभियान और स्वच्छता अभियान। इसके अतिरिक्त, सतर्कता जागरूकता सप्ताह, राष्ट्रीय एकता दिवस, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, मतदाता जागरूकता, महिलाओं के लिए आत्मरक्षा सत्र और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों का उद्देश्य विभिन्न सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और राष्ट्र निर्माण में योगदान देना था, साथ ही स्वयंसेवकों और छात्रों में सामुदायिक पहल करने की ज़िम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना था।

11.2.2. प्लेसमेंट सेल

हमारे कॉलेज का प्लेसमेंट सेल एक परिवर्तनकारी उत्प्रेरक है जो न केवल करियर के अवसरों को सुरक्षित करने के लिए, बल्कि प्रत्येक छात्र के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए भी समर्पित है। यह प्रभावशाली भर्ती अभियानों, पूर्व छात्रों की मज़बूत भागीदारी और उद्योग-सम्बन्धित प्रशिक्षण के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाता है। प्रत्येक पहल का उद्देश्य छात्रों की क्षमता को उजागर करना और उन्हें अपने चुने हुए क्षेत्रों में आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व करने के लिए तैयार करना है। इसका प्रभाव न केवल प्रभावशाली प्लेसमेंट रिकॉर्ड में, बल्कि छात्रों द्वारा अपने भविष्य को स्पष्टता, उद्देश्य और तैयारी के साथ अपनाने के तरीके में भी झलकता है।

सावधानीपूर्वक डिज़ाइन की गई पहलों के माध्यम से, हमारा उद्देश्य छात्रों को उनके भविष्य की दिशा तय करने में मार्गदर्शन प्रदान करना है। इनमें कार्यशालाओं, पूर्व छात्रों की वार्ताओं और विशेषज्ञ सत्रों की एक श्रृंखला शामिल है जो आलोचनात्मक सोच, प्रभावी संचार और रणनीतिक निर्णय लेने जैसी आवश्यक क्षमताओं के विकास पर केंद्रित हैं। आयोजित कुछ प्रमुख सत्रों में शामिल हैं:

- कॉलेज के वर्षों का अधिकतम लाभ कैसे उठाएँ
- कैंपस के बाहर प्लेसमेंट कैसे प्राप्त करें
- केस स्टडी और अनुमान लगाने में कैसे सफल हों

ये पहल छात्रों को दीर्घकालिक सफलता के लिए आवश्यक कौशल और दृष्टिकोण से लैस करने के लिए तैयार की गई हैं।

पाथवेज़ 2.0 जैसे प्रमुख कार्यक्रम छात्रों को परामर्श, डेटा विज्ञान, वित्त, विपणन, मनोविज्ञान, मानव संसाधन और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों के प्रेरक पूर्व छात्रों से जोड़ते हैं। ये संवाद महत्वाकांक्षाओं को जगाते हैं, वास्तविक दुनिया की अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं और करियर की संभावनाओं को मूर्त रूप देते हैं। इन प्रयासों के पूरक के रूप में, सरकारी परीक्षाओं, प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं और उच्च शिक्षा पर

विशेषज्ञों द्वारा संचालित सत्र छात्रों को अत्यंत आवश्यक स्पष्टता और दिशा प्रदान करते हैं, जिससे पारंपरिक प्लेसमेंट से परे संभावित करियर पथों की उनकी समझ का विस्तार होता है।

पिछले एक साल में, छात्रों को उद्योग के मानकों से कहीं बेहतर स्तर के अंतरराष्ट्रीय और घरेलू ऑफर मिले हैं, जिनमें 50 से ज़्यादा प्लेसमेंट शामिल हैं, जिनका कुल भुगतान करोड़ों रुपये का है। डीई शॉ, आरएसएम यूएस एलएलपी, ट्रूब्लू, प्रिफर्ड स्क्वायर और ऑक्सेन पार्टनर्स जैसे शीर्ष भर्तीकर्ता हमारे कैंपस को चुन रहे हैं। यह उल्लेखनीय सीज़न ₹5 लाख प्रति वर्ष के औसत पैकेज और ₹4.78 लाख प्रति वर्ष के औसत (मीन) पैकेज से और भी स्पष्ट होता है, जो हमारे छात्रों द्वारा प्राप्त अवसरों की निरंतर गुणवत्ता को दर्शाता है। डीई शॉ ने ₹24.75 लाख प्रति वर्ष के शीर्ष ऑफर के साथ एक नया मानक स्थापित किया है, जो हमारे छात्रों के लिए हमारे असाधारण अवसरों को दर्शाता है।.

11.2.3. अनुभव: मनोविज्ञान इंटर्नशिप सेल

28 अगस्त, 2018 को स्थापित, अनुभव की स्थापना अकादमिक शिक्षा और वास्तविक दुनिया में अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाटने के प्राथमिक उद्देश्य से की गई थी। यह केशव महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की एक छात्र-नेतृत्व वाली पहल है, जिसका उद्देश्य छात्रों को मनोविज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव और अनुभवात्मक शिक्षा प्राप्त करने में सहायता करना है।

अनुभव का उद्देश्य छात्रों को कक्षा के बाहर मनोविज्ञान के विविध उप-क्षेत्रों को जानने, समझने और उनसे जुड़ने के अवसर प्रदान करना है। इसका उद्देश्य छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना, उनके व्यावसायिक कौशल को निखारना और उन्हें मनोविज्ञान एवं संबद्ध विषयों में भविष्य की शैक्षणिक या करियर संबंधी गतिविधियों के लिए तैयार करना है।

यह प्रकोष्ठ छात्रों को पेशेवर इंटर्नशिप के लिए तैयार करने हेतु बायोडाटा लेखन, साक्षात्कार की तैयारी, फील्डवर्क में नैतिकता और कौशल संवर्धन पर नियमित सत्र, कार्यशालाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। यह अनुभव साझाकरण और चिंतन कार्यशाला भी आयोजित करता है।

अनुभव चिंतन सत्र और अनुभव-साझाकरण मंच का आयोजन करके साझा सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देता है, जहां छात्र इंटर्नशिप से प्राप्त सीख और चुनौतियों पर चर्चा करते हैं।

11.2.4. मीमांसा: अनुसंधान प्रकोष्ठ

"शोध एक औपचारिक जिज्ञासा है। यह एक उद्देश्यपूर्ण खोजबीन है।"

— ज़ोरा नील हर्स्टन

मीमांसा, अन्वेषण, आलोचनात्मक संलग्नता और शैक्षणिक उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। अपने नाम के अनुरूप—जो संस्कृत के "चिंतन" या "आलोचनात्मक अन्वेषण" शब्द से लिया गया है—मीमांसा, विद्वत्तापूर्ण जिज्ञासा और बौद्धिक अन्वेषण की भावना का प्रतीक है। यह छात्रों को कक्षा से परे देखने और मनोवैज्ञानिक शोध की गतिशील दुनिया में डूबने के लिए प्रोत्साहित करता है।

मीमांसा सिर्फ़ एक छात्र समूह नहीं है, बल्कि एक बढ़ता हुआ पारिस्थितिकी तंत्र है। यह कई तरह की पहलों के माध्यम से शोध-उन्मुख मानसिकता का पोषण करता है, जिनमें व्यावहारिक कार्यशालाएँ, इंटरैक्टिव पैनल चर्चाएँ, छात्र-नेतृत्व वाली शोध परियोजनाएँ, मेंटरशिप कार्यक्रम और सहकर्मी-समीक्षित प्रकाशन शामिल हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक शोध कौशल, दोनों से लैस करना है।

संकाय और बाहरी विशेषज्ञों के साथ अंतःविषय सहयोग को बढ़ावा देकर, यह प्रकोष्ठ छात्रों को विविध शैक्षणिक दृष्टिकोणों से मनोवैज्ञानिक घटनाओं से जुड़ने में सक्षम बनाता है। यह छात्रों को मौजूदा प्रतिमानों पर प्रश्न उठाने और मनोवैज्ञानिक विज्ञान के

विस्तारित परिदृश्य में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाता है। ये गतिविधियाँ छात्रों को स्वतंत्र, चिंतनशील और ज़िम्मेदार विद्वान बनने के लिए जगह बनाने के प्रकोष्ठ के निरंतर प्रयास को दर्शाती हैं।

11.2.5. द्वारिका: कॉलेज पत्रिका

कॉलेज की पत्रिका, द्वारिका, हर साल प्रकाशित होती है। यह उस अवधि के दौरान शिक्षकों और छात्रों की उपलब्धियों, उनके पुरस्कारों/सम्मानों/पुरस्कारों का विवरण प्रस्तुत करती है। साथ ही, इसमें कॉलेज के विभागों, समितियों और प्रकोष्ठों द्वारा आयोजित गतिविधियों, कार्यक्रमों और वेबिनारों का भी समावेश होता है। इसके अलावा, समिति कॉलेज के छात्रों द्वारा प्रस्तुत लेखों को संकलित करके उन्हें कॉलेज की वार्षिक पत्रिका, द्वारिका में संकलित करती है। छात्रों की सुविधा के लिए हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में ई-न्यूज़लेटर और पत्रिकाएँ प्रकाशित की जाती हैं।

11.2.6. महिला विकास प्रकोष्ठ

महिला विकास प्रकोष्ठ (डब्ल्यूडीसी) कॉलेज में लैंगिक-संवेदनशील और समावेशी माहौल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसका उद्देश्य लैंगिक समानता, अधिकारों और अवसरों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर महिलाओं को सशक्त बनाना है। डब्ल्यूडीसी महिला सुरक्षा, नेतृत्व, शिक्षा और व्यक्तिगत विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए विभिन्न कार्यक्रम, कार्यशालाएँ और सेमिनार आयोजित करता है। यह छात्राओं और कर्मचारियों के लिए लैंगिक मुद्दों पर अपनी चिंताएँ व्यक्त करने और रचनात्मक संवाद करने का एक मंच प्रदान करता है। अपनी पहलों के माध्यम से, डब्ल्यूडीसी एक सम्मानजनक, सहयोगी और समतापूर्ण माहौल बनाने का प्रयास करता है जहाँ हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी लिंग का हो, फल-फूल सके और समाज में सार्थक योगदान दे सके। महिला विकास प्रकोष्ठ ने 6 नवंबर, 2024 को "भारतीय सेना में महिलाएँ: करियर की दिशा और चुनौतियों पर विजय" विषय पर एक वक्ता सत्र का आयोजन किया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की उभरती भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता, कैप्टन डॉ. सुनैना सिंह ने लैंगिक समावेशन के संदर्भ में की गई महत्वपूर्ण प्रगति और पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान इस क्षेत्र में सफलता के लिए आवश्यक लचीलेपन पर प्रकाश डाला। महिला विकास प्रकोष्ठ ने 25 अप्रैल, 2025 को "यौन उत्पीड़न के प्रति शून्य सहिष्णुता, महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता" विषयों पर एक अंग्रेजी/हिंदी कविता प्रतियोगिता "बाधाओं को तोड़ना" का आयोजन किया।

11.2.7. समान अवसर प्रकोष्ठ

कॉलेज दिव्यांगजनों या अल्पसंख्यक दर्जे के लोगों की समस्याओं के प्रति बेहद संवेदनशील है, जो पर्यावरणीय, आर्थिक और सांस्कृतिक बाधाओं से उत्पन्न होती हैं। एससी, एसटी, ओबीसी और बेंचमार्क दिव्यांगता (पीडब्ल्यूबीडी) से संबंधित इन और अन्य ज़रूरी मुद्दों के समाधान के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 27 जून, 2006 को समान अवसर प्रकोष्ठ की स्थापना की गई थी और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में दिव्यांगजनों के लिए एक बाधा-मुक्त, न्यायसंगत और सुलभ स्थान सुनिश्चित करने हेतु एक नीति मसौदा जारी किया गया था। हमारे कॉलेज ने दृष्टि, श्रवण, अस्थि या अन्य प्रकार की विकलांगताओं के बावजूद दिव्यांग शैक्षणिक समुदाय के लिए समग्र बुनियादी ढाँचे और सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में सुधार के लिए हर संभव प्रयास किए हैं।

11.2.8. प्रकृति: पर्यावरण क्लब

'प्रकृति - इसे बढ़ने दो' केशव महाविद्यालय के पर्यावरण क्लब का आदर्श वाक्य है। क्लब ने हमेशा हरित संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कड़ी मेहनत की है - जो केशव महाविद्यालय की आधारशिला है। क्लब की गतिविधियाँ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरीकों से छात्रों की मानसिकता को पर्यावरण की सराहना और सम्मान करने के लिए प्रेरित करने का प्रयास करती हैं। पर्यावरण के

महत्व को एक समग्र इकाई के रूप में स्वीकार करते हुए, जिसका केवल उपयोग ही नहीं, बल्कि सम्मान किया जाना चाहिए, क्लब की गतिविधियों में वृक्षारोपण, अपशिष्ट पुनर्चक्रण और वायु/जल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाना शामिल है। यह "तत्त्वम् असि" (वह तुम हो) मुहावरे को दोहराता है, अर्थात मनुष्य अपने पर्यावरण का एक घटक है। इसी दृष्टिकोण से, एक हर्बल गार्डन का रखरखाव किया जा रहा है। इससे छात्रों को स्थायी और पर्यावरण के प्रति ज़िम्मेदार तरीके से जड़ी-बूटियों की खेती के लाभों के बारे में जानने में मदद मिलती है। पर्यावरण क्लब ने इस बहुउपयोगी गार्डन को केवल उगाए गए हर्बल पौधों के समूह से कहीं अधिक बनाने की योजना बनाई है। बल्कि यह एक खुला और स्वागत योग्य स्थान होगा जो छात्रों को न केवल जड़ी-बूटियों के बीज बोने के लिए बल्कि एकजुटता और रचनात्मकता के बीज बोने के लिए भी प्रोत्साहित करेगा। इसके अलावा, क्लब की योजना इस जगह को विविध प्रजातियों की संरचनाओं के साथ अविश्वसनीय रूप से बहुमुखी बनाने की है। कॉलेज के बगीचों में जैविक खाद के उद्देश्य को पूरा करने वाले कम्पोस्ट पिट हैं। इसके अलावा, पर्यावरण-अनुकूल उपायों के तहत, रसोई और बगीचे के कचरे से बनी प्राकृतिक खाद का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कॉलेज परिसर में एक कम्पोस्ट मशीन भी लगाई गई है। साथ ही, जन अभियान के दौरान वृक्षारोपण गतिविधि सुनिश्चित करने के लिए उद्यान समिति द्वारा पौधों का निःशुल्क वितरण भी किया जाता है।

11.2.9. इनेक्टस: उद्यमिता प्रकोष्ठ

एनेक्टस एक वैश्विक संगठन है जो छात्रों, शिक्षकों और व्यावसायिक नेताओं को उद्यमशीलता के माध्यम से सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभाव पैदा करने के लिए एक साथ लाता है। 33 देशों में अपनी उपस्थिति, 1,700 से ज़्यादा विश्वविद्यालयों और 72,000 से ज़्यादा छात्रों के साथ, एनेक्टस युवा परिवर्तनकर्ताओं को दुनिया की सबसे गंभीर समस्याओं के लिए स्थायी और अभिनव समाधान तैयार करने हेतु सशक्त बनाता है। एनेक्टस केशव महाविद्यालय (केएमवी) में, उद्यमशीलता को प्रभाव के साथ जोड़कर इस मिशन को आगे बढ़ाया जाता है। यह माना जाता है कि व्यवसायों को सामाजिक भलाई के लिए शक्तिशाली उपकरण होना चाहिए—परिवर्तन लाना, समुदायों का समर्थन करना और आर्थिक विकास के साथ-साथ स्थिरता को बढ़ावा देना।

उद्देश्य, मिशन और परियोजनाएँ: एनेक्टस केएमवी उद्यमशीलता संबंधी नवाचारों के माध्यम से सामाजिक मुद्दों को सुलझाने का प्रयास करता है। यह मिशन स्थिरता, कौशल विकास, अपशिष्ट न्यूनीकरण और सामुदायिक सशक्तिकरण पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य नवोन्मेषी, पर्यावरण-अनुकूल विचारों को ऐसे व्यापक समाधानों में बदलना है जो प्रभाव और आत्मनिर्भरता दोनों को बढ़ावा दें। प्रमुख परियोजनाओं में से एक है प्रोजेक्ट पहल, जो वंचित महिलाओं को टोट बैग और क्रोशिया उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण देती है, जिससे आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा मिलता है। प्रोजेक्ट चक्र एक शून्य-अपशिष्ट पहल है जो नारियल के खोल जैसे कचरे को पर्यावरण-अनुकूल दस्तकारी वस्तुओं में परिवर्तित करती है, जिससे पर्यावरणीय क्षति कम होती है और कारीगरों को सहायता मिलती है। प्रोजेक्ट सहायता मिट्टी के बर्तन, कठपुतली और लोक नृत्य जैसे पारंपरिक भारतीय शिल्पों को संरक्षित करती है , जिससे कारीगरों को आय प्राप्त होती है और साथ ही लोगों को सांस्कृतिक विरासत के बारे में शिक्षित किया जाता है।

एनैक्टोविजन 2.0 और सहयोग: इस वर्ष, पहचान एनजीओ के सहयोग से 100 से अधिक वंचित बच्चों के लिए रचनात्मक शिक्षण सत्र आयोजित किए गए। इस परियोजना के तहत, दिल्ली भर के स्थानीय कारीगरों के साथ मिलकर काम किया गया है ताकि उन्हें उचित रोजगार के अवसर प्रदान किए जा सकें और टिकाऊ, नैतिक उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सके। जनता पर प्रभाव डालने

के लिए, एनैक्टस केएमवी नियमित रूप से कॉलेज उत्सवों और एरोसिटी और साकेत जैसे लोकप्रिय स्थानों पर स्टॉल लगाता है। इसका वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम, एनैक्टोविजन 2.0, उद्यमशीलता, नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी का उत्सव था। इस संस्करण में एक बिजनेस प्लान प्रतियोगिता, एक केस स्टडी प्रतियोगिता और इसकी पहली वार्षिक पत्रिका, सोच का शुभारंभ हुआ। इसमें लेंडिंग हैंड्स फाउंडेशन के संस्थापक श्री अभिषेक सैनी और डायबेक्सी के संस्थापक और निदेशक डॉ. लोकेंद्र तोमर के प्रेरक व्याख्यान भी शामिल थे।

11.2.10. निवेश: वित्त और निवेश प्रकोष्ठ

निवेश - केशव महाविद्यालय का वित्त एवं निवेश प्रकोष्ठ, वित्तीय साक्षरता और आर्थिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक छात्र-संचालित पहल है। "एक विवेकपूर्ण कल के लिए आज ही निवेश करें" के आदर्श वाक्य से प्रेरित होकर, यह प्रकोष्ठ उद्देश्यपूर्ण शिक्षा और समग्र विकास का वातावरण तैयार करता है। यह प्रकोष्ठ नियमित रूप से वित्तीय संकट, पोर्टफोलियो प्रबंधन और वैकल्पिक निवेश सहित वित्त से संबंधित विविध विषयों पर बौद्धिक रूप से प्रेरक समूह चर्चाओं का आयोजन करता है। सदस्य उद्योग विशेषज्ञों के साथ बातचीत और पेपर ट्रेडिंग तथा इक्विटी अनुसंधान रिपोर्ट तैयार करने जैसी आंतरिक पहलों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं।

निवेश का प्रमुख कार्यक्रम, अर्थव्यवस्थ'25, इस वर्ष 5 मार्च, 2025 को आयोजित किया गया। इसका विषय था "भविष्य का वित्तपोषण: पूँजी और रणनीतिक तालमेल से व्यवसायों का रूपांतरण"। इसमें साहिल कुकरेजा और शिवांशु बिड़ला जैसे प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के प्रभावशाली वक्ता सत्र शामिल थे, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों से बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। इस कार्यक्रम में दो इंटरैक्टिव खंड भी शामिल थे—वेंचर वर्स, जो वेंचर कैपिटल-प्राइवेट इक्विटी उद्योग का एक अनुकरण था, और क्रिप्टो वॉल्ट, जो क्रिप्टो ट्रेडिंग रणनीतियों पर केंद्रित एक प्रतिस्पर्धी चुनौती थी।

11.2.11. पूर्व छात्र संघ

किसी भी संस्थान के विकास के लिए पूर्व छात्रों के साथ एक मज़बूत रिश्ता बेहद ज़रूरी है। केशव महाविद्यालय को अपने पूर्व छात्रों पर गर्व है जिन्होंने जीवन के हर क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल की है। हालाँकि सभी कर्मचारी हमारे पूर्व छात्रों के साथ अच्छे संबंध रखते हैं, फिर भी कॉलेज ने एक पूर्व छात्र संघ बनाने और कॉलेज में पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित करने का प्रयास किया है। इस मिलन समारोह के दौरान, पूर्व छात्र अपने कॉलेज के दिनों की यादें और अनुभव साझा करते हैं, पूर्व साथियों और शिक्षकों के साथ अपने सौहार्द का जश्न मनाते हैं। इसके अतिरिक्त, कई पूर्व छात्र वर्तमान छात्रों को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करते हैं, जिससे यह आयोजन और भी समृद्ध हो जाता है।

11.2.12. केशव महाविद्यालय छात्र संघ (केएमविएसयु)

शैक्षणिक वर्ष 2018-19 में, केशव महाविद्यालय में केशव महाविद्यालय छात्र संघ (केएमविएसयु) की स्थापना हुई, जो दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) से संबद्ध है। केएमविएसयु परिषद के सदस्यों का चुनाव डूसू द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार लोकतांत्रिक तरीके से होता है। छात्र संघ, छात्र समुदाय की आवाज़ के रूप में कार्य करता है और एक जीवंत महाविद्यालय वातावरण बनाने के लिए प्राचार्या, संकाय और छात्रों के साथ मिलकर काम करता है। यह कार्यक्रमों के आयोजन और संकाय सदस्यों, प्रशासनिक कर्मचारियों और छात्रों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अतिरिक्त, संघ पूरे वर्ष महाविद्यालय में विभिन्न पाठ्येतर और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों के आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल रहता है।

11.2.13. पूर्वोत्तर छात्र प्रकोष्ठ

एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के तहत, कॉलेज के उत्तर-पूर्वी छात्र प्रकोष्ठ ने भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किए, जो जैव विविधता के केंद्र के रूप में प्रसिद्ध है और जहाँ विविध प्रकार की स्थानिक वनस्पतियाँ और जीव-जंतु पाए जाते हैं। एक उल्लेखनीय कार्यक्रम विश्व आर्द्रभूमि दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित "आर्द्रभूमि, जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन: हमें इसकी परवाह क्यों करनी चाहिए?" विषय पर एक संवादात्मक वार्ता थी।

11.2.14. कॉन्सुलेंज़ा: परामर्श और प्रशिक्षण प्रकोष्ठ

केशव महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग का परामर्श एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ छात्रों के शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देते हुए परामर्श सेवाएँ प्रदान करने के लिए समर्पित है। यह प्रकोष्ठ अनुभवात्मक शिक्षण और कौशल संवर्धन हेतु नियमित रूप से कार्यक्रम और कार्यशालाएँ आयोजित करता है। प्रकोष्ठ ने 9 से 11 अक्टूबर, 2024 तक तीन दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम ' साइकेयर ' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक सकारात्मकता और लैंगिक पहचान पर शैक्षिक सत्रों के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने में मदद करने के लिए मनोरंजक गतिविधियाँ भी शामिल थीं। प्रकोष्ठ ने मनोविज्ञान इंटर्नशिप प्रकोष्ठ- अनुभव के सहयोग से 23 अक्टूबर, 2024 को 'मनोविज्ञान में बड़ी कमाई' कार्यक्रम का भी आयोजन किया, ताकि छात्रों को मनोविज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न करियर के बारे में जानकारी मिल सके। इसके अलावा, अभिव्यंजक कला चिकित्सा के उपयोग को समझने के लिए 25 फरवरी, 2024 को 'कलेक्टिव कैनवस' नामक एक सत्र आयोजित किया गया था, और यह कैसे व्यक्तियों को गैर-मौखिक और कल्पनाशील साधनों के माध्यम से अपने आंतरिक अनुभवों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करता है, आत्म-जागरूकता, लचीलापन और व्यक्तिगत अंतर्दृष्टि को बढ़ावा देता है ।

11.2.15. इंटर्नशिप सेल

केशव महाविद्यालय का इंटर्नशिप सेल छात्रों को विविध क्षेत्रों में उद्योग के अवसरों से जोड़ने वाले एक मंच के रूप में कार्य करता है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में, इस सेल ने 268 से अधिक छात्रों को पंजीकृत किया और आंतरिक पहलों के माध्यम से 100 से अधिक छात्रों के लिए सशुल्क इंटर्नशिप की सफलतापूर्वक सुविधा प्रदान की। ये इंटर्नशिप वित्त, विपणन, अनुसंधान, मीडिया और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में फैली हुई हैं, जो छात्रों को उद्योग संबंधी मूल्यवान जानकारी और कौशल विकास प्रदान करती हैं।

11.2.16. जेंडर चैंपियन सेल

केशव महाविद्यालय का जेंडर चैंपियन परिसर में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में, इस मिशन के समर्थन में दो प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए गए। 17 फ़रवरी, 2025 को, छात्रों को अपने दैनिक जीवन में लैंगिक समानता को सक्रिय रूप से बनाए रखने और उसकी वकालत करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु एक शपथ समारोह आयोजित किया गया। इसके बाद, 17 मार्च, 2025 को दृश्य कला के माध्यम से लैंगिक समानता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई।

11.3 सांस्कृतिक समाज

केशव महाविद्यालय में, छात्रों को विभिन्न आंतरिक सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ अंतर-महाविद्यालय और अंतर-विश्वविद्यालय गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से अपने नेतृत्व और प्रबंधकीय कौशल को निखारने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति, विभिन्न सांस्कृतिक समितियों के छात्रों के साथ मिलकर, वर्ष भर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सक्रिय रूप से आयोजन करती है।

11.3.1. अद्वैत: पश्चिमी नृत्य सोसायटी

अद्वैत की स्थापना वर्ष 2012-2013 में हुई थी। इस संस्था का उद्देश्य छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

11.3.2. नृत्यांग: भारतीय नृत्य समिति

नृत्यांग, केशव महाविद्यालय की उभरती सांस्कृतिक समितियों में से एक है। इस समिति का उद्देश्य छात्रों और उभरते कलाकारों को भारतीय जड़ों से जुड़े रहकर और भारतीय नृत्य में शामिल होकर, एक बेहतरीन शिक्षण अनुभव और मंच प्रदान करना है। चाहे वह लोक नृत्य हो या शास्त्रीय नृत्य।

11.3.3. शेड्स: थिएटर सोसाइटी

कॉलेज में शेड्स नाम की एक थिएटर सोसाइटी है जो न केवल अभिनेताओं को, बल्कि लेखकों, निर्देशकों और कई अन्य लोगों को भी अपनी प्रतिभा को निखारने का मौका देती है। यह सोसाइटी हर साल सामाजिक मुद्दों को सड़क पर उठाती है और थिएटर प्रेमियों के लिए एक घर के रूप में काम करती है। शेड्स टीम ने कॉलेज को कई सम्मान दिलाए हैं।

11.3.4. अनहद: संगीत सोसायटी

केशव महाविद्यालय की जीवंत संगीत संस्था, अनहद, सांस्कृतिक विविधता और कलात्मक अभिव्यक्ति की लय से स्पंदित है। तीन विशिष्ट किन्तु सामंजस्यपूर्ण भागों से मिलकर बनी हमारी संस्था संगीतमय एकता का सार प्रस्तुत करती है। भारतीय गायन मंडली समृद्ध धुनों और पारंपरिक लय से गूंजती है जो हमारी विरासत के गलियारों में गूंजती हैं। इस बीच, पश्चिमी अ कैपेला समकालीन प्रतिभा और स्वर की सूक्ष्मता को सामने लाता है जो अपनी भावपूर्ण लय से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देती है। अंत में, हमारा बैंड वर्ग अपनी अपरिमित ऊर्जा और वाद्य कौशल से मंच को रोमांचित करता है, और ऐसी धुनें बुनता है जो सीमाओं से परे हैं। साथ मिलकर, हम प्रतिभा, जुनून और रचनात्मकता का एक ऐसा संगम बनाते हैं जो हमारे महाविद्यालय समुदाय और उससे आगे के संगीत परिदृश्य को समृद्ध बनाता है।

11.3.5. वाग्मिता: देबसोक

कॉलेज की वाद-विवाद समिति, वाग्मिता देबसोक, केवल वाक्पटुता ही नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति और गहन चिंतन का भी एक मंच है। व्यक्ति और समाज, दोनों के विकास के लिए समर्पित, वाग्मिता डेब्सोक पारंपरिक बहसों और गैर-पारंपरिक बहसों, जैसे कि दलबदलू और संसदीय बहसों, में उत्कृष्ट है। अपने नाम, जिसका अर्थ है 'वाक्पटुता', को मूर्त रूप देने के लिए स्थापित, यह संस्था अपने सदस्यों को महत्वपूर्ण मुद्दों पर खुलकर बोलने के लिए प्रोत्साहित करती है। हम मानदंडों को चुनौती देते हैं, जिज्ञासा को बढ़ावा देते हैं, और अवधारणाओं को रचनात्मक रूप से पुनर्परिभाषित करते हैं। अपेक्षाकृत नया होने के बावजूद, वाग्मिटा डेब्सोक ने वाद-विवाद समुदाय में अपने समर्पण और अनेक उपलब्धियों के कारण महत्वपूर्ण मान्यता अर्जित की है, जिसमें एजुकेशन ट्री से 'सर्वश्रेष्ठ सोसायटी' पुरस्कार भी शामिल है।

11.3.6. वाग्मिता: कविता समाज

वाग्मिता कॉलेज की कविता समिति है जो वाक्पटुता और अभिव्यक्ति की कला को समर्पित है। यह एक जीवंत समुदाय की कल्पना करती है जहाँ विविध भाषाई और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के छात्र कविता का उत्सव मनाने के लिए एकत्रित होते हैं। यह समिति कविता के माध्यम से रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देती है, छात्रों को अपनी रचनाएँ साझा करने, प्रतिक्रिया प्राप्त करने और सार्थक चर्चाओं में भाग लेने के लिए एक सहायक मंच प्रदान करती है। वाग्मिता विभिन्न कविता कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन करती है, जिनमें कॉलेज के वार्षिक उत्सव "ट्रिस्ट" और वार्षिक ओपन-माइक कार्यक्रम "जश्न -ए-अदीब" के दौरान प्रतियोगिताएँ शामिल हैं, जो हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू कविता के लिए एक समावेशी वातावरण को बढ़ावा देती हैं।

11.3.7. मनिएरा: द आर्ट सोसाइटी

मनिएरा, जिसका व्युत्पन्न इतालवी शब्द "ढंग" या "शैली" से है, रचनात्मकता, अभिव्यक्ति और कला के प्रति प्रशंसा को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हमारा लक्ष्य एक जीवंत केंद्र बनना है जहाँ छात्र चित्रकला, मिट्टी की कला, चित्रकारी और शिल्प सहित विभिन्न कलात्मक रूपों का अन्वेषण कर सकें। हमारे उद्देश्यों में कार्यशालाओं और सहयोगी परियोजनाओं के माध्यम से प्रतिभाओं का विकास, प्रदर्शनियों और संवादात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना, और रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और आत्म-अभिव्यक्ति पर ज़ोर देकर व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देना शामिल है। मनिएरा

एक समाज से कहीं बढ़कर है; यह कलाकारों का एक समुदाय है जो कला के प्रति जुनून और रचनात्मकता को अपनाकर, संवाद को बढ़ावा देकर और विविधता का जश्न मनाकर सकारात्मक प्रभाव डालने की प्रतिबद्धता से एकजुट है।

11.3.8. इलुमिनाती: फोटोग्राफी सोसाइटी

केशव महाविद्यालय की फ़ोटोग्राफ़ी सोसाइटी ने अगस्त 2014 में अपनी यात्रा शुरू की। युवा फ़ोटोग्राफ़ी प्रेमियों के एक छोटे समूह के रूप में शुरू हुई यह सोसाइटी आज परिसर की सबसे गतिशील और सक्रिय सोसाइटीज़ में से एक बन गई है। केशव महाविद्यालय की गतिशील भावना को संजोने के लिए प्रतिबद्ध, यह सोसाइटी कॉलेज जीवन को आकार देने वाले यादगार पलों और घटनाओं को निरंतर दर्ज करने का प्रयास करती है।

11.3.9. नक्ष: भारतीय परिधान एवं संस्कृति का समाज

नक्श ने सफल फ़ैशन शो, आकर्षक प्रस्तुतियों और अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं में भागीदारी के माध्यम से उत्कृष्टता हासिल की है। यह चैरिटी कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देता है, स्थिरता और समावेशिता की वकालत करता है। कुल मिलाकर, फ़ैशन सोसाइटी व्यक्तिगत विकास, कौशल विकास और फ़ैशन की जीवंत दुनिया में सार्थक जुड़ाव के अवसर प्रदान करके कॉलेज के अनुभव को समृद्ध बनाती है।

11.4 वार्षिक सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ

11.4.1. अभिमुखीकरण दिवस

केशव परिवार में नए छात्रों का स्वागत करने के लिए शैक्षणिक सत्र के पहले दिन एक ओरिएंटेशन दिवस का आयोजन किया जाता है। स्कूल के बंद और परिचित माहौल से आने के बाद कॉलेज में प्रवेश करना छात्रों में काफी चिंता पैदा कर सकता है। इसलिए, नए छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम उन्हें उनके नए परिवेश से परिचित कराने और मार्गदर्शन करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, साथ ही शिक्षकों को अपने परिवार के नए सदस्यों से मिलने का अवसर भी प्रदान करते हैं।

11.4.2. नए छात्रों का स्वागत

नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत नए प्रथम वर्ष के छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए होती है। फ्रेशर्स पार्टी का उद्देश्य एक दोस्ताना माहौल बनाना है जहाँ नए छात्र घर जैसा महसूस करें और अपने वरिष्ठों के साथ बातचीत कर सकें, उनकी रचनात्मक प्रवृत्ति को प्रोत्साहित कर सकें और उनका आत्मविश्वास बढ़ा सकें।

11.4.3. सांस्कृतिक समिति की गतिविधियाँ

केशव महाविद्यालय में शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 कला और संस्कृति के जीवंत उत्सव द्वारा चिह्नित किया गया था, जिसमें सांस्कृतिक समिति ने शानदार कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया, जिसमें भारत की समृद्ध कलात्मक विरासत का सम्मान करते हुए हमारे छात्र समुदाय के भीतर अविश्वसनीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया।

वर्ष की शुरुआत 13 फरवरी, 2025 को स्पिक मैके के तत्वावधान में महान पं. नित्यानंद हल्दीपुर जी के बांसुरी वादन के साथ एक मधुर स्वर में हुई। कॉलेज के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम ने श्रोताओं को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की अद्भुत दुनिया में पहुँचा दिया। तबले पर पं. विनोद लेले जी की लयबद्ध प्रतिभा और तानपुरा पर श्री अमित कुमार की सुरीली प्रतिध्वनि के साथ, पं. हल्दीपुर जी ने झपताल में राग वृंदावनी सारंग , एक गतिशील तीनताल रचना और दादरा ताल में एक भावपूर्ण धुन की अपनी प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया । इस प्रदर्शन ने छात्रों और शिक्षकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, और कई लोगों ने इसे एक परिवर्तनकारी अनुभव बताया जिसने भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रति उनकी प्रशंसा को और गहरा कर दिया।

इस सांस्कृतिक गति को आगे बढ़ाते हुए, कॉलेज ने 21 फरवरी, 2025 को बहुप्रतीक्षित फ्रेशर्स समारोह 2024-2025 का आयोजन किया, जो सांस्कृतिक समिति और केएमवी छात्र संघ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक शानदार कार्यक्रम था। समारोह की शुरुआत पारंपरिक अनुष्ठानों—दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना, डीयू कुलगीत और एक सुंदर नृत्यांग वंदना—से हुई, जिसके बाद प्रिंसिपल प्रो. मधु प्रूथी ने स्वागत भाषण दिया। इसके बाद मुख्य आकर्षण मिस्टर एंड मिस फ्रेशर्स प्रतियोगिता रही, जिसमें प्रथम वर्ष के छात्रों ने रैंप वॉक, कविता, गायन, स्टैंड-अप कॉमेडी और मनमोहक नृत्य प्रदर्शन के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन एम्फीथिएटर में एक जोशीले डीजे संध्या के साथ हुआ, जहाँ छात्रों ने देर शाम तक नृत्य और जश्न मनाया। सुश्री और मिस्टर फ्रेशर के प्रतिष्ठित खिताब क्रमशः सुश्री मधुमाला कुमारी (बीएससी (प्रोग) गणितीय विज्ञान प्रथम वर्ष) और श्री काव्या बंसल (बीएससी (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान प्रथम वर्ष) को प्रदान किए गए। सुश्री अदिति मुखर्जी (बीए (ऑनर्स) मनोविज्ञान प्रथम वर्ष) और श्री अंकित (बी.कॉम. ऑनर्स) ने उपविजेता स्थान प्राप्त किया।

21-22 अप्रैल, 2025 को आयोजित कॉलेज के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव, ट्रिस्ट'25 के साथ सांस्कृतिक उत्साह अपने चरम पर पहुँच गया, जिसने परिसर को रचनात्मकता, प्रदर्शन और बौद्धिक आदान-प्रदान के एक जीवंत केंद्र में बदल दिया। इस दो दिवसीय भव्य आयोजन में विभिन्न समाजों द्वारा आयोजित विविध कार्यक्रमों की एक श्रृंखला शामिल थी, जिनमें से प्रत्येक ने अपनी अमिट छाप छोड़ी। शेड्स सोसाइटी ने बैठक के साथ माहौल तैयार किया, जो एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता थी जिसमें ज्वलंत सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की गई थी, और उसके बाद एक मनमोहक माइम प्ले का आयोजन किया गया जिसमें कलाकारों ने बिना शब्दों के गहन आख्यान प्रस्तुत किए। इल्लुमिनाती के छवि'25 ने रेट्रोसिया की इंटरैक्टिव प्रदर्शनी, स्पेक्ट्रोग्राम की ऑन-द-स्पॉट फोटोग्राफी चुनौती, लेंसफेस्ट की रील-मेकिंग प्रतियोगिता और पिक्सेल की ऑनलाइन फोटोस्टोरी प्रतियोगिता के साथ फोटोग्राफी प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नृत्य ने नृत्यांग के मृदंग'25 के साथ केंद्र स्तर पर कब्जा कर लिया , जहां एकल कलाकारों ने लुभावनी भरतनाट्यम, ओडिसी और कथक प्रदर्शन किए, जबकि उत्थान'25 ने भारतीय लोक नृत्यों की जीवंत ऊर्जा को जीवंत कर दिया। अद्वैता के इनायत'25 ने एक पश्चिमी समूह नृत्य प्रतियोगिता के साथ भीड़ को रोमांचित कर दिया, जिसमें एफसी क्रू, केवल जरयाल और एसके सर्फर के जबड़े छोड़ देने वाले प्रदर्शन शामिल थे। संगीत प्रेमियों को अनहद सोसाइटी के ख्याल'25 का आनंद मिला, जो शास्त्रीय और अर्ध-शास्त्रीय सामंजस्य से भरी एक भारतीय गायन प्रतियोगिता थी, जबकि स्लेकैपेला'25 ने बीटबॉक्सिंग और गायन की परतों के साथ पश्चिमी अकैपेला की बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। नक्ष के एनवोग ने फैशन को कहानी कहने के एक माध्यम के रूप में पुनर्परिभाषित किया इस बीच, मनिएरा के आर्टरंग ने कला मिश्रण , कला संगिनी और रंगमंच कला प्रतियोगिताओं के साथ-साथ एक कला प्रदर्शनी प्रतियोगिता की शुरुआत करके परिसर को एक जीवंत कैनवास में बदल दिया । वाग्मिता के ' खंडन' नामक हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता के माध्यम से बौद्धिक उत्साह का संचार हुआ, जहाँ प्रतिभागियों ने "यह सदन आपराधिक मामलों में न्यायाधीशों की बजाय जूरी प्रणाली को प्राथमिकता देता है" जैसे प्रस्तावों पर जोश से बहस की, जिसके बाद समसामयिक मुद्दों पर

एक तेज़-तर्रार सहज दौर चला। उत्सव के एक प्रमुख आकर्षण के रूप में, कॉलेज ने प्रसिद्ध कलाकार अमनराज गिल को एक शानदार प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया, जिसने भारी भीड़ को आकर्षित किया और सभी उपस्थित लोगों के लिए एक अविस्मरणीय संगीतमय अनुभव प्रदान किया।

जैसे-जैसे ट्रिस्ट'25 का समापन निकट आ रहा था, परिसर अविस्मरणीय प्रदर्शनों, विचारोत्तेजक चर्चाओं और रचनात्मक सहयोग की ऊर्जा से गुलज़ार हो गया। इस कार्यक्रम ने न केवल छात्र प्रतिभा का सम्मान किया, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक परिवेश को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज की प्रतिबद्धता को भी पुष्ट किया।

11.4.4. स्पिक-मैके

स्पिक-मैके, भारत के शास्त्रीय संगीत और संस्कृति के संरक्षण के लिए समर्पित एक संस्था, इस विरासत को भावी पीढ़ियों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। केशव महाविद्यालय को इस प्रतिष्ठित संस्था के साथ अपने जुड़ाव पर गर्व है, जो प्रतिवर्ष प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा शास्त्रीय संगीत और नृत्य प्रस्तुतियों का आयोजन करती है।

11.4.5. वार्षिक दिवस

हमारे कॉलेज के वार्षिकोत्सव के दौरान, जो एक प्रिय परंपरा है, हम, केशव परिवार, अपने छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धियों का सम्मान और उत्सव मनाने के लिए एकत्रित होते हैं। इस समारोह में विश्वविद्यालय परीक्षाओं में कॉलेज के सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया जाता है और विभिन्न सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में स्थान प्राप्त करने वालों के योगदान को मान्यता दी जाती है।

11.4.6. खेल दिवस

हर साल, हमारा कॉलेज एक जीवंत खेल दिवस का आयोजन करता है, जिसमें छात्र, शिक्षक और गैर-शिक्षण संकाय विभिन्न खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। हमारे छात्र राष्ट्रीय, राज्य और अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं जैसे निशानेबाजी, बॉल बैडमिंटन, कोर्फबॉल, तैराकी, टेबल टेनिस, बास्केटबॉल, नेटबॉल, एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल और कबड्डी में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और विभिन्न प्रतिस्पर्धी मंचों पर अपने कौशल और खेल कौशल का प्रदर्शन करते हैं।

11.4.7. अलविदा

जैसे-जैसे स्नातक स्तर की यात्रा अपने अंतिम पड़ाव पर पहुँचती है, जूनियर छात्र एक भावभीनी विदाई समारोह के साथ स्नातक छात्रों को विदाई देते हैं। यह एक मार्मिक विदाई समारोह होता है, जिसमें हमारे विदा हो रहे छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की जाती है। हमारा कॉलेज एक प्रतीकात्मक कृतज्ञता के साथ अपना स्नेह और शुभकामनाएँ व्यक्त करता है। कॉलेज के भीतर सांस्कृतिक समितियाँ अपने वरिष्ठों को भावभीनी विदाई देने के लिए प्रदर्शन आयोजित करती हैं, जिससे सौहार्द और साझा अनुभवों की यादें ताज़ा होती हैं।

11.5 विभागीय सोसायटी

11.5.1. ब्लिट्ज़: कंप्यूटर विज्ञान सोसायटी

कंप्यूटर विज्ञान विभाग की कंप्यूटर विज्ञान सोसाइटी, ब्लिट्ज़ (ब्रिलियंट इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ज़ीलॉट्स), सेमिनार, कार्यशालाएँ, कोडिंग प्रतियोगिताएँ, शोध-आधारित परियोजनाएँ और प्रतिस्पर्धी तकनीकी कार्यक्रमों जैसी विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। इसके अलावा, हम अपने कई प्रतिभाशाली पूर्व छात्रों को अपने कनिष्ठ छात्रों से जुड़ने और उनकी शैक्षणिक और व्यावसायिक यात्रा में उनका मार्गदर्शन करने के लिए आमंत्रित करते हैं। इस वर्ष भी, सोसाइटी ने कई प्रभावशाली कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें कोड स्प्रिंट, एक प्रतिस्पर्धी कोडिंग कार्यक्रम जो तर्क और समस्या-समाधान कौशल का परीक्षण करता है; "तकनीकी परिदृश्यों का परिवर्तन: वैश्विक और भारतीय परिप्रेक्ष्य" पर एक सेमिनार, जहाँ हमारी पूर्व छात्रा और उद्योग विशेषज्ञ सुश्री निधि कथूरिया ने उभरते तकनीकी प्रतिमानों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया और वैश्विक और भारतीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्रों का विश्लेषण किया।

वार्षिक कंप्यूटर महोत्सव, ब्लिट्जक्रेग, उन सभी गतिविधियों में अग्रणी है जो आईटी उद्योग, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में नवीनतम गतिविधियों से खुद को अपडेट करने के इच्छुक छात्रों को एक तकनीकी मंच प्रदान करता है। 2 अप्रैल, 2025 को आयोजित ब्लिट्जक्रेग'25 में तकनीकी और गैर-तकनीकी कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी और पूरे विश्वविद्यालय से उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। दिन की शुरुआत स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में सूचीबद्ध एक उत्साही शोधकर्ता डॉ. वंदना शर्मा द्वारा "प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग: आईटी उद्योग में क्रांति" पर एक सेमिनार के साथ हुई, जिसमें मानव-एआई इंटरैक्शन को बदलने में प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग की उभरती भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। कोड ऑफ ड्यूटी, द फाइनल आर्ग्युमेंट, फ्रेम इट राइट, बीजीएमआई बैटल रॉयल, बियॉन्ड द एब्सट्रैक्ट, गीक लीग और द डालगोना क्वेस्ट जैसे अन्य कार्यक्रमों ने छात्रों को कंप्यूटर विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा करने, सहयोग करने और अन्वेषण करने के अवसर प्रदान किए। इस कार्यक्रम में विभाग की वार्षिक पत्रिका, ई- ब्लिट्जाइन के नवीनतम संस्करण का विमोचन भी हुआ। ब्लिट्ज वर्ष भर विभिन्न आकर्षक पहलों का आयोजन करके नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करता रहता है, जिसका उद्देश्य छात्रों में नवाचार, आलोचनात्मक सोच और उद्योग के लिए तत्परता को बढ़ावा देना है।

11.5.2. बिज़वर्ल्ड: वाणिज्य समाज

" बिज़वर्ल्ड " सोसाइटी छात्रों को अपनी सार्वजनिक भाषण और प्रबंधन क्षमताओं को निखारने का अवसर प्रदान करती है। 6 मार्च, 2025 को, विभाग ने अपना वार्षिक वक्ता सत्र, "इरुडिशन 2025" आयोजित किया, जिसमें "नेटवर्क का अदृश्य व्यवसाय" और "व्यावसायिक विकास में भावनात्मक बुद्धिमत्ता" जैसे आकर्षक विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस सत्र के वक्ता श्री अनिल कुमार (आत्म-जागरूकता

प्रशिक्षक) और श्री सौरभ यादव (रॉकसेंसर इंडिया के निदेशक) थे। 4 अप्रैल, 2025 को, बिज़वर्ल्ड ने अपना वार्षिक उत्सव, "फ्लेडलिंग 2025" आयोजित किया। इसमें कई कार्यक्रम शामिल थे, जिनमें मार्के-ट्रिक्स (मार्केटिंग के मैट्रिक्स में महारत हासिल करें), वोलैटिलिटी वॉल्ट (जहाँ अवसर अनिश्चितता से मिलते हैं), और मार्जिनइन्वेस्ट (मार्जिन मायने रखता है, निवेश मायने रखता है) शामिल थे। इन कार्यक्रमों के बाद, 14वीं वार्षिक वाणिज्य पत्रिका "जेनेसिस" का विमोचन किया गया, जिसका विषय था "अदृश्य व्यवसाय - व्यवसाय को चलाने वाली छिपी हुई अर्थव्यवस्था" ।

11.5.3. मेटामोर्फोसिस: द सोसाइटी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज

बीएमएस छात्र संघ, मेटामोर्फोसिस, शैक्षणिक संवर्धन, व्यावहारिक अनुप्रयोग और अनुभवात्मक अधिगम का एक स्तंभ है। विभाग छात्रों को ज़िम्मेदारी लेने और अपने प्रबंधकीय एवं नेतृत्व कौशल को निखारने के लिए मंच प्रदान करने के महत्व पर ज़ोर देता है। संघ में सभी वर्षों के छात्र, स्क्रीनिंग और साक्षात्कार के बाद चुने गए उम्मीदवारों में से निर्वाचित सदस्यों और संकाय द्वारा नामित सदस्यों के रूप में शामिल होते हैं। कनिष्ठ सदस्यों को संकाय द्वारा मार्गदर्शन दिया जाता है और वरिष्ठ सदस्यों को बाद के वर्षों में संघ में प्रमुख पदों के लिए नियुक्त किया जाता है। प्रबंधन और नेतृत्वकारी भूमिकाओं में काम करने के अधिक अवसर प्रदान करने के लिए, संघ के अंतर्गत तीन प्रकोष्ठ कार्यरत हैं, अर्थात्, इनसेप्टम - उद्यमिता प्रकोष्ठ, मार्केटपीडिया - विपणन प्रकोष्ठ, और सर्वज्ञ - प्रश्नोत्तरी प्रकोष्ठ। छात्र सदस्य विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों और गतिविधियों के माध्यम से अपनी पहलों की कल्पना, योजना, समन्वय और कार्यान्वयन करते हैं। अंतर-विभागीय और अंतःविभागीय गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी छात्रों को रणनीतिक योजना, प्रभावी संचार, बातचीत और समय प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण दक्षताओं को विकसित करने में सक्षम बनाती है। संघ सदस्यों को भविष्य की व्यावसायिक आवश्यकताओं को सहजता और आत्मविश्वास के साथ पूरा करने के लिए तैयार करता है।

शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के दौरान, मेटामोर्फोसिस ने कई कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिनमें शिक्षक दिवस समारोह, C2C (कैंपस टू करियर: द एलुम्नाई पर्सपेक्टिव) के कई एपिसोड - एक ऑनलाइन पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला, एक आंतरिक करियर मार्गदर्शन सत्र, बातचीत कौशल विकसित करने पर केंद्रित एक अंतर-विभागीय गतिविधि, एक केंद्रीय बजट सत्र, कॉग्निजेंस: चार प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों वाला वार्षिक प्रबंधन उत्सव जिसमें प्रमुख कॉलेजों की भागीदारी होगी, और डॉ. राधेश के. सूरी द्वारा "न्यूरो-लिंग्विस्टिक प्रोग्रामिंग और इंटरपर्सनल इफेक्टिवनेस" पर कौशल विकास कार्यशालाएँ और अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाई) के सहयोग से आयोजित "प्रोजेक्ट प्लानिंग एंड मैनेजमेंट" शामिल हैं। ये पहल भविष्य के प्रबंधकों, उद्यमियों और व्यावसायिक नेताओं के लिए एक व्यावहारिक प्रशिक्षण स्थल के रूप में कार्य करती हैं, जो शैक्षणिक शिक्षा को वास्तविक दुनिया के अनुभव के साथ एकीकृत करके समग्र विकास को बढ़ावा देती हैं।

11.5.4. मॉड्यूलस: गणित सोसायटी

गणित सोसाइटी 'मोड्यूलस' नियमित रूप से ऐसे कार्यक्रम आयोजित करती है जो विभाग में शैक्षणिक वातावरण को पोषित करते हैं। वास्तविक जीवन में गणित के महत्व को उजागर करने के लिए, केशव महाविद्यालय के गणित विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आशीष बंसल द्वारा 13 नवंबर, 2024 को "गणित के वास्तविक जीवन अनुप्रयोग" शीर्षक से एक छात्र कार्यशाला का आयोजन किया गया था। छात्रों को उनके स्नातक कार्यक्रम के चौथे वर्ष के दायरे और लाभों को समझाने के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय के गणित विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रंजना जैन ने 20 मार्च, 2025 को "शोध पद्धति" पर एक कार्यशाला आयोजित की। छात्रों के बीच एक शोध-उन्मुख मानसिकता को बढ़ावा देने, उन्हें उन्नत गणितीय अवधारणाओं का पता लगाने, अकादमिक चर्चाओं में शामिल होने और क्षेत्र में नवीन अनुसंधान में योगदान करने

के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से गणित विभाग के अनुसंधान प्रकोष्ठ "अनंत" का गर्व से उद्घाटन किया गया। 28 मार्च, 2025 को "रणनीतिक करियर मार्गदर्शन 2.0" शीर्षक से एक ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन किया गया, जिसका संचालन पूर्व छात्र श्री ध्रुव गोयल और सुश्री सान्या जैन ने किया। विभाग ने "भारत में गणित: प्राचीन से आधुनिक विश्व" विषय पर अपनी वार्षिक पत्रिका "कॉन्टिनम 2025" भी प्रकाशित की। गणित सोसायटी की गतिविधियों का कैलेंडर वार्षिक विभागीय उत्सव "मॉड्यूलस 2025" के साथ संपन्न हुआ।

11.5.5. इलेक्ट्रॉनिका: इलेक्ट्रॉनिक्स सोसाइटी

इलेक्ट्रॉनिका, विभाग की इलेक्ट्रॉनिकी सोसायटी नियमित कार्यशालाएं, व्याख्यान/सेमिनार आयोजित करती है। नए विचारों और तकनीकी सोच को पोषित करने के लिए उद्योग विशेषज्ञों और प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ बातचीत आयोजित की जाती है। सोसायटी विभागीय उत्सव 'एलेक्सोनिया', वार्षिक विभाग उत्सव का आयोजन करती है। 2025 में, एक विभागीय उत्सव ने रोमांचक गतिविधियों और खेलों की एक श्रृंखला का प्रदर्शन किया, जिसमें पूरे विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों को आकर्षित किया गया। क्लब फॉर एंबेडेड सिस्टम्स एंड रोबोटिक्स (सीईएआर) विभाग द्वारा चलाया जाता है जो छात्रों को सीखने के साथ-साथ अपने स्वयं के अभिनव विचारों को लागू करने में लाभान्वित करता है। यह एंबेडेड सिस्टम और रोबोटिक्स के क्षेत्र में उनके कौशल को महत्वपूर्ण रूप से निखारता है। CESAR के साथ गठबंधन में, छात्र युवा दिमाग में नए कौशल विकसित करने के लिए विविध कार्यशालाओं और तकनीकी कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

11.5.6. कॉसमॉस: द फिजिक्स सोसाइटी

कॉसमॉस, भौतिकी संस्थान, हर साल अपना विभागीय वार्षिक उत्सव 'क्यूरियोसिटी' आयोजित करता है। पूरे उत्सव का प्रबंधन करने का अवसर मिलने के साथ-साथ, छात्र सेमिनार, पोस्टर प्रस्तुतियाँ, वाद-विवाद और विभिन्न शैक्षणिक प्रतियोगिताओं जैसे सभी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। इससे उन्हें अपने क्षितिज का विस्तार करने, अपने नेतृत्व कौशल को निखारने और अपनी आलोचनात्मक सोच को निखारने का एक मंच मिलता है।

11.5.7. इनसैक: मनोविज्ञान सोसायटी

मनोविज्ञान विभाग का संगठन, इनसैक, एक समावेशी मंच है जो आयोजनों, सत्रों और कार्यशालाओं के माध्यम से रचनात्मक प्रतिभाओं को एक साथ लाता है। यह आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता को बढ़ावा देता है, व्यावहारिक शिक्षण अनुभव प्रदान करता है जो छात्रों को मनोवैज्ञानिक अवधारणाओं को वास्तविक दुनिया में लागू करने में मदद करते हैं और शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देते हैं। 21 और 22 मार्च, 2025 को आयोजित मनोविज्ञान विभाग के प्रमुख कार्यक्रम ' साइफोरिया ' ने व्यसन और रिश्तों पर आकर्षक वार्ता के माध्यम से सामुदायिक भावना को बढ़ावा दिया। संवादात्मक गतिविधियों से पूरित, इस कार्यक्रम ने समृद्ध शैक्षणिक और सांस्कृतिक अनुभव प्रदान किए, छात्रों के बीच संबंधों को मजबूत किया और विभाग के जीवंत वातावरण को बढ़ाया। मनोविज्ञान विभाग की वार्षिक पत्रिका ' सिनोप्सिस ' में छात्रों द्वारा लिखे गए लेख शामिल हैं जो शैक्षणिक गहराई और सुगमता के बीच संतुलन बनाते हैं। मनोवैज्ञानिक सिद्धांत पर आधारित, इसकी सामग्री संपादकीय टीम द्वारा संकाय के सहयोग से तैयार की जाती है, जो विचारशील विद्वता और व्यापक ज्ञान साझाकरण के प्रति विभाग के समर्पण को दर्शाती है।

11.5.8. पर्यावरण अध्ययन

पर्यावरण अध्ययन विभाग छात्रों में पर्यावरण जागरूकता और जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग पृथ्वी दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस और अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस जैसे प्रमुख पर्यावरण दिवसों पर सक्रिय रूप से सेमिनार और विशेषज्ञ वार्ता आयोजित करता है, जिसमें शिक्षा और नीति जगत के प्रतिष्ठित वक्ता शामिल होते हैं। उल्लेखनीय रूप से, 21 और 22 मार्च, 2025 को, विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस और विश्व जल दिवस को बैक-टू-बैक कार्यक्रमों के साथ मनाया, जिसमें प्रोफ़ेसर महिमा कौशिक द्वारा "जल: जीवन का सार" पर एक मुख्य व्याख्यान शामिल था। 20 सितंबर, 2024 को, हिंदी विभाग के सहयोग से, राष्ट्रीय हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में "पर्यावरण के लिए संगोष्ठी" शीर्षक से एक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें स्थिरता को बढ़ावा देने में भाषा की अंतःविषय भूमिका पर प्रकाश डाला गया। अनुभवात्मक अधिगम को बढ़ाने के लिए, विभाग जैव विविधता पार्कों, वन्यजीव अभयारण्यों और नर्सरियों का नियमित रूप से आभासी और भौतिक क्षेत्र दौरा करता है। ऐसी ही एक यात्रा में 2 दिसंबर, 2024 और 5 मई, 2025 को यमुना जैव विविधता पार्क का वर्चुअल दौरा शामिल था, जिससे शहरी जैव विविधता और पारिस्थितिक पुनर्स्थापन के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई।

विभाग विभिन्न पर्यावरण अभियानों और ड्राइव जैसे प्लास्टिक और ई-कचरे पर जागरूकता कार्यक्रम, स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता अभियान और वृक्षारोपण प्रयासों का भी नेतृत्व करता है। 25 फरवरी से 7 मार्च, 2025 तक, पर्यावरण अध्ययन विभाग ने प्लास्टिक कचरे के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और जिम्मेदार निपटान और रीसाइक्लिंग प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज परिसर में एकल-उपयोग प्लास्टिक संग्रह अभियान चलाया। इसके बाद 5 जून, 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया, जिसके दौरान विभाग ने लाइफ मिशन (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) के तहत " एकल-उपयोग प्लास्टिक को कम करने का संकल्प अभियान" आयोजित किया। विभाग पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, पर्यावरण गैर सरकारी संगठनों और अनुसंधान संस्थानों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और प्रतियोगिताओं में छात्र भागीदारी को भी प्रोत्साहित करता है।

11.6. अन्य सुविधाएँ

11.6.1. एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यक छात्रवृत्तियाँ

कॉलेज छात्र छात्रवृत्ति के लिए एनएसपी 2.0 पोर्टल और जिला पोर्टल पर पंजीकृत है। एनएसपी 2.0 पोर्टल विंग, भारत सरकार, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत छात्रों को छात्रवृत्ति प्राप्त करने में मदद करता है। ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर, दिल्ली सरकार तीन छात्रवृत्तियाँ चलाती है: पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (एससी)-सीएसएसएस, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (ओबीसी)-सीएसएसएस, और व्यावसायिक/तकनीकी कॉलेजों / संस्थानों / विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत एससी / एसटी / ओबीसी / अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रों के लिए मेरिट छात्रवृत्ति-राज्य योजना।

11.6.2. डिजिटल सुविधाएं

- कॉलेज द्वारा प्रत्येक छात्र को ईआरपी सॉफ्टवेयर के लिए लॉगिन क्रेडेंशियल प्रदान किए जाएँगे। सभी छात्र-केंद्रित कार्य जैसे विषय आवंटन (जीई, एसईसी, वीएसी), उपस्थिति, आईए आदि ईआरपी पोर्टल के माध्यम से किए जाएँगे।
- कॉलेज परिसर वायर्ड और वायरलेस नेटवर्क दोनों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। छात्राओं को फाइबर ऑप्टिक/लैन केबल बैकबोन संरचना द्वारा 200 एमबीपीएस कनेक्टिविटी के साथ इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। वाई-फाई की सुविधा केवल कक्षाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, सभागार, एम्फीथिएटर और कैफेटेरिया सहित सभी क्षेत्रों तक फैली हुई है। गर्ल्स हॉस्टल में भी अलग से वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध है।

11.6.3. पुस्तकालय सदस्यता

- पुस्तकालय का सदस्य बनने के लिए छात्रों को अपनी शुल्क रसीद और कॉलेज पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। सदस्यता वार्षिक है और प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के अंत में स्वीकृति लेनी होगी। पुस्तकालय पाठक टिकट (कार्ड) हस्तांतरणीय नहीं हैं।
- छात्रों को चार लाइब्रेरी रीडर टिकट (बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस -05) दिए जाते हैं, जिनका उपयोग एक ही समय में पढ़ने में आसानी के लिए किया जा सकता है। लाइब्रेरी रीडर टिकट संख्या 4 पर जारी पुस्तकें केवल एक दिन के लिए हैं, जबकि अन्य सभी लाइब्रेरी रीडर टिकटों पर जारी पुस्तकें पंद्रह दिनों की अवधि के लिए हैं।
- समय पर पुस्तकें न लौटाने पर पहले सप्ताह में प्रति पुस्तक 5 रुपये प्रतिदिन, दूसरे सप्ताह में 10 रुपये प्रतिदिन, तीसरे सप्ताह में 25 रुपये प्रतिदिन की दर से अतिदेय शुल्क लिया जाएगा तथा चौथे सप्ताह में पुस्तक न लौटाने पर छात्र की पुस्तकालय सदस्यता रद्द कर दी जाएगी।
- छात्रों को पुस्तकालय के प्रवेश द्वार पर तथा पुस्तकालय की पुस्तकें जारी करते समय कॉलेज आई-कार्ड दिखाना होगा।
- छात्र पुस्तकालय में कोई बैग नहीं ले जा सकते।
- लाइब्रेरी टिकट के हस्तांतरण के मामले में, मूल कार्ड धारक का टिकट रद्द कर दिया जाएगा।
- यदि किसी पुस्तक के पृष्ठ फाड़े जाने की सूचना मिलती है तो कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।
- यदि किसी पाठक/सदस्य ने अपना पुस्तकालय टिकट खो दिया है, तो पुस्तकालय टिकट के किसी भी प्रकार के दुरुपयोग से बचने के लिए अगले शैक्षणिक वर्ष में उसे डुप्लिकेट पुस्तकालय टिकट जारी किया जाएगा।
- रीडर्स टिकट खोने पर प्रति कार्ड 100 रुपये का जुर्माना लगेगा। डुप्लीकेट कार्ड जारी करने पर 50 रुपये का जुर्माना लगेगा।
- रीडर्स टिकट के बार-बार खो जाने के कारण डुप्लिकेट कार्ड पर केवल प्रिंसिपल की पूर्व स्वीकृति के बाद ही विचार किया जाएगा।
- उधार पर ली गई पुस्तकें किसी भी समय बिना कोई कारण बताए वापस ली जा सकती हैं।
- प्रवेश प्राप्त होने के बाद पुस्तकालय सदस्यता फॉर्म जमा करना होगा।

11.6.4. कॉलेज पहचान पत्र

प्रत्येक छात्र को एक पहचान पत्र जारी किया जाएगा जिसे उसे हमेशा अपने साथ रखना होगा और माँगे जाने पर दिखाना होगा। ऐसा न करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। छात्र को कॉलेज छोड़ते समय पहचान पत्र वापस करना होगा। पहचान पत्र खो जाने पर तुरंत कार्यालय को सूचित करना होगा।

11.6.5. शुल्क रियायत समिति

कॉलेज आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग के छात्रों को उनकी कॉलेज फीस (परीक्षा शुल्क को छोड़कर) माफ़ करके या पुस्तक अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करता है। कॉलेज योग्य छात्रों को शुल्क में छूट भी देता है। सभी छात्र सत्र की शुरुआत में प्रधानाचार्य कार्यालय के माध्यम से शुल्क छूट समिति को इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।

11.6.6. मेंटर-मेंटी समूह

कॉलेज में मेंटर-मेंटी प्रथा अपनाई जा रही है, जिसमें विभिन्न वर्षों के छात्र संकाय सदस्यों के साथ जुड़े रहते हैं। वे किसी भी प्रकार की सहायता या मार्गदर्शन के लिए समूहों में जुड़े रहते हैं। मेंटर-मेंटी बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं और छात्रों को अपनी शैक्षणिक या व्यक्तिगत समस्याओं को अपने मेंटरों के साथ साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ये बातचीत संकाय को छात्रों के साथ निरंतर संपर्क में रखती हैं, शैक्षणिक और व्यक्तिगत समस्याओं को सुलझाती हैं और समग्र व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करती हैं।

11.6.7. फोटोकॉपी सुविधा

कॉलेज में छात्रों के लिए उचित मूल्य पर फोटोकॉपी की सुविधा उपलब्ध है, जो गेट नंबर 1 के पास मदर डेयरी बूथ के पास उपलब्ध है।

11.6.8. एटीएम

कॉलेज के छात्रों और कर्मचारियों को बैंकिंग सेवाओं तक आसान पहुँच प्रदान करने के लिए, केनरा बैंक द्वारा कॉलेज परिसर में एक एटीएम मशीन स्थापित की गई है। कॉलेज छात्रों को डिजिटल लेनदेन की सुविधा भी प्रदान करता है।

11.6.9. बस पास / रेलवे पास

डीटीसी कॉलेज के छात्रों के लिए रियायती बस पास की सुविधा प्रदान करता है, जो माँग पर उपलब्ध होते हैं। कॉलेज डीटीसी बस पास फॉर्म के सत्यापन की व्यवस्था करके छात्रों की सुविधा करता है। रेल रियायत के लिए सत्यापन की सुविधा छात्रों को केवल छुट्टियों के दौरान अपने गृहनगर में अपने माता-पिता से मिलने (आने-जाने) के लिए कॉलेज कार्यालय में उपलब्ध है।

12. अनुशासन

किसी भी प्रकार की रैगिंग सख्त वर्जित है। रैगिंग की शिकायतों का निपटारा डीयू की वेबसाइट www.du.ac.in पर अधिसूचित नियम 2009 के अंतर्गत किया जाएगा। अध्यादेश XV-C के प्रावधानों के अतिरिक्त, माननीय सर्वोच्च न्यायालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और यूजीसी द्वारा तय किए गए अन्य सभी उपाय विश्वविद्यालय और कॉलेजों पर बाध्यकारी होंगे।

रैगिंग विरोधी और अनुशासन संबंधी दिशानिर्देश

1. छात्र कॉलेज परिसर में अपने आचरण के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें कॉलेज परिसर में ऐसा कुछ भी करने से मना किया गया है, जो अनुशासन का उल्लंघन हो या कॉलेज के सुचारू संचालन में हस्तक्षेप हो।
2. किसी भी अनुशासनहीनता के लिए छात्र पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अनुशासनात्मक कार्रवाई में चेतावनी और/या कक्षाओं से, परीक्षाओं से, कॉलेज पुस्तकालय से या यहाँ तक कि कॉलेज से भी निलंबन शामिल हो सकता है। किसी भी अनुशासनहीनता के मामले में "दिल्ली विश्वविद्यालय के अनुशासन नियम" के अध्यादेश XV (B), XV (C) और XV (D) में दिए गए सभी नियमों और मानदंडों का कड़ाई से पालन किया जाएगा।
3. छात्र सभ्य और गरिमापूर्ण व्यवहार करेंगे और कॉलेज समुदाय के किसी भी वर्ग के प्रति आपत्तिजनक व्यवहार से दूर रहेंगे। असभ्य व्यवहार और/या भाषा के प्रयोग से सख्ती से निपटा जाएगा।
4. छात्रों को कक्षाओं और गलियारों में शांति और शालीनता बनाए रखनी होगी और अव्यवस्थित व्यवहार से दूर रहना होगा। मौखिक दुर्व्यवहार को भी अनुशासन का उल्लंघन माना जाएगा।
5. कक्षा के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग सख्त वर्जित है।
6. कॉलेज के गलियारों में कोई भी खेल खेलना सख्त मना है।
7. कॉलेज परिसर में धूम्रपान करना एक अपराध है और कानून के तहत इस पर सख्त प्रतिबंध है।
8. कॉलेज परिसर में शराब/नशीली दवा या किसी अन्य नशे/अवैध सामग्री का सेवन या उसे रखना सख्त मना है और ऐसा करने पर कॉलेज से निष्कासन सहित गंभीर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।
9. किसी भी प्रकार की रैगिंग सख्त वर्जित है और एक दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में शामिल किसी भी व्यक्ति के साथ समय-समय पर संशोधित जीयूसी विनियम 2009 और दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार सख्ती से निपटा जाएगा।
10. छात्रों को कॉलेज की संपत्ति, जैसे कि फर्नीचर और अन्य सामान, की उचित देखभाल करनी चाहिए। उन्हें कॉलेज की संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए। ऐसा करने पर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।
11. छात्रों को सूचित किया जाता है कि वे परिसर में या इसके आसपास किसी भी प्रकार का कूड़ा न फैलाएं, न बिछाएं और न ही फेंकें।
12. सभी विद्यार्थियों के वाहन पार्क करने के लिए एक निर्धारित पार्किंग स्थल उपलब्ध कराया गया है। कॉलेज परिसर के किसी अन्य भाग में किसी भी वाहन को पार्क करने की अनुमति नहीं होगी।
13. छात्र प्राचार्या की पूर्व अनुमति के बिना कॉलेज में कोई सोसाइटी/क्लब नहीं बना सकते हैं, न ही प्राचार्या की औपचारिक सहमति के बिना किसी व्यक्ति को कॉलेज में बैठक को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

14. छात्रों को समय-समय पर दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए सभी अनुशासनात्मक नियमों/विनियमों का पालन करना आवश्यक है।

15. कॉलेज में रैगिंग के प्रति शून्य सहिष्णुता और एक बहुत ही सख्त रैगिंग विरोधी नीति है। कृपया निम्नलिखित लिंक में दिए गए दस्तावेज़ को देखें:

    http://www.du.ac.in/du/uploads/anti_ragging/11072017_antiragging_guidelines.pdf

16. छात्रों और उनके अभिभावकों को यूजीसी विनियमों के अनुसार एंटी-रैगिंग से संबंधित एक वचनबद्धता निम्नलिखित लिंक का उपयोग करके प्रस्तुत करनी होगी:

    https://antiragging.in/affidavit_registration_disclaimer.html

    कॉलेज की एंटी-रैगिंग आधिकारिक ईमेल आईडी: antiragging@keshav.du.ac.in

17. उपस्थिति नियम: छात्रों की उपस्थिति से संबंधित दिल्ली विश्वविद्यालय अध्यादेश VII के अनुसार, दिल्ली विश्वविद्यालय की अंतिम सेमेस्टर परीक्षाओं में बैठने के लिए दो-तिहाई (66.67%) उपस्थिति अनिवार्य है। इसे ध्यान में रखते हुए, सभी छात्रों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे डीएससी, डीएसइ, एसइसी, वीएसी, एइसी और जीइ पाठ्यक्रमों में थ्योरी/प्रैक्टिकल/ट्यूटोरियल (सभी मिलाकर) में 66.67% उपस्थिति बनाए रखें।

13. सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत सूचना प्राप्त करने की प्रक्रिया

1. सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत सूचना प्राप्त करने के लिए आवेदन लोक सूचना अधिकारी को संबोधित किया जा सकता है।
2. आवेदन भरने के लिए निर्धारित शुल्क अर्थात 10 रुपये और सूचना प्राप्त करने के लिए अन्य शुल्क महाविद्यालय के लेखा विभाग के कैशियर को उचित रसीद के साथ नकद रूप में या प्राचार्या, केशव महाविद्यालय, दिल्ली के नाम देय बैंक डिमांड ड्राफ्ट या बैंकर्स चेक या भारतीय पोस्टल ऑर्डर के माध्यम से जमा किया जा सकता है।
3. महाविद्यालय के लोक सूचना अधिकारी के निर्णय के विरुद्ध प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील की जा सकती है।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 4(1)(बी) के अंतर्गत तैयार सक्रिय प्रकटीकरण/मैनुअल कॉलेज की वेबसाइट https://keshav.du.ac.in/usefullinks/rti पर उपलब्ध हैं । कॉलेज की आरटीआई आधिकारिक ईमेल आईडी rti@keshav.du.ac.in है ।

कॉलेज का आरटीआई सेल

पद	नाम
प्रथम अपीलीय प्राधिकारी	प्रो. मधु प्रूथी, प्राचार्या
पारदर्शिता अधिकारी	डॉ. अंजलि ठुकराल
जन सूचना अधिकारी (पीआईओ)	प्रो. जसमीत सिंह
सहायक पीआईओ	श्री राज कुमार
नोडल अधिकारी, आरटीआई	प्रो. विनीता जिंदल
आरटीआई के लिए आईटी अधिकारी	श्री अखिलेश शर्मा

"Only Knowledge can provide salvation"

14. शिकायत एवं परिवाद समितियां

14.1. एंटी-रैगिंग कमेटी (कॉलेज + छात्रावास)

रैगिंग विरोधी नीति पर आधारित दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV-C के अनुसार, कॉलेज और छात्रावास के छात्रों के लिए एक रैगिंग विरोधी समिति गठित की जाती है ताकि ऐसी किसी भी घटना की रोकथाम और निषेध किया जा सके। रैगिंग विरोधी समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं:

प्रो. मधु प्रुथी - अध्यक्ष
डॉ. रजनी मेंदीरत्ता - संयोजक
प्रो. भावना गुप्ता
डॉ. सुरेंद्र सिंह
डॉ. मीनाक्षी
श्री कुणाल
डॉ. रुचि गोयल
सुश्री आकांक्षा मेंदिरत्ता
श्री आनंद

14.2. आंतरिक कॉलेज शिकायत समिति (आईसीसी)

यौन उत्पीड़न विरोधी नीति (विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध) पर आधारित दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV-D (du.ac.in पर डीयू यूजी बुलेटिन 2021-22 देखें) के अनुसार, महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण हेतु एक आंतरिक कॉलेज शिकायत समिति (आईसीसी) का गठन किया गया है ताकि छात्रों और कर्मचारियों (शिक्षक और गैर-शिक्षक) के यौन उत्पीड़न से मुक्त शैक्षणिक वातावरण का निर्माण और रखरखाव किया जा सके। समिति और अधिनियम के बारे में अधिक जानकारी के लिए देखें - https://keshav.du.ac.in/usefullinks/icc

14.3. संपर्क / नोडल अधिकारी

आईक्यूएसी समन्वयक	प्रो. पद्मा साई अरोड़ा
एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी	डॉ. अमनजोत सचदेवा
संपर्क अधिकारी एससी/एसटी	डॉ. मीनाक्षी
संपर्क अधिकारी ओबीसी	प्रो. जसमीत सिंह
संपर्क अधिकारी पिडब्ल्यूबीड़ी	प्रो. दीपक श्रीवास्तव
संपर्क अधिकारी ईडब्ल्यूएस	प्रो. अर्पणा शर्मा
एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति, डीएसपी 1.0	श्री रवि कुमार यादव
एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति, एनएसपी 2.0	प्रो. रितु अरोड़ा
एआईएसएचई/एमएचआरडी की नोडल अधिकारी	प्रो. अनिता मेंदीरत्ता
जेंडर चैंपियंस के लिए नोडल अधिकारी	प्रो. कनुप्रिया गोस्वामी, प्रो. अर्पणा शर्मा
तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी	डॉ. मुकेश

नोडल लोक शिकायत अधिकारी	प्रो. विनीता जिंदल, प्रो. कनुप्रिया गोस्वामी
आरटीआई की नोडल अधिकारी	प्रो. विनीता जिंदल
एईसी - हिंदी की नोडल अधिकारी	प्रो. ऋचा शर्मा
ईवीएस की नोडल अधिकारी	प्रो. अर्पणा शर्मा
जीई के लिए नोडल अधिकारी	प्रो. अर्पणा शर्मा
एसईसी के नोडल अधिकारी	प्रो. नेहा शर्मा
वीएसी के नोडल अधिकारी	प्रो. जगनीत कौर आनंद
फ्रेंच और जर्मन पाठ्यक्रमों के लिए नोडल अधिकारी	प्रो. भावना गुप्ता

14.4. छात्र शिकायत निवारण समिति (एसजीआरसी)

(sgrc@keshav.du.ac.in)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (छात्र शिकायतों का निवारण) विनियम, 2024 दिनांक 11.4.2024 के प्रावधानों के अनुसार, संस्थान में पहले से नामांकित छात्रों के साथ-साथ संस्थान में प्रवेश चाहने वाले छात्रों की शिकायतों के निवारण पर विचार करने के लिए एक छात्र शिकायत निवारण समिति (एसजीआरसी) का गठन किया जाता है। इस समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं।

प्रो. रोली बंसल (संयोजक)
प्रो. शालिनी देवी
डॉ. मीनाक्षी
डॉ. सुरेंद्र सिंह
प्रो. अर्पणा शर्मा

ऋते ज्ञानान्न मुक्तिः
"Only Knowledge can provide salvation"

15. शिक्षक

प्राचार्या

प्रो. मधु प्रुथी

उप-प्राचार्या

प्रो. अर्पणा शर्मा

बर्सर

डॉ. अंजलि ठुकराल

प्रॉस्पेक्टस समिति

प्रो. शालिनी देवी (संयोजक)

प्रो. जसमीत सिंह

प्रो. हरप्रीत भाटिया

डॉ. ज्योति बंसल

सुश्री निधि अग्रवाल

सुश्री निधि पासी

डॉ. नमिता अग्रवाल

डॉ. जैनसन एंटनी ए

रसायन विज्ञान विभाग

1	डॉ. मुकेश गुप्ता - **टीआईसी**

वाणिज्य कर विभाग

1	डॉ. शालिनी कुमार
2	प्रो. अंजू अरोड़ा - **टीआईसी**
3	प्रो. प्रदीप कुमार
4	प्रो. पद्मसाई अरोड़ा
5	प्रो. विपिन नेगी
6	प्रो. शालिनी देवी
7	प्रो. दीपक श्रीवास्तव
8	प्रो. अनीता मेंदिरत्ता
9	डॉ. संदीप वोडवाल
10	श्री प्रवीण कुमार

11	डॉ. आरएस राजपुरोहित
12	श्री हेमंत यादव
13	डॉ. अंजलिका सोलंकी
14	श्री कुणाल कुमार
15	सुश्री नमिता पाढ़ी
16	सुश्री मोनू चौहान
17	डॉ. रुचि गोयल
18	सुश्री स्नेहलता राणा
19	सुश्री निधि अग्रवाल

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

1	प्रो. प्रीति सहगल
2	डॉ. अंजलि ठुकराल
3	प्रो. रोली बंसल – **टीआईसी**
4	प्रो. भावना गुप्ता
5	प्रो. ऋचा शर्मा
6	प्रो. विनीता जिंदल
7	श्री रवि कुमार यादव
8	सुश्री ऋचा गुप्ता (एसएल पर)
9	सुश्री मौलीन पाठक (एसएल पर)
10	सुश्री आस्था गोयल

11	सुश्री निधि पासी
12	श्री सुमित कुमार बबेरवाल
13	डॉ. सुमित कुमार अग्रवाल
14	डॉ. नमिता अग्रवाल
15	सुश्री ज्योति कुमारी
16	डॉ. राकेश कुमार
17	श्री प्रदीप कुमार
18	श्री आनंद
19	डॉ. आशुतोष सिंह

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग

1	प्रो. विनोद कुमार शर्मा
2	प्रो. नेहा शर्मा – **टीआईसी**
3	प्रो. जगनीत कौर आनंद

4	डॉ. ज्योति आनंद
5	श्री अनिल सेठी
6	डॉ. ज्योति बंसल

अंग्रेजी विभाग

1	प्रो. मंजरी सिंह - **टीआईसी**

2	मोहम्मद रफीक सीके

प्रबंधन अध्ययन विभाग

1	डॉ. अमनजोत सचदेवा - **टीआईसी**
2	सुश्री सोनू मेहता
3	सुश्री आस्था कांजलिया

4	सीए कृति मनचंदा
5	डॉ. नोमिता शर्मा
6	सुश्री रुचि

गणित विभाग

1	डॉ. रजनी मेंदीरत्ता
2	प्रो. अर्पणा शर्मा
3	प्रो. रितु अरोड़ा - **टीआईसी**
4	डॉ. आशीष बंसल
5	प्रो. धनपाल सिंह

6	डॉ. रिची अग्रवाल
7	डॉ. राम चंद्र वर्मा
8	डॉ. पंजाबी सिंह
9	श्री दीपक कुमार मीणा
10	डॉ. जैनसन एंटनी ए

शारीरिक शिक्षा विभाग

1	डॉ. सुरेंद्र सिंह – **टीआईसी**

भौतिकी विभाग

1	प्रो. ए.के. अरोड़ा (प्रतिनियुक्ति पर)

7	प्रो. जसमीत सिंह

2	डॉ. वीके वर्मा		8	सुश्री मीनाक्षी
3	प्रो. कनुप्रिया गोस्वामी (एसएल पर)		9	डॉ. चेतना
4	प्रो. अनुपमा सचदेवा - **टीआईसी**		10	श्री गगनदीप लोंगियानी
5	डॉ. वंदना अरोड़ा		11	सुश्री नेहा यादव
6	प्रो. दिव्या हरिदास		12	डॉ. किरण यादव

मनोविज्ञान विभाग

1	प्रो. हरप्रीत भाटिया		4	सुश्री आकांक्षा मेंदीरत्ता
2	डॉ. डेज़ी शर्मा - **टीआईसी**		5	डॉ. मोना रंगा
3	डॉ. पल्लवी राज		6	सुश्री पिंकी

हिंदी विभाग

प्रो. ऋचा शर्मा – **टीआईसी**

पर्यावरण अध्ययन विभाग

प्रो. अर्पणा शर्मा – **टीआईसी**

बी.एससी. (प्रोग.) भौतिक विज्ञान कंप्यूटर विज्ञान के साथ

डॉ. मुकेश – **कार्यक्रम समन्वयक**

16. गैर-शिक्षण कर्मचारी

प्रशासन अनुभाग		
1	सुश्री निधि सीकरी	वरिष्ठ सहायक
2	श्री दीपक सिंह सौन	सहायक
3	श्री कमल गुलाटी	सहायक
4	श्री आर.डी. कौशिक	जूनियर सहायक
5	श्री नरेंद्र पाल सिंह	दफ्तरी
6	श्री राजेंद्र कुमार	ड्राइवर
7	श्री भैरव दत्त	सुरक्षा गार्ड
8	श्री राम सुख	माली
9	श्री उमेश चंद	माली
10	श्री संजय कुमार देशबंधु	कार्यालय परिचारक
11	श्री विजय पाल सिंह	कार्यालय परिचारक
12	सुश्री नीतू शर्मा	कार्यालय परिचारक
13	सुश्री सरोज बाला	जल महिला
14	श्री अजय	खेल परिचारक
15	श्री अशोक कुमार	सफाई कर्मचारी
लेखा अनुभाग		
17	श्री पवन कुमार गुप्ता (प्रतिनियुक्ति पर)	अनुभाग अधिकारी (लेखा)
18	श्री शिव नारायण	सहायक
19	श्री अन सिंह मेहरा	कनिष्ठ सहायक
20	श्री विनोद कुमार	कार्यालय परिचारक
21	श्री श्री निराला राम	कार्यालय परिचारक
पुस्तकालय		
21	डॉ. (सुश्री) रितु सेठी	लाइब्रेरियन
22	श्री नवीन शर्मा	प्रो. सहायक
23	श्री आर.एस. मेहरा	अर्ध प्रोफ़ेसर सहायक
24	श्री गजेन्द्र पाल	पुस्तकालय सहायक
25	श्री पवन कुमार	पुस्तकालय परिचारक
इलेक्ट्रानिक्स		
26	श्री राजेश कुमार	लैब सहायक
27	श्री राम कुमार	लैब सहायक
भौतिक विज्ञान		
28	श्री प्रेम सिंह	लैब सहायक
29	श्री चंद्र प्रकाश	लैब सहायक
30	श्री अरुण कुमार शर्मा	लैब सहायक

कंप्यूटर विज्ञान		
32	श्री राजेश वाधवा	स्टेडियम
33	सुश्री अनुराधा चड्ढा	स्टेडियम
34	श्री लवकेश जैरथ	लैब अटेंडेंट
35	सुश्री पूजा बत्रा	लैब अटेंडेंट
36	श्री रितेश गुप्ता	फ़राश
संविदात्मक		
1	श्री राज कुमार	एसओ (प्रशासन)
2	श्री अरविंद कुमार	स्टेडियम
3	श्री अखिलेश कुमार	लैब सहायक
4	श्री अमित कुमार	जूनियर सहायक
5	श्री संतोष कुमार	मीटर
6	श्री चंद्र पाल	एमटीएस (लैब अटेंडेंट)
7	श्री राहुल कुमार	एमटीएस (लैब अटेंडेंट)
8	श्री संजय कुमार (भौतिकी)	एमटीएस (लैब अटेंडेंट)
9	श्री संजय कुमार (प्रबंधन)	एमटीएस (लैब अटेंडेंट)
10	श्री हरि चंद मीणा	एमटीएस (लैब अटेंडेंट)
11	श्री संग्राम सिंह यादव	एमटीएस (लैब अटेंडेंट)
12	श्री सुरेंद्र कुमार	एमटीएस (लैब अटेंडेंट)
13	श्री पुनीत ठाकुर	एमटीएस (लैब अटेंडेंट)
14	श्री मनीष	एमटीएस (लिब अटेंडेंट)
15	श्री शकील अहमद	मीटर
16	श्री लवकेश	मीटर
17	श्री मोहित	मीटर
18	श्री सनम पठानिया	मीटर
19	श्री अभिषेक	मीटर
बालिका छात्रावास (अनुबंधित)		
1	सुश्री मीनू शर्मा	प्रबंधक
2	सुश्री हिमांशी शर्मा	बुढ़िया
3	सुश्री बेबी	महिला परिचारिका
4	श्री अजय कुमार मंडल	एमटीएस (माली)

1st Runner Up
Miss Fresher
Miss Runner

WELCOME
FRESHERS

CULTURAL COMMITTEE AND THE STUDENTS' UNION
organise
RYST '25
21
22

KESHAV MAHAVIDYALAYA

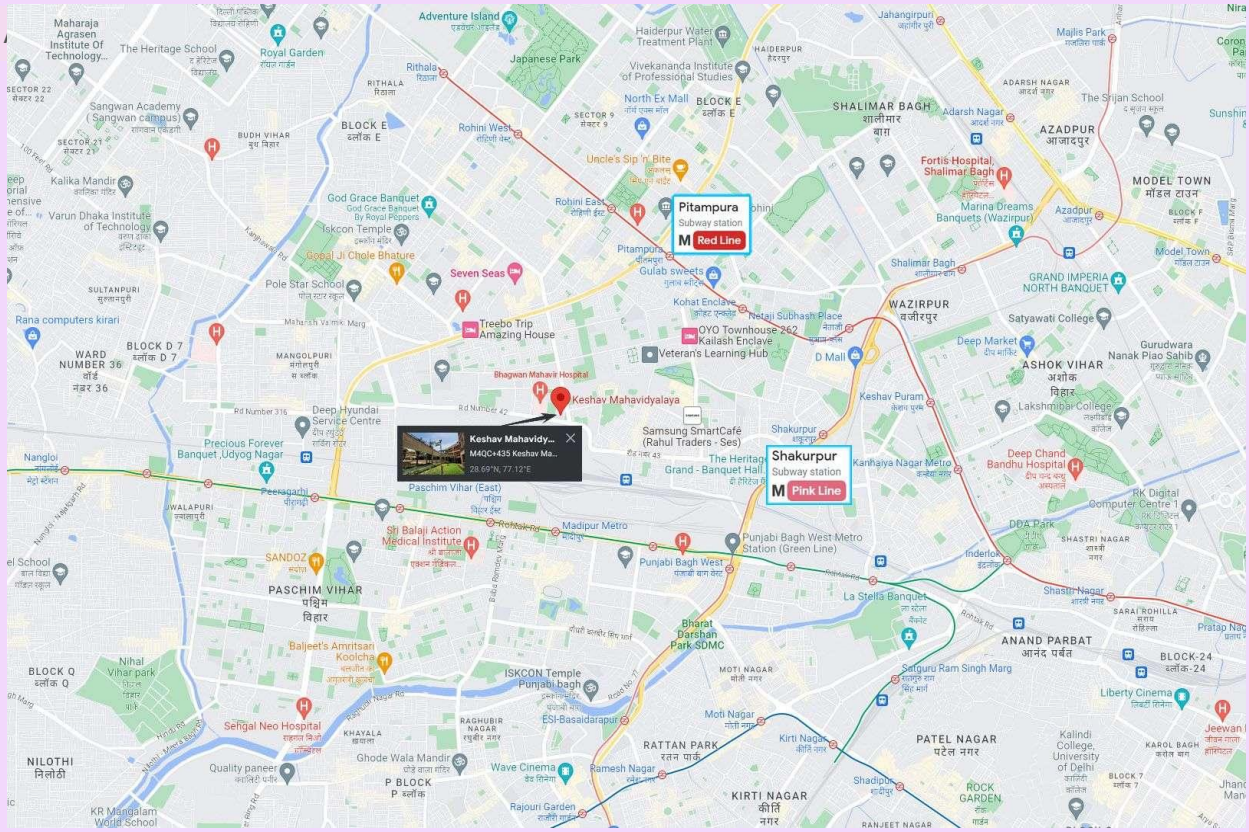

कॉलेज कनेक्टिविटी

कॉलेज विभिन्न सार्वजनिक परिवहन साधनों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

- डीटीसी बसें इन रूटों पर उपलब्ध हैं: 85एक्सट, 970सी, 951, 164, 906, 930, 945।
- पीतमपुरा (रेड लाइन) और शकूरपुर (पिंक लाइन) निकटतम मेट्रो स्टेशन हैं।
- कॉलेज के बाहर ई-रिक्शा आसानी से उपलब्ध हैं।

केशव महाविद्यालय

एनएएसी मान्यता प्राप्त 'ए' ग्रेड - चक्र 2

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

एच-4-5 जोन, पीतमपुरा, दिल्ली - 110 034

फ़ोन: 011-27018805

ईमेल: principal@keshav.du.ac.in

वेबसाइट: www.keshav.du.ac.in